◆ वर्ष - 35 ◆ अंक 67 ◆ www.skhnewstv.com ◆ 15 सितम्बर 2024 फिरोजाबाद ◆ पृष्ठ : 8 ◆ मूल्य : 1

दैनिक सच क्या है की प्रस्तुति

SKH NEWS

R.N.I.NO. 56725/89

सच क्या है

(उत्तर भारत का प्रमुख हिन्दी दैनिक)

अंदर के पेज 3 हिन्दी को बढ़ाने और संरक्षण के काम को और आगे बढ़ायेगी सपा : अखिलेश यादव | 4 पीसीएस जे परीक्षा मामले में हाईकोर्ट ने मांगा राज्य सरकार से जवाब | 5 सीएम योगी ने 'नाथपंथ का इतिहास' पुस्तक का किया लोकार्पण | 6 आचरण में देश, संस्कृति और अपने ग्रंथों को समाहित करें: ऋतेश्वर जी महाराज | 7 जेएस परिसर में बने नवनिर्मित प्रेक्षागृह का न्यायमूर्ति ने किया लोकार्पण

जम्मू-कश्मीर का विधानसभा चुनाव इस बार तीन खानदानों और युवाओं के बीच : प्रधानमंत्री मोदी

डोडा/नई दिल्ली, 14 सितंबर (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने परिवारवाद की राजनीति पर हमला करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर का इस बार का विधानसभा चुनाव तीन खानदानों और जम्मू-कश्मीर के युवाओं के बीच है।

जम्मू क्षेत्र के डोडा जिले में भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन में आयोजित एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में आ रहा बदलाव हमारी सरकार की बीते 10 सालों की कोशिशों का नतीजा है। उन्होंने कहा कि हम और आप मिलकर जम्मू-कश्मीर को देश का एक सुरक्षित और समृद्ध हिस्सा बनाएंगे।

जम्मू कश्मीर का इस बार का विधानसभा चुनाव तीन खानदानों और जम्मू-कश्मीर के युवाओं के बीच में है। उन्होंने कहा कि एक खानदान कांग्रेस का है, एक खानदान नेशनल कॉन्फ्रेंस का है और एक खानदान पीडीपी का है। जम्मू-कश्मीर में इन तीन खानदानों ने मिलकर आप लोगों के साथ जो किया है वो किसी पाप से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में दशकों से जो दुर्दशा हुई है, उसके लिए ये तीन परिवार जिम्मेदार हैं। वे भ्रष्टाचार में लिप्त रहे और आपको अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए संघर्ष करना पड़ा। इन परिवारों ने घाटी में आतंकवाद और उग्रवाद की नींव रखी। उन्होंने निजी लाभ के लिए आतंकवाद के प्रचार-प्रसार के लिए एक सुरक्षित पनाहगाह प्रदान की।

उन्होंने कहा कि इस बार जम्मू-कश्मीर का चुनाव, जम्मू-कश्मीर का भाग्य तय करने वाला है। आजादी के बाद से ही हमारा प्यारा जम्मू-कश्मीर विदेशी ताकतों के निशाने पर आ गया। इसके बाद इस खूबसूरत राज्य को परिवारवाद ने खोखला करना शुरू कर दिया।

यहां जिन राजनीतिक दलों पर आपने भरोसा किया, उन्होंने आपके बच्चों की चिंता नहीं की। उन्होंने सिर्फ और सिर्फ अपने बच्चों को आगे बढ़ाया। जम्मू-कश्मीर के मेरे नौजवान आतंकवाद में पिसते रहे और परिवारवाद को आगे बढ़ाने वाली पार्टियां आपको गुमराह करके मौज काटती रहीं। इन लोगों ने जम्मू-कश्मीर में नए नेतृत्व को कहीं भी, कभी भी उभरने ही नहीं दिया।

प्रधानमंत्री ने जनसभा को संबोधित करते हुए उस समय को याद किया जब यहां दिन ढलते ही अघोषित कर्फ्यू लग जाता था। उन्होंने कहा कि हालत ये थी कि तब कांग्रेस की केंद्र सरकार के गृहमंत्री तक लाल चौक जाने से डरते थे। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद अब अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है। पिछले 10 साल में यहां जो बदलाव आया है, वो किसी सपने से कम नहीं है।

जो पत्थर पहले पुलिस और फौज पर फेंकने के लिए उठते थे, उन पत्थरों से नया जम्मू कश्मीर बन रहा है।

आर्मेनिया ने अपने सुखोई-30 लड़ाकू विमानों को अपग्रेड करने के लिए भारत से मदद मांगी

-एवियोनिक्स, इलेक्ट्रॉनिक युद्धक उपकरण और हथियारों से लैस किया जाना है विमानों को

-आर्मेनिया ने एस्ट्रा एमके-1 बीवीआर मिसाइलों के लिए भी भारत के साथ बातचीत शुरू की

नई दिल्ली, 14 सितम्बर (हि.स.)। सोवियत संघ का पतन होने के बाद अजरबैजान के साथ दो बार युद्ध लड़ चुके आर्मेनिया ने रूस निर्मित सुखोई-30 लड़ाकू विमानों को अपग्रेड करने के लिए भारत से मदद मांगी है। इससे पहले आर्मेनिया ने भारत से रॉकेट सिस्टम, आर्टिलरी गन और हथियार पता लगाने वाले राडार लेने के लिए ऑर्डर दिया है। आर्मेनिया के सुखोई विमानों को एवियोनिक्स, इलेक्ट्रॉनिक युद्धक उपकरण और हथियारों से लैस किया जाना है। इसके अलावा आर्मेनिया ने एस्ट्रा एमके1 बीवीआर मिसाइलों के लिए भारत के साथ बातचीत शुरू की है।

जोधपुर एयरबेस पर अंतरराष्ट्रीय रक्षा विमानन प्रदर्शनी के दौरान चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने बहुराष्ट्रीय अभ्यास में भाग लेने वाली 28 वैश्विक वायु सेनाओं के शीर्ष अधिकारियों के साथ वार्ता कर-के संभावित सहयोग के क्षेत्रों पर चर्चा की। इसी वार्ता के दौरान आर्मेनिया के वायु सेना प्रमुख कर्नल होवनेस वर्दयान ने बताया कि हम हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) की मदद से अपने सुखोई-30 को आधुनिक बनाने पर विचार कर रहे हैं, क्योंकि इस क्षेत्र में उसके पास काफी विशेषज्ञता है। एचएएल ने नासिक में अपने विमान निर्माण प्रभाग में लाइसेंस के तहत भारतीय वायु सेना के लिए रूसी मूल के लड़ाकू विमानों का निर्माण किया है।

एचएएल के एक शीर्ष अधिकारी ने भी आर्मेनियाई वायु सेना के इरादों की पुष्टि में कहा कि इस बारे में कुछ बातचीत चल रही है लेकिन यह अभी शुरूआती चरण में है। आर्मेनिया के सुखोई-30 वेरिएंट भारतीय वायु सेना के सुखोई-30 बेड़े से अलग है। दोनों देशों के अलग-अलग वेरिएंट वाले सुखोई विमानों के तकनीकी पहलुओं के साथ ही आर्मेनिया की जटिल गतिशीलता को भी ध्यान में रखना चाहिए। इसके अलावा भारत का पुराना और भरोसेमंद रक्षा साझेदार रूस धीरे-धीरे यूक्रेन के साथ युद्ध शुरू होने के बाद से अजरबैजान के करीब जा रहा है।

इधर, हाल के वर्षों में आर्मेनिया के साथ भारत के रक्षा संबंध और भी गहरे हुए हैं। नवंबर, 2022 में भारतीय रक्षा फर्म कल्याणी स्ट्रैटेजिक सिस्टम्स लिमिटेड को आर्मेनिया से आर्टिलरी गन की आपूर्ति के लिए 155.5 मिलियन डॉलर का निर्यात ऑर्डर मिला था, जो 155 मिमी हथियार प्रणाली के लिए किसी स्थानीय कंपनी को दिया गया पहला ऑर्डर था। कल्याणी 2025 तक इस ऑर्डर को पूरा करेगी। इससे पहले आर्मेनिया ने भारत को चार स्वाति राडार और छह रेजिमेंट पिनाका रॉकेट सिस्टम खरीदने का ऑर्डर दिया था। इसलिए अब सुखोई-30 अपग्रेड के लिए आर्मेनिया का भारत की ओर रुख करना कोई आश्चर्य की बात नहीं है।

विशाखापट्टनम में सबमरीन एस्केप ट्रेनिंग फैसिलिटी 'विनेत्र' नौसेना में शामिल

-सबमरीन के चालक दल को आपातकालीन स्थितियों में सुरक्षित बचने को दी जाएगी ट्रेनिंग

-नौसेना की ऑपरेशनल तैयारियों, सुरक्षा प्रोटोकॉल और प्रशिक्षण इंफ्रास्ट्रक्चर में होगा सुधार

नई दिल्ली, 14 सितम्बर (हि.स.)। कलवरी सबमरीन एस्केप ट्रेनिंग फैसिलिटी 'विनेत्र' भारतीय नौसेना को मिल गई है। पूर्वी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल राजेश पेंढारकर ने विशाखापट्टनम में एक समारोह के दौरान इसे भारत के समुद्री बेड़े में शामिल किया है। इस आधुनिक ट्रेनिंग सेंटर का मकसद कलवरी श्रेणी की सबमरीन के चालक दल को आपातकालीन स्थितियों में सुरक्षित तरीके से बाहर निकलने की ट्रेनिंग देना है।

इसे स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित किया गया है, जो भारत की स्वदेशी रक्षा क्षमताओं में 'आत्मनिर्भरता' हासिल करने की पहल में से एक है।

आईएनएस सातवाहन, विशाखापट्टनम में 13 सितंबर को शामिल की गई सबमरीन एस्केप ट्रेनिंग फैसिलिटी 'विनेत्र' का निर्माण मेसर्स एलएंडटी डिफेंस ने किया है। कलवरी सबमरीन एस्केप ट्रेनिंग फैसिलिटी पांच मीटर के एस्केप टॉवर से सुसज्जित है।

इस अत्याधुनिक ट्रेनिंग फैसिलिटी का उपयोग कलवरी श्रेणी की पनडुब्बियों के चालक दल को बेसिक और रिफ्रेशर दोनों प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए किया जाएगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पनडुब्बी संकट की स्थिति में वे बच निकलने की कला में कुशल हो जाएं।

ट्रेनिंग फैसिलिटी 'विनेत्र' का अर्थ है 'ट्रेनर'। यह पनडुब्बी के चालक दल के बीच भरोसा बनाने में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सुनिश्चित करता है कि वे समुद्र के अंदर पानी के नीचे की किसी भी आपात स्थिति में बच निकलने के लिए आवश्यक कौशल और प्रशिक्षण से लैस हैं। यह प्रशिक्षण सुविधा भारतीय नौसेना की परिचालन तत्परता, सुरक्षा प्रोटोकॉल और प्रशिक्षण बुनियादी ढांचे को भी मजबूत करती है।

यह सेंटर भारतीय नौसेना की सुरक्षा तैयारियों को और भी मजबूत बनाएगा। इससे कलवरी श्रेणी की सबमरीन के चालक दल को आधारभूत और रिफ्रेशर ट्रेनिंग दी जाएगी, जिससे वे आपातकालीन स्थितियों में भी सुरक्षित निकल सकें।

नौसेना के कमांडर विवेक मधवाल के मुताबिक इस ट्रेनिंग फैसिलिटी के साथ नौसेना की ऑपरेशनल तैयारियों, सुरक्षा प्रोटोकॉल और प्रशिक्षण इंफ्रास्ट्रक्चर में भी सुधार आएगा। यहां से ट्रेंड होने के बाद नौसैनिक किसी भी आपदा में नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के ऑपरेशन के लिए पूरी तरह से तैयार होंगे।

विनेत्र का डिजाइन भारतीय रक्षा क्षमताओं के इनोवेशन की दिशा में एक अहम कदम है।

यह न केवल सबमरीन क्रू को आपातकालीन स्थितियों में सुरक्षित रखने की ट्रेनिंग देगा, बल्कि नौसेना की ऑपरेशनल क्षमता को भी बढ़ावा देगा।

यह सबमरीन समुद्री सुरक्षा को मजबूती देगा, जिससे आने वाले समय में नौसेना की ताकत में इजाफा होगा।

राहुल गांधी की टीम द्वारा टेक्सास में पत्रकार के साथ बदसुलूकी की एनयूजे ने की निंदा

नई दिल्ली, 14 सितंबर (हि.स.)। नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (इंडिया) ने अमेरिका के टेक्सास में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की विदेश यात्रा के दौरान इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा से इंटरव्यू के समय एक पत्रकार से बदसूलुकी और वीडियो डिलीट करने के मामले की कड़ी निंदा की है।

सैम पित्रोदा से पत्रकार रोहित शर्मा के यह सवाल पूछने पर कि 'क्या राहुल गांधी यूएस के सांसदों से बांग्लादेश में मारे जा रहे हिंदुओं के बारे में चर्चा करेंगे पर राहुल गांधी की टीम ने उनके साथ बदसुलूकी की और उनका फोन छीनकर वीडियो डिलीट कर दिया। पत्रकार को जबरन होटल के कमरे में 30 मिनट तक रोक कर रखा।

नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स इंडिया के अध्यक्ष रास बिहारी ने कहा कि हैरानी की बात है कि एक तरफ राहुल गांधी ने अमेरिका की यात्रा के दौरान भारत में मीडिया की घटती आजादी का मुद्दा उठाया और दूसरी तरफ उनकी टीम के सदस्यों ने भारतीय पत्रकार के साथ सवाल पूछने पर ही बदसुलूकी की और वीडियो को जबरन डिलीट कर दिया।

पत्रकार रोहित शर्मा ने घटना के बारें बताते हुए कहा कि इसे पहले भी कांग्रेस के एक्स पर ऐसे पोस्ट देखे जा सकते है । जब एक पत्रकार ने राहुल गांधी से यही सवाल पूछा था।

एनयूजे अध्यक्ष रास बिहारी ने कहा कि सैम पित्रोदा से इंटरव्यू के दौरान राहुल गांधी की टीम के सदस्यों ने इंटरव्यू बंद करने के लिए हंगामा भी मचाया।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने पहले भी पत्रकारों को निशाना बनाया है। कांग्रेस के तमाम प्रवक्ता मीडिया पैनिलिस्ट पर हमला बोलते रहते हैं। उससे पहले पत्रकारों की जाति पूछकर उनका अपमान किया गया।

नंदोत्सव में अभिषेक कर भजनों पर झूमीं सखियां

हाथरस।शहर के सादाबाद गेट स्थित राधा दामोदर मंदिर पर नंदोत्सव कार्यक्रम का भव्यता से आयोजन किया गया। जिसमें भक्तो ने भारी संख्या में भाग लेकर ठाकुर जी के भजनों पर जमकर नृत्य कर आनन्द लिया। ठाकुर दामोदर जी महाराज के नंदोत्सव के मौके पर ठाकुर जी का मंत्रोचारण के साथ पंचामृत से अभिषेक किया गया। उसके बाद भगवान के भव्य श्रंगार किये गये। ठाकुर श्री दामोदर जी महाराज के दर्शनों के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी और भक्तों ने ठाकुर जी की मनोहारी छवि के दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

देश के किसानों के हित में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहे-प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, 14 सितंबर (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि देश की खाद्य सुरक्षा के लिए दिन-रात जुटे रहने वाले अपने किसान भाई-बहनों के हित में हम कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहे हैं। उन्होंने आज सोशल मीडिया पर केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान के बयानों को साझा करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि चाहे प्याज का निर्यात शुल्क कम करना हो या खाद्य तेलों का आयात शुल्क बढ़ाना, ऐसे कई फैसलों से हमारे अन्नदाताओं को बहुत लाभ होने वाला है। इनसे जहां उनकी आय बढ़ेगी, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

इससे पहले केन्द्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोशल मीडिया पोस्ट पर कहा कि नरेन्द्र मोदी किसान हितैषी प्रधानमंत्री हैं। कृषि व किसान कल्याण उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसानों के हित में मोदी सरकार ने कुछ बड़े निर्णय साझा करते हुए शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

शिवराज सिंह चौहान ने अपने एक्स पोस्ट पर लिखा कि किसान हितैषी मोदी सरकार ने किसान भाइयों-बहनों के हित में निर्णय लेते हुए खाद्य तेलों के आयात शुल्क को 0%से बढ़ाकर 20%कर दिया है। अन्य उपकरणों को जोड़ने पर कुल प्रभावी शुल्क 27.5%हो जाएगा। आयात शुल्क बढ़ाने से सोयाबीन के फसल की कीमतों में वृद्धि होगी और खाद्य तेल निमार्ता भी घरेलू किसानों से फसल खरीदने के लिए प्रेरित होंगे। जिससे किसानों को उनकी फसल के ठीक दाम मिल सकेंगे। इस निर्णय से सोया खली का उत्पादन बढ़ेगा और उसका निर्यात हो सकेगा। साथ ही सोया से जुड़े अन्य सेक्टर्स को भी लाभ मिलेगा।

वहीं किसानों के विकास के लिए प्रतिबद्ध मोदी सरकार ने रिफाइंड ऑयल के लिए मूल शुल्क (बेसिक ड्यूटी) को 32.5%तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। इस निर्णय से रिफाइनरी तेल के लिए सरसों, सूरजमुखी और मूंगफली की फसलों की मांग बढ़ेगी। किसानों को इन फसलों के बेहतर दाम मिल सकेंगे और साथ ही छोटे एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रिफाइनरी बढ़ने से वहां रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

मोदी सरकार ने बासमती चावल से न्यूनतम निर्यात शुल्क को हटाने का निर्णय लिया है। निर्यात शुल्क के हट जाने से बासमती उत्पादक किसानों को अपनी उपज के ठीक दाम मिलेंगे और बासमती चावल की मांग बढ़ने के साथ ही निर्यात में भी वृद्धि होगी।

इसके साथ ही प्याज के निर्यात शुल्क को 40%से कम कर 20%कर दिया है। निर्यात शुल्क के कम हो जाने से प्याज उत्पादक किसानों को प्याज के अच्छे दाम मिलेंगे और प्याज का निर्यात भी बढ़ेगा।

सरकार के इस निर्णय से किसानों के साथ प्याज से जुड़े अन्य सेक्टर्स को भी सीधा लाभ मिलेगा।

हमीरपुर के डीएम राहुल पांडेय होगे हाथरस के नए डीएम, हाथरस डीएम का हुआ ट्रांसफर

हाथरस। शासन ने जिलाधिकारी आशीष कुमार का तबादला कर दिया है। उन्हें विशेष सचिव स्टांप एव रजिस्ट्रेशन विभाग बनाया गया है। हमीरपुर के जिलाधिकारी राहुल पांडेय को हाथरस का नया जिलाधिकारी बनाया गया है। दो महीने पहले जून के महीने में ही आशीष कुमार ने इस जिले मे चार्ज लिया था। उनके चार्ज लेने के बाद दो जुलाई को भोले बाबा के सत्संग में भगदड़ मच गई थी। जिसमे कई लोगो की मौत हुई थी। जिसे लेकर जमकर सियासत हुई थी। इस प्रकरण में तत्कालीन छह अधिकारियों को निलंबित किया गया। वही जिले में बीते कुछ समय में हुई बड़ी घटनाओं के चलते जिलाधिकारी आशीष कुमार यहां टिक नहीं पाए। इन पूरे घटनाक्रम में प्रशासन की खामियां सामने आई थी। शासन ने उनका इस जिले से तबादला कर दिया। वही 2014 बैच के आईएएस राहुल कुमार पांडेय को जनपद का नया जिलाधिकारी बनाया गया है ।

गृह एवं सहकारिता मंत्रालयों की सभी फाइलें हिन्दी में हैं : अमित शाह

नई दिल्ली, 14 सितंबर (हि.स.)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में राजभाषा हीरक जयंती समारोह एवं चतुर्थ अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि आज गृह मंत्रालय और सहकारिता मंत्रालय में फाइलें और पत्राचार हिन्दी में लिखे जा रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज गृह मंत्रालय और सहकारिता मंत्रालय में फाइलें और पत्राचार हिन्दी में लिखे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाषा एक अभिव्यक्ति है और अभिव्यक्ति मुखर तब होती है जब वह अपनी भाषा में हो। उन्होंने कहा, ह्लमैं सभी केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों को बताना चाहता हूं कि मेरे जैसे व्यक्ति को भी सभी फाइलें हिन्दी में प्राप्त करने में तीन साल लग गए। मेरे मंत्रालयों (गृह और सहकारिता) में कोई भी संचार और फाइल अंग्रेजी में नहीं हैं, सभी फाइलें हिन्दी में हैं।

भारतीय भाषाओं को बचाने में माताओं की भूमिका को अहम बताते हुए अमित शाह ने अभिभावकों से अपने बच्चों से उनकी मातृभाषा में ही बात करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, ह्लयदि कोई हमारी भाषाओं को बचा सकता है तो वो सिर्फ माताएं हैं।ह्व उन्होंने सभी माता-

पिता से अनुरोध किया कि वे अपने बच्चों से उनकी मातृभाषा में ही बात करें। उन्होंने कहा कि अगर हम ऐसा करेंगे तो हमारी भाषाओं पर कोई आंच नहीं आएगी। हमारी भाषाएं लंबे समय तक देश और दुनिया की सेवा करती रहेंगी।

उन्होंने कहा कि आने वाला समय राजभाषा और अन्य भारतीय भाषाओं का है। अब इस देश को कोई किसी भी तरह की गुलामी में नहीं रख सकता और न ही इसे कभी भाषा की गुलामी में रख सकता है। उन्होंने कहा कि आज हिन्दी संयुक्त राष्ट्र की भाषा बन गई है और 10 से अधिक देशों की दूसरी भाषा भी बन गई है। उन्होंने कहा कि हिन्दी अब अंतरराष्ट्रीय भाषा बनने की ओर अग्रसर है।

अमित शाह ने कहा कि हिन्दी और स्थानीय भाषाओं के बीच कभी प्रतिस्पर्धा नहीं हो सकती क्योंकि हिन्दी सभी स्थानीय भाषाओं की मित्र है। उन्होंने कहा कि हिन्दी और स्थानीय भाषाएं एक दूसरे की पूरक हैं और इसीलिए भारतीय भाषा अनुभाग के माध्यम से हिन्दी और सभी स्थानीय भाषाओं के बीच सौहार्द को और मजबूत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर कोई लेख, भाषण या पत्र हिन्दी में है तो भारतीय भाषा अनुभाग उसका देश की सभी भाषाओं में अनुवाद करेगा। इसी तरह देश की सभी भाषाओं के साहित्य, लेख और भाषणों का हिन्दी में अनुवाद किया जाएगा जो समय की मांग है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि नई शिक्षा नीति में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्राथमिक शिक्षा मातृभाषा में देने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि एक बच्चे के लिए भाषाई अभिव्यक्ति, सोच, समझ, तर्क, विश्लेषण और किसी निर्णय पर पहुंचने की सबसे आसान भाषा उसकी मातृभाषा ही होती है।

गृह मंत्री ने इस अवसर के लिए विशेष रूप से तैयार की गई 'राजभाषा भारती' पत्रिका के हीरक जयंती विशेषांक का विमोचन किया। उन्होंने हीरक जयंती के उपलक्ष्य में एक स्मारक डाक टिकट और स्मारक सिक्का भी जारी किया। शाह ने राजभाषा गौरव और राजभाषा कीर्ति पुरस्कार भी प्रदान किए। इस अवसर पर गृह मंत्री ने भारतीय भाषा अनुभाग का भी शुभारंभ किया।

सम्पादकीय

जिद बड़ी या जिंदगी!

कोलकाता में डॉक्टर अब भी काम पर नहीं लौटे हैं। बंगाल सरकार ने संवाद और समझौते का जो प्रयास किया था, वह आंदोलनकारी डॉक्टरों की जिद ने नाकाम कर दिया। एक नाटकीय घटनाक्रम जरूर सामने आया है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने, हाथ जोड़ कर, बंगाल की जनता से माफी मांगी है। यदि जनता चाहेगी, तो वह मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा तक देने को तैयार हैं। उन्होंने कहा है कि वह ह्यकुर्सी की भूखीह्ण नहीं हैं, बल्कि न्याय की पक्षधर हैं। हालांकि रेप-मर्डर की शिकार डॉक्टर बिटिया के माता-पिता और आंदोलनकारी डॉक्टरों ने कभी भी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग नहीं की। इसे विपक्षियों ने मुद्दा बनाकर राजनीति करने की कोशिशें की हैं। डॉक्टरों का न्याय अलग किस्म का है, ताकि डॉक्टर बिटिया की आत्मा को सुख, शांति मिल सके। डॉक्टर मुख्यमंत्री से संवाद करने सचिवालय गए थे। उनकी संख्या 32 बताई गई है, जबकि सरकार ने 15 डॉक्टरों को ही, प्रतिनिधि के तौर पर, आमंत्रित किया था। बहरहाल बंगाल सरकार ने उस संख्या को भी अनुमति दे दी। राज्य के मुख्य सचिव मनोज पंत और पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार डॉक्टरों को समझाते रहे कि विरोध-प्रदर्शन का यह सिलसिला टूटना क्यों जरूरी है? बातचीत का सीधा प्रसारण संभव नहीं है। अलबत्ता संवाद की रिकॉर्डिंग जरूर कराई जाएगी, लेकिन आक्रोशित डॉक्टर लगातार यह सवाल करते रहे कि सीधे प्रसारण से सरकार डरती क्यों है? डॉक्टर ह्यनबन्नाह्ण सचिवालय के गलियारे तक तो पहुंच गए, लेकिन उस कक्ष के भीतर नहीं गए, जहां मुख्यमंत्री ममता बनर्जी 2.10 घंटे से आंदोलनकारी डॉक्टरों की प्रतीक्षा कर रही थीं। नतीजतन संवाद का जो सेतु बनाया गया था, वह ढह गया। डॉक्टर लौट गए और धरना-स्थल पर जाकर बैठ गए। मुख्यमंत्री ने इस्तीफे तक की पेशकश की और बंगाल की जनता से माफी मांगी कि वह डॉक्टरों को ड्यूटी पर वापस लाने में नाकाम रहीं। यह ममता बनर्जी की ह्यभावुक राजनीतिह्ण भी हो सकती है, ताकि अधिकतर लोग उनसे नाराज न हों और समर्थन समाप्त करने पर आमादा न हो जाएं! बंगाल के अलग-अलग हिस्सों में विपक्षी दल आक्रामक होकर विरोध-प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री का इस्तीफा मांग रहे हैं। डॉक्टर तो आंदोलित हैं ही, लेकिन उनके समर्थन में विभिन्न सामाजिक आंदोलन भी छिड़ गए हैं, लिहाजा राज्य में अराजकता की स्थिति है। सडकों पर भीड़ है, तो पुलिसकर्मी भी हैं।

अदालतों में अलग केस चल रहे हैं। ममता की यह राजनीति आजमाई हुई है। बहरहाल डॉक्टरों का आंदोलन अब एक जिद का रूप धारण कर चुका है। सर्वोच्च अदालत ने उन्हें काम पर लौटने का समय दिया था, वह गुजर चुका है। शीर्ष अदालत डॉक्टरों के सरोकारों की लड़ाई लड़ रही है, लेकिन आंदोलनकारियों को भरोसा ही नहीं है। यह जिद ही नहीं, अवमानना भी है। डॉक्टर जिंदगी के साथ खिलवाड़ करने लगे हैं, क्योंकि आरजी कर अस्पताल में इलाज न मिलने से अभी तक 27 लोगों की अकाल मौत हो चुकी है और 7 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं। यकीनन डॉक्टर बिटिया के प्रसंग पर पूरा देश गुस्से में रहा है, क्षुब्ध रहा है, असंख्य विरोध-प्रदर्शन भी किए गए हैं। डॉक्टरों के साथ सहानुभूति है, संवेदना है, क्योंकि बिटिया चिकित्सकों की सुरक्षा वाकई चिंतित सरोकार है, लेकिन काम छोड़ कर आंदोलन ही जारी रखना या जुलूस निकालना अथवा डॉक्टर होकर धरने पर खाली बैठे रहना, दरअसल अपनी पेशेवर प्रतिबद्धता से मुंह मोड़ना है। डॉक्टर लोगों की बीमारियों के इलाज करते हुए भी विरोध जता सकते हैं। विरोध जताने के कई प्रतीक होते हैं। डॉक्टर बाजू पर काली पट्टी बांध कर भी, काम करते हुए, अपना विरोध जता सकते हैं। हालांकि सर्वोच्च अदालत आंदोलनकारी डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई करने की अनुमति सरकार को दे चुकी है, लेकिन बंगाल सरकार अब भी विनम्र है, क्योंकि सरकार को कई तरह के विरोध बर्दाश्त भी करने पड़ते हैं। आंदोलन के 33 दिन बीत चुके हैं। सीबीआई ने कुछ महत्वपूर्ण गिरफ्तारियां भी की हैं। जांच के निष्कर्षों तक भी पहुंच रही है। ऐसे इंसाफ चुटकी बजा कर नहीं दिए जा सकते। कानून और अदालत की अपनी प्रक्रिया है।

आरबीआई और बैंकिंग क्षेत्र के बारे में गलत विमर्श का जवाब

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

साल 2013 में नरेन्द्र मोदी के देश की सत्ता संभालने से एक साल पहले मॉर्गन स्टेनली ने भारत को उभरती हुई पाँच कमजोर अर्थव्यवस्था में से एक के रूप में नामित किया था। इसे अपनी अर्थव्यवस्था चलाने के लिए विदेशी पूंजी पर निर्भरता और कई मामलों में महत्वपूर्ण चालू खाता घाटे के कारण नाजुक पाँच अर्थव्यवस्था के रूप में घोषित किया।

अधिशेष धन प्रदान करने की आरबीआई की नीति कैसे विकसित हुई

1997 में आरबीआई के पूंजी ढांचे पर गौर करने की आवश्यकता थी ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि आरबीआई को अपनी परिसंपत्तियों के प्रतिशत के रूप में कितना आरक्षित रखना चाहिए। वी सुब्रह्मण्यम के नेतृत्व में एक समिति का गठन किया गया। समिति ने अपनी परिसंपत्तियों का 12 फीसदी प्रस्तावित करते हुए एक रिपोर्ट प्रस्तुत की। आरबीआई ने निष्कर्षों को स्वीकार नहीं किया।

2004 में उषा थोरातजी के नेतृत्व में एक और समूह ने आरबीआई के पूंजी ढांचे की समीक्षा के लिए बैठक की। समूह ने लगभग 18 प्रतिशत की सिफारिश की, जिसे आरबीआई ने स्वीकार नहीं किया। 2013 में वाई.एच. मालेगाम समिति ने सिफारिश की कि अतिरिक्त भंडार सरकार को दिया जाना चाहिए। संयुक्त राज्य अमेरिका और यूनाइटेड किंगडम सहित दुनिया भर में सामान्य मानदंड कुल संपत्ति का 8 फीसदी है। 2008 में यूएस फेड ने वित्तीय संकट के दौरान अमेरिकी बैंकों की मदद करने के लिए पर्याप्त मात्रा में भंडार आवंटित किया। इसलिए ऐसा कुछ भी नया नहीं है जिसे भारतीय सरकार अपने स्वार्थ के लिए अपने केंद्रीय बैंक से पूरा करवाना चाहती हो और हम सभी जानते हैं कि हमारे बैंकिंग क्षेत्र, विशेष रूप से सार्वजनिक उपक्रमों ने पिछले दशक में कैसा प्रदर्शन किया है।

जब बड़े पैमाने पर कर चोरी के कारण राजस्व संग्रह कम होता है और रोजगार सृजन और सामान्य विस्तार (5 ट्रिलियन डॉलर जीडीपी का लक्ष्य) के माध्यम से सुविधाओं के निर्माण के लिए बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में निवेश करने की आवश्यकता होती है तो सरकार को धन की आवश्यकता होती है। आखिरकार, आरबीआई का पैसा भी लोगों का पैसा है। तो सरकार इसका उपयोग क्यों नहीं कर सकती? कई साल पहले, सरकार ने सभी बैंकों से कृषि क्षेत्र में ऋण देने के लक्ष्य को पूरा करने को कहा था और किसी भी कमी का भुगतान सरकार के माध्यम से राज्यों में ग्रामीण बुनियादी ढांचे के विकास में निवेश के लिए नाबार्ड को किया जाना था। इस निर्देश से कई गांवों को लाभ हुआ। प्रमुख अर्थशास्त्री और आरबीआई के पूर्व गवर्नर बिमल जालान समिति की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्र निर्माण के लिए आरबीआई द्वारा केंद्र सरकार को आरक्षित धन का एक हिस्सा हस्तांतरित करना उचित है।

केंद्र सरकार को आरबीआई का लाभांश

भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए केंद्र सरकार को 2.11 लाख करोड़ रुपये का लाभांश दिया। यह एक साल पहले की राशि से दोगुने से भी अधिक है। भारतीय रिजर्व बैंक भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 47 (अतिरिक्त लाभ का आवंटन) के अनुसार अधिशेष या व्यय पर आय की अधिकता को सरकार को हस्तांतरित करता है। अधिनियम की धारा 47 के अनुसार, केंद्र सरकार को खराब ऋण, मूल्यह्रास और अन्य खर्चों में कटौती के बाद शेष आय प्राप्त होगी। अधिकांश देशों में यही स्थिति है; अमेरिकी फेडरल रिजर्व, बैंक ऑफ जापान, बैंक ऑफ इंग्लैंड और जर्मन बुंडेसबैंक के कानून स्पष्ट रूप से कहते हैं कि आय का भुगतान सरकार या राजकोष को किया जाना चाहिए। अधिशेष और लाभांश गणना बिमल जालान समिति द्वारा अनुशंसित आर्थिक पूंजी ढांचे (ईसीएफ) पर आधारित थी। समिति ने सिफारिश की कि आरबीआई अपनी बैलेंस शीट का 5.5 से 6.5 प्रतिशत का आकस्मिक जोखिम बफर (सीआरबी) बनाए रखे।

बैंकों का सकल एनपीए 2018 में 11.25 प्रतिशत से गिरकर सितंबर 2023 में 3 फीसदी हो गया, जबकि ऋण वृद्धि लगभग 15 फीसदी रही। वित्त वर्ष 24 में बैंकिंग क्षेत्र का मुनाफा 39 फीसदी बढ़कर 3.1 लाख करोड़ रुपये हो गया। सूचीबद्ध सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 20 में 2.2 लाख करोड़ रुपये से वित्त वर्ष 23 में 39 फीसदी बढ़कर 3.1 लाख करोड़ रुपये हो गया। जहां सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने इस वर्ष 1.4 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड शुद्ध लाभ दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 34 फीसदी अधिक है, वहीं निजी क्षेत्र के बैंकों का शुद्ध लाभ 1.7 लाख रुपये रहा, जो पिछले साल के 1.2 लाख करोड़ रुपये से 42 फीसदी अधिक है। एक दशक पहले, भारतीय रुपया एशिया की सबसे अस्थिर मुद्राओं में से एक था। रुपये की वैश्विक मौजूदगी बढ़ाने से इसके मूल्य को स्थिर करने में मदद मिल सकती है।

इसके अलावा, आरबीआई भविष्य में होने वाले निवेश को बेहतर तरीके से संभालने के लिए विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप करने की अपनी क्षमताओं में सुधार कर रहा है। 2014 में अर्थव्यवस्था महत्वपूर्ण राजकोषीय और चालू खाता घाटे और दोहरे अंकों की मुद्रास्फीति से ग्रस्त थी। अब, मुद्रास्फीति नियंत्रण में है, राजकोषीय घाटा नीचे की ओर जा रहा है और चालू खाता घाटा जीडीपी का मुश्किल से 1 फीसदी से अधिक है और विदेशी मुद्रा भंडार लगभग ग्यारह महीने के आयात को कवर करता है। यह कमजोरी से स्थिरता और ताकत की यात्रा रही है।

यहां दो बिंदुओं को उजागर करना आवश्यक है। सरकार के कोविड प्रबंधन और टीकाकरण रिकॉर्ड ने अर्थव्यवस्था के तेजी से उबरने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसी तरह, पिछले दो वर्षों में उचित कीमतों पर कच्चे तेल की आपूर्ति का प्रभावी प्रबंधन उल्लेखनीय है। मनुष्य अदृश्य की सराहना करने में असमर्थ हैं-गलतियाँ नहीं की गईं और जोखिमों से बचा गया, फिर भी प्रतितथ्य हमारे चारों ओर हैं। जैसा कि सरकार अपर्याप्त बुनियादी ढांचे और वित्तीय बहिष्कार जैसे दीर्घकालिक मुद्दों को संबोधित करती है, आकांक्षाएं बढ़ती हैं और उम्मीदें ऊपर की ओर बढ़ती हैं। सरकार और आरबीआई के सक्रिय मुद्रास्फीति प्रबंधन ने मुद्रास्फीति में वृद्धि को काफी हद तक कम कर दिया है। दूसरे वैश्विक झटके, यूक्रेन की स्थिति के कारण वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि हुई है।

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2014 में पहली बार पद संभाला था, उस समय भारतीय अर्थव्यवस्था विशेष रूप से उत्साहजनक नहीं थी। भारतीय अर्थव्यवस्था कठिन दौर से गुजर रही थी।

इसके परिणामस्वरूप लगातार दो वर्षों अर्थात 2012-13 और 2013-14 के लिए स्थिर कीमतों पर कारक लागत पर सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 5 फीसदी से कम रही। खाद्य उत्पादों में डब्लूपीआय मुद्रास्फीति, जो 2013-14 में समाप्त होने वाले पाँच वर्षों में औसतन 12.2 फीसदी वार्षिक थी, गैर-खाद्य मुद्रास्फीति से उल्लेखनीय रूप से अधिक थी। पांच प्रतिशत से कम विकास को प्रभावित करने वाले तत्वों में से एक।

यह सुझाव देने के लिए पर्याप्त से अधिक वास्तविक सबूत हैं कि यूपीए काल के दौरान बैंक ऋण की गुणवत्ता खराब हो गई थी, सरकार के अनुकूल कॉर्पोरेट्स को बड़े ऋण दिए गए थे, बिना ऐसे ऋणों की आवश्यकता या उधारकताओं की उन्हें चुकाने की क्षमता पर उचित परिश्रम किए। संक्षेप में, भारत की 'मिशन मोड' रणनीति, बढ़ती कठिनाइयों पर काबू पाने के लिए देश को वर्तमान और आने वाली समस्याओं से निपटने के लिए अच्छी स्थिति में है। आरबीआई की बढ़ती वैधता मुद्रास्फीति को कम करने से मुद्रास्फीति संबंधी उम्मीदें स्थिर होंगी, जिसके परिणामस्वरूप स्थिर ब्याज दर होगी। उद्यमों और जनता के लिए क्रमशः दीर्घकालिक निवेश और व्यय निर्णय लेने के लिए माहौल बनेगा।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आज का राशिफल

मेष : अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-3-5-6

वृष : महत्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-3-4-6

मिथुन : परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-3-5-6

कर्क : सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। राजकीय कार्यों से लाभ। मनोबल ऊंचा रखें और काम में लगे रहें। शुभांक-4-6-8

सिंह : अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-6-7-9

कन्या : कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनै-शनै बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। शुभांक-4-6-8

तुला : पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शांतिपूर्वक कार्य करें। दान-पुण्य का कार्य करें। यात्रा शुभ रहेगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक : दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। शुभांक-2-4-6

धनु : संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-1-4-6

मकर : मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहें। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। शुभांक-6-8-9

कुंभ : स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-3-6-8

मीन : सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति होगी। शुभांक-2-4-6

जम्मू-कश्मीर विस चुनाव: विमर्श के विषय

प्रवीण गुगनानी

उस जमाने की बात याद है, जब प्रत्येक राष्ट्रीय कानून, प्रस्ताव, प्रावधान आदि पर लिखा जाता था -एर्ीस्त्र३ खें४ ल्र्लि डं२ैं१ (जम्मू और कश्मीर को छोड़कर) लेकिन अब देश में वैसा नहीं होता। जम्मू कश्मीर अब शेष भारत के नवनिर्माण में सहयोग दे रहा है। आज का कश्मीर नये भारत का नया कश्मीर है।जिस कश्मीर में दशकों तक ऐसा आतंकी वातावरण रहा कि वहाँ भारतीय भी जाने की कल्पना नहीं करते थे, उस कश्मीर में मोदी सरकार ने जी-20 का सम्मेलन करवा दिया, यही नया कश्मीर है।

अनुच्छेद 370 को इस प्रदेश की नियति मानने और बताने वाले लोग वस्तुतः बदनियत लोग थे, वे अब मुख्यधारा से बाहर हैं। कांग्रेस ने भी फारूख अब्दुल्ला और उसके अन्य प्रिय कश्मीरी अलगाववादियों, उग्रवादियों व आतंकवादियों के साथ चलते हुए अनुच्छेद 370 हटाने का विरोध किया था। अनुच्छेद 370 के उन्मूलन के बाद बना था- गुपकार गठबंधन। गुपकार गठबंधन चाहता है कि अनुच्छेद 370 कश्मीर में पुनर्स्थापित हो। अनुच्छेद 370 के संदर्भ में आज कांग्रेस की स्थिति साँप-छछून्दर जैसी है। कश्मीर में वह अलगाववादियों, उग्रवादियों, आतंकियों, देश विरोधियों के साथ खड़े होकर 370 की पक्षधर दिखती है। यही कांग्रेस शेष भारत में अपनी इस केंचुली को उतार कर अनुच्छेद 370 के विषय में दोहरे चरित्र की बात करती है। जब समूचा भारत अनुच्छेद 370 के उन्मूलन को लेकर प्रसन्न हो रहा था तब कांग्रेस देश की इस प्रसन्नता से अलग मुँह फुलाए बैठी थी। कांग्रेसी अभिषेक सिंघवी ने तब कहा था ''प्रथम दृष्टया, हम 370 को निरस्त करने के तरीकों पर निर्णय से असहमत हैं।'' 6 अगस्त, 2019 को कांग्रेस की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने लेकर मोदी सरकार पर हमला किया था। इस बैठक में उसने 370 का सम्मान करते रहने का प्रस्ताव पारित किया था। ऐसा विरोध भला ह्यदेश विरोधह्ण नहीं तो और क्या था?

शेष राष्ट्र के सामने कांग्रेस अपने दोहरे चरित्र पर बड़ी बेशर्मी से स्वयं को ह्यगुपकार गैंगह्ण से अलग बताती है। यही कांग्रेस अनुच्छेद 370 हटने के ठीक एक दिन पूर्व फारूक अब्दुल्ला के निवास पर पीडीपी सहित कई अन्य के साथअनुच्छेद 370 के पक्ष में संयुक्त व्यक्तव्य जारी कर रही थी। यही कांग्रेस, अनुच्छेद 370 के हटने के एक वर्ष बाद भी कश्मीर में पुनः गुपकार रोड पर इनके साथ खड़ी दिखाई देती है। कांग्रेस, अब्दुल्ला और पीडीपी वाले इस अलगाववादी गठबंधन ने एक वर्ष बाद भी यह कहा था कि- ह्नअनुच्छेद 370 और 35 को पुनर्स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।ह्न

कश्मीर के इस विधानसभा चुनाव में कश्मीर की जनता को कांग्रेस से यह पूछना चाहिए कि कश्मीर छोड़ कर शेष राष्ट्र में वह अनुच्छेद 370 को हटाने के पक्ष में क्यों खड़ी दिखती है? ये दोहरा चरित्र क्यों है? शेष राष्ट्र में वह अब्दुल्ला व मुफ़्ती परिवार से दूरी का प्रदर्शन करती है और अब विस चुनाव भी उनके साथ ही लड़ती है। कश्मीर की जनता को इन दोहरे और डुप्लीकेट चरित्र वाले लोगों का बहिष्कार करना चाहिये। गुपकार गठबंधन स्पष्ट तौर पर विदेशी शक्तियों का एक बॉम्ब टॉय इड्ढ ळ्ळ८ है और कांग्रेस, अब्दुल्ला, पीडीपी इसके साथ खड़े हुए हैं।

डॉ. पंडित श्यामप्रसाद मुखर्जी के ह्लएक देश, एक विधान, एक प्रधानह्व के संकल्प को शिरोधार्य किए हुए भाजपा ने अपनी संकल्प शक्ति से भारत के मुकुटमणि को 370 व 35 ए के दंश से मुक्ति दिलाई है। कश्मीर का विकास अब शेष देश के समान आगे बढ़ता हुआ दिखता है। वर्ष 2020-21 में 15वें वित त आयोग की अनुशंसा के अनुसार, जम्‍ मू और कश मीर प्रदेश एवं लद्दाख हेतु क्रमशः 30757 करोड़ रु. और 5959 करोड़ रु. का अनुदान दिया गया है। भाजपा की केंद्र सरकार ने कश्मीर में लोकतंत्र को पुनर्जीवित किया है। वर्ष 2018 में भाजपा की संकल्प शक्ति से कश्मीर में पंचायत चुनाव हुए, जिसमें 74.1 प्रतिशत मतदान हुआ, वर्ष 2019 में ब लॉक डवलपमेंट काउंसिल चुनाव में 98.3 प्रतिशत मतदान हुआ। इसके बाद जिला स तर के चुनाव में भी यही गाथा दोहराई गई। आज कश्मीर में आयुष मान योजना में 4.4 लाख लाभार्थियों की सूची बन गई है। प्रधानमंत्री किसान योजना व प्रधानमंत्री आवास योजना के मामले में कश्मीर ने देश के शेष राज्यों की अपेक्षा अधिक सफलता अर्जित की है। कश्मीर के मूल निवासियों के अधिकारों को सुरक्षित किया गया है। नई मूल निवासी परिभाषा के अनुसार 15 वर्ष या अधिक समय तक जम्‍ मू-कश मीर में रहने वाले व यक्ति भी अब अधिवासी माने जाएंगे इससे कश्मीर की जनता सुरक्षित हुई है। कश्मीरी पंडितों की वापसी के लिए छह हजार आवासों का निर्माण हो गया है। जम्‍ मू-कश मीर से बाहर विवाह करने वाली लड़कियों और उनके बच चों के अधिकारों का संरक्षण भी सुनिश्चित किया गया है। कश्मीर में पहली बार दस हजार रिक्त नौकरियों को सूचीबद्ध करके इन पर नियुक्तियों का कार्य प्रारंभ किया गया है।

इसके दूसरे चरण में लगभग साढ़े बारह हजार नौकरियों के लिए भर्ती अभियान चलाया गया है। मोदी सरकार ने कश्मीर में हिमायत योजना से लगभग नब्बे हजार युवाओं को प्रशिक्षण दिया है। भाजपा की केंद्र सरकार ने पचास नये महाविद्यालय प्रारंभ किए हैं, जिसमें लगभग सात हजार कश्मीरी छात्र नये कश्मीर का भाग्य लिख रहे हैं। सात मेडिकल कॉलेज व पाँच नर्सिंग कॉलेज प्रारंभ किए गए हैं। आईआईटी जम्‍ मू को अपना कैंपस और एम्‍ स की भेंट मिली है। अटल टनल प्रारंभ होने के साथ चिनाब पर विश व का सबसे ऊंचा 467 मीटर का पुल अब कश्मीर को वैश्विक नक़्शे पर आतंकग्रस्त नहीं अपितु एक विकसित प्रदेश के रूप में दिखाता है। कश्मीर में आज ऐसी कई नई योजनाएँ प्रारंभ हो रही हैं।

एक समय था जब कश्मीर के जंगल उजाड़ कर देशभर में बनने वाली पेंसिल की लकड़ी पुलवामा से जाती थी। आज मोदी सरकार की कल्पनाशीलता से पुलवामा का उक्खूँ गाँव देशभर की पेंसिल खपत की नब्बे प्रतिशत पेंसिल और बड़ी मात्रा में क्रिकेट बैट सप्लाई कर-के अपने उत्पाद का उच्चतम मूल्य प्राप्त कर रहा है। सबसे बड़ी बात कि इसके लिए वह अपने अमूल्य देवदार के वृक्षों को नहीं काट कर पर्यावरण सुरक्षा भी कर रहा है। पहले कश्मीर से पेंसिल की लकड़ी जाती थी, अब वैल्यू एडिशन के साथ पेंसिल जाती है और स्थानीय बहुमूल्य लकड़ी भी नहीं काटी जा रही है।

कश्मीर में दस वर्षों बाद होने जा रहे विस चुनाव में भाजपा का स्पष्ट कहना है कि वह कश्मीर को रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों से मुक्ति दिलायेगी और कश्मीर की कश्मीरियत स्थापित रखेगी। जम्मू व श्रीनगर में मेट्रो रेल प्रारंभ होगी। किसानों का बिजली बिल आधा ही लिया जाएगा। सौ हिंदू मंदिरों का पुनर्निर्माण करके कश्मीरी संस्कृति को सुरक्षित किया जाएगा। भाजपा प्रत्येक कश्मीरी महिला को 18 हजार रुपये प्रतिवर्ष व प्रति वर्ष दो गैस सिलेंडर भी निःशुल्क देगी। वृद्धावस्था, विधवा और विकलांगता पेंशन को एक से तीन हजार रुपये कर दिया जाएगा। कश्मीर में 05 अगस्त 2019 के पश्चात जो नया अध्याय प्रारंभ हुआ था उसने लगभग तीन वर्षों का कोरोना कालखंड का दंश भी झेला है। कोरोना के बाद भी कश्मीरी पर्यटन आज सफलता के नये आयाम छू रहा है तो इसके पीछे दिल्ली और श्रीनगर में स्थापित नये शक्ति-सूत्र ही कार्य कर रहे हैं। उम्मीद है कि इस विधानसभा चुनाव में कश्मीर की जनता दिल्ली को और अधिक मजबूती से पकड़ेगी और नये युग का आरंभ करेगी।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

निर्भयाओं' को निर्भय बनाने के प्रयास और सख्ती के प्रावधान

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

पश्चिम बंगाल का आरजी कर प्रकरण भले आज उबाल ले रहा हो पर 2012 के निर्भया कांड के बाद हुई सख्ती के बावजूद ऐसी घटनाओं का बंद होना तो दूर महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराध कम नहीं हो रहे। जैसे कठोर सजा प्रावधान भी बेअसर हो रहे हैं। महिलाओं के खिलाफ अपराध वाले प्रकरणों का न्यायालयों में निस्तारण भी तेजी से हो रहा है। करीब 90 प्रतिशत तक प्रकरणों का न्यायालयों से निस्तारण किया जा रहा है। लेकिन महिलाओं के खिलाफ जघन्य अपराध की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। कुछ समय गुजरते ही देश में कहीं ना कहीं निर्भया जैसे नृशंस कांड हो रहे हैं जो देश को हिलाकर रख देते हैं।

कोलकता आरजी कर अस्पताल में रेप व हत्या की घटना के बाद जिस तरह देशव्यापी माहौल बना, उसके चलते पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा अपराजिता महिला एवं बाल विधेयक (पश्चिमी बंगाल आपराधिक कानून एवं संशोधन) विधानसभा से पारित हो गया। सवाल यह नहीं है कि कानून कितना सख्त बनाया गया है। सवाल यह भी नहीं है कि कानून में किस तरह से जांच से लेकर सजा तक की समय सीमा तय की गई है। सवाल यह है कि 2012 में निर्भया कांड के बाद जिस तरह से कानून में बदलाव कर सख्ती के प्रावधान किये गये, जिस तरह से पॉक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई की बात हुई और जिस तरह से देश में त्वरित न्याय के लिए फास्ट ट्रेक स्पेशल अदालतें और पाक्सो अदालतें बनाई गई उसके बाद भी हालात में बदलाव क्यों नहीं दिखाई दे रहे हैं।

दिसंबर 2012 में निर्भया कांड को लेकर जिस तरह देशव्यापी आक्रोश देखने को मिला उसके बाद 2013 में नया आपराधिक कानून लाकर सरकार ने सख्ती की मंशा दिखाई इसके बावजूद सकारात्मक परिणाम देखने को नहीं मिला। 2015 में किशोर न्याय अधिनियम के माध्यम से 16-18 साल के दोषियों को भी कोई रियायत नहीं देने के प्रावधान किये गये और 2019-20 में 1023 फास्ट ट्रेक स्पेशल कोर्ट का गठन और 389 पॉक्सों कोर्टो के गठन के बावजूद अपराधियों में किसी तरह भय का वातावरण नहीं बना है। उज्जैन, अयोध्या और इसके बाद आरजी कर प्रकरण से साफ हो गया है कि भले ही अब ममता सरकार ने नया अधिनियम पारित करा लिया हो पर तस्वीर का एक पहलू यह भी है कि ऐसे मामलों में भी लोग राजनीतिक फायदा-नुकसान को देखकर प्रतिक्रिया देते हैं। मानवता के लिए इससे अधिक कलंक की दूसरी बात क्या होगी।

आंकड़ों में देखें तो निर्भया कांड के समय ऐसे 24915 मामले सामने आये थे तो साल 2016 में सर्वाधिक 38947 अपराध सामने आये। 2020 के कोरोना काल में अवश्य 28046 मामले आये अन्यथा आंकड़े 30 हजार से अधिक ही रहे। 2022 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के इस तरह के 31516 मामले आए। यानी 2012 के निर्भया कांड और उसकी प्रतिक्रिया स्वरूप देश ही नहीं विश्वव्यापी आक्रोश व जनचेतना के बावजूद ऐसे अपराधों में कमी नहीं आई। सख्त कानूनी प्रावधानों के बावजूद अपराधी प्रवृति के लोग इस तरह की घटनाओं को अंजाम देते आ रहे हैं।

साफ है कि कानून बनाने या सख्त सजा व त्वरित न्याय की व्यवस्था एक बात है और समाज को अपराध विहीन बनाना दूसरी बात। इसके लिए हमें हमारे मूल्यों और संस्कारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना होगा। महिलाओं की इज्जत करना, उनके सम्मान की रक्षा करना सीखना और सिखाना होगा। नहीं तो कानून के डर से अपराध कम हो जाएंगे, यह सोचना एक हद के बाद सही नहीं हो सकता।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

हिन्दी भाषा से सरल कोई भाषा नहीं: डॉ. रमेश प्रताप सिंह

लखनऊ, 14 सितम्बर (हि.स.)। उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान ने हिन्दी दिवस के अवसर पर शनिवार को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन हिन्दी भवन के निराला सभागार

में किया। दीप प्रज्वलन, माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण, पुष्पार्पण के उपरान्त वाणी वंदना सर्वजीत सिंह ने प्रस्तुत की।

हिन्दी संस्थान के निदेशक आरपी सिंह ने स्मृति चिह्न भेंट कर अतिथि डॉ. रामकठिन सिंह, डॉ. श्रुति, डॉ. रमेश प्रताप सिंह का स्वागत किया गया। इस अवसर पर डॉ. रमेश प्रताप सिंह ने कहा कि हिन्दी भाषा में विस्तार की सम्भावनाएं है। हिन्दी सभी भाषाओं की समुच्चय है। भाषा अभिव्यक्ति का साधन होती है। आज की हिन्दी राजभाषा तक सीमित नहीं है। हिन्दी भाषा से सरल कोई भाषा नहीं है। हिन्दी पहले भी समृद्ध थी और आज की हिन्दी में विरासत के तत्व विद्यमान हैं।

हिन्दी राष्ट्रभाषा नहीं बन सकी, उसमें हिन्दी ही नहीं बल्कि दृढ़ इच्छाशक्ति की कमी है। हिन्दी हमारी भावना, संवेदना और संस्कृति है। क्षेत्रीय, प्रान्तीय भाषा कन्नड़, नेपाली, हिन्दी को विकसित होने में बाधा डालती है। केशवचन्द्र सेन से हिन्दी को राष्ट्रीय स्तर पर एक पहचान बनाने में बड़ी भूमिका निभायी थी। हिन्दी भाषा कभी कमजोर स्थिति में नहीं रही। देश की स्वतंत्रता में हिन्दी साहित्यकारों का काफी योगदान रहा। साहित्यकारों की कालजयी ताकत भी रही, जिससे देश स्वतंत्र हो गया।

डॉ. श्रुति, ने कहा कि आज हिन्दी भाषा के सम्मुख कई चुनौतियां है। हिन्दी में बोलने की अभूतपूर्व क्षमता है। भारत बहुभाषी-विविध संस्कृतियों का देश है। भाषायी संस्कृति को एक सूत्र में बांधने की क्षमता हिन्दी को ही है। हिन्दी केवल एक भाषा ही नहीं, भारत की संस्कृति है। हिन्दी भारत माता के माथे की बिन्दी है।

महात्मा गांधी ने एकभाषिता पर काफी बल दिया। हिन्दी में अन्य भाषाओं को समाहित करने की क्षमता है। हिन्दी का शब्द भण्डार निरन्तर बढ़ता जा रहा है। हिन्दी में संप्रेषणीयता की अद्भुत क्षमता है।

संचार माध्यम व फिल्मों ने भी हिन्दी को बढ़ावा दिया। अलग-अलग भाषाओं के शब्द को हिन्दी अपने में समाहित करती चली जा रही है। हिन्दी को आगे बढ़ाने में आत्मविश्वास की आवश्यकता है। हमारी हिन्दी की भावना देशवासियों में प्रचार-प्रसार करने की आज आवश्यकता है।

डॉ. रामकठिन सिंह ने कहा कि हिन्दी का बढ़ावा देने में विज्ञान परिषद ने 1914 से निरन्तर प्रकाशित होने वाली पत्रिका ह्लविज्ञानह्व ने अहम भूमिका निभायी। हिन्दी लेखकों में गुणाकरमुले का नाम प्रमुखता से लिया जाता है।

वर्तमान में नई शिक्षा नीति ने भी हिन्दी को अग्रसर करने में प्रयासरत है। हमें अपनी मात्र भाषा में लिखने, बोलने, पढ़ने-सीखने में गर्व का अनुभव होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें अनुवाद के स्थान पर मूल लेखन पर बल देना चाहिए।

हिन्दी एक सक्षम भाषा है, जिसमें विज्ञान लेखन की पर्याप्त क्षमता है। उन्होंने विज्ञान विषय पर केन्द्रित अपनी कविता का पाठ किया।

उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान व भाषा संस्थान में अध्यक्ष के पद वर्षों से खाली

–उपेक्षित अनुभव कर रहे हिन्दी भाषा के साहित्यकार

लखनऊ, 14 सितम्बर (हि.स.)। हिन्दी भाषा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस मनाया जाता है। सरकारी व गैरसरकारी स्तर पर इस दिन कार्यक्रम भी होते हैं। सोशल मीडिया पर देखें तो वहां भी हिन्दी भाषा को बढ़ावा देने के लिए तरह–तरह के लोगों के सुझाव आते हैं। लेकिन जिन सरकारी संस्थाओं की जिम्मेदारी हिन्दी भाषा के उत्थान की है वह अप्रसांगिक हो चुके हैं।

विगत तीन वर्षों से उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान में कार्यकारी अध्यक्ष का पद रिक्त चल रहा है। गोरखपुर के डॉ. सदानन्द गुप्त को 2017 में हिन्दी संस्थान का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। इसके बाद तीन बार उनका कार्यकाल बढ़ाया गया। उनके हटने के बाद हिन्दी संस्थान में कार्यकारी अध्यक्ष का पद खाली है। यही हाल उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान का है। यहां भी तीन वर्ष से अधिक समय से निदेश की नियुक्ति नहीं हुई है। इसलिए हिन्दी भाषा के साथ–साथ राष्ट्र भाव धारा के रचनाकार पूरी तरह से उपेक्षित हो रहे हैं।

यही हाल केन्द्र सरकार का भी है। अभी जुलाई 2024 में प्रो. सुनील बाबुराव कुलकर्णी को केन्द्रीय हिन्दी संस्थान आगरा का निदेशक नियुक्त किया गया। उन्हीं के पास केन्द्रीय हिन्दी संस्थान आगरा के निदेशक के साथ–साथ केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय का भी अतिरिक्त प्रभार है। केन्द्र सरकार ने तो 10 वर्ष बिना निदेशक नियुक्त किये ही व्यतीत कर दिये। अब ऐसे में हिन्दी का उत्थान कैसे होगा। यह विचारणयी प्रश्न है।

साहित्यकार डॉ. आशीष वशिष्ठ ने कहा कि उत्तर प्रदेश हिन्दी के साथ–साथ अन्य भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने वाली है। उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान हो या अन्य संस्थान जो भाषा को बढ़ावा देते हैं वहां पर अध्यक्ष की नियुक्ति जल्द की जानी चाहिए। लेखक डॉ. सत्येन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि हिन्दी भाषा हमारी गौरवशाली सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक है। हिन्दी भाषा की उपेक्षा ठीक नहीं है। सरकार को हिन्दी संस्थान जैसे महत्वपूर्ण संस्थानों में अध्यक्ष की नियुक्ति अविलम्ब करनी चाहिए।

मुख्यमंत्री योगी ने 'हिंदी दिवस' की प्रदेशवासियों को दी बधाई

लखनऊ, 14 (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'हिंदी दिवस' की प्रदेश वासियों को बधाई दी है। हिंदी दिवस के अवसर पर उन्होंने हिंदी के अधिक प्रयोग का संकल्प लिए

जाने की बात कही है।

मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स से पोस्ट करते हुए शनिवार को लिखा कि 'हिंदी दिवस' की प्रदेश वासियों को हृदयतल से बधाई। हिंदी भाषा हमारी संस्कृति, संस्कार एवं स्वाभिमान की प्रतीक है, हमें बंधुत्व के आत्मीय भाव से जोड़ती है। हम इसके विस्तार एवं विकास हेतु पूर्णतः प्रतिबद्ध हैं। आइए, हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग का संकल्प लें।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से हिंदी दिवस को लेकर एक बेहतर पोस्ट किया। उन्होंने अपने पोस्ट की शुरूआत एक मार्मिक पंक्ति से करते हुए हिंदी की विशेषता को दशार्ते हुए लिखा।

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल।

बिन निज भाषा-ज्ञान के मिटत न हिय को सूल।।

सभी राज्यों में बसे जनमानस को हिंदी के महत्व से जागरूक करने और बढ़ावा देने के उद्देश से मनाये जाने वाले हिन्दी दिवस की समस्त हिंदी प्रेमी साहित्यकारों, भाषाविदों, लेखकों व शिक्षकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। हमारी हिंदी भाषा भारतीय सनातनी संस्कृति और परंपरा एवं अपनी मधुरता व अपने साहित्य के लिए संपूर्ण विश्व में विख्यात है। आइए हम सब अपने लेखन एवं वातार्लाप में अपनी मातृभाषा हिन्दी का अधिक से अधिक प्रयोग करने का संकल्प करें।

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने पोस्ट करते हुए हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। आइए, इस हिंदी दिवस पर अपनी भाषा को और समृद्ध बनाने का संकल्प लें और गर्व से कहें, हिंदी हमारी शान है।

इसी तरह प्रदेश अध्यक्ष भाजपा भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने अपने एक्स अकाउंट से पोस्ट कर लिखा कि आप सभी प्रदेशवासियों को 'हिंदी दिवस'की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

हिंदी न केवल एक भाषा है बल्कि यह हमारी संस्कृति, सभ्यता और एकता की प्रतीक भी है। आइए, हिंदी दिवस के अवसर पर हम सब मिलकर हिंदी को नई मयार्दा एवं नई बुलंदी दिलाने का अटल संकल्प लें।

हिन्दी को बढ़ाने और संरक्षण के काम को और आगे बढ़ायेगी सपा : अखिलेश यादव

-सपा अध्यक्ष ने पुस्तक कर्ण का विमोचन करते हुए साहित्यकारों को किया सम्मानित

लखनऊ, 14 सितम्बर (हि.स.)। दुर्योधन को भी यह पता था कि कर्ण अगर हमारे साथ है तो महाभारत जीती जा

सकती है। कर्ण नहीं है हमारे साथ तो दूसरे पक्ष का मुकाबला नहीं कर पाएंगे। यह बातें समाजवादी पार्टी (सपा)के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को हिन्दी दिवस के अवसर पर आयोजित पुस्तक विमोचन 'कर्ण' का विमोचन करते हुए कही। उन्होंने इस दौरान साहित्यकारों को सम्मानित किया। उन्होंने प्रदेश और देशवासियों समेत उपस्थित पत्रकारों को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं दी।

अखिलेश यादव ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि आज उदयप्रताप सिंह को बधाई व धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने आज हिन्दी दिवस पर पुस्तक विमोचन कार्यक्रम और साहित्यकारों से मिलने का मौका दिया। इस दौरान उन्होंने विशेष तौर पर अब्दुल्ला बिस्मिल्ला को बधाई देता हूं। उनको सुनने के बाद उपस्थित लोगों के चेहरे पर बहुत दिनों बात उनको सुनकर जो खुशी थी उसके लिए उन्हें बधाई देता हूं। जब कभी कोई बड़ा कार्यक्रम हुआ तो उन्हें (अब्दुल्ला बिस्मिल्ला) को जरूर हम न्योता देंगे।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि आज हिंदी को जिस रूप में बढ़ाया जाना चाहिए था नहीं हुआ। आजादी के समय में भी हिंदी की बड़ी भूमिका रही है। भाषाओं का भी सम्मान किया जाना चाहिए। मैं भरोसा दिलाता हूं कि जिस तरह से राम मनोहर लोहिया जी, नेताजी ने हिंदी को बढ़ाने और संरक्षण के लिए जो काम किए हैं, उस काम को आगे बढ़ाएंगे। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने किया। इस मौके पर वीरेद्र यादव, प्रमोद यादव समेत वरिष्ठजनों के साथ पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जम्मू में सपा भी लड़ेगी चुनाव

अखिलेश यादव ने कहा कि 370 के हटने के बाद पहली बार जम्मू कश्मीर में चुनाव हो रहा है। इसलिए अबकी बार समाजवादी पार्टी ने भी वहां पर चुनाव लड़ने का फैसला किया। इस विधानसभा चुनाव में पार्टी पूरी मजबूती से चुनाव लड़ेगी।

अखिलेश ने बसपा से गठबंधन टूटने पर फिर दी सफाई

पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए बसपा से गठबंधन टूटने को लेकर अखिलेश यादव ने फिर सफाई दी। उन्होंने कहा कि जो बसपा और सपा का गठबंधन था वह ऐसा गठबंधन था जो बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर और डॉ राम मनोहर लोहिया जी करना चाहते थे अपने जीवनकाल में, वो नहीं कर पाए। उस समय जब सपा–बसपा का गठबंधन था तब मैंने कहा था कि ये देश की राजनीति बदलेगा। लेकिन कुछ परिस्थितियां ऐसी रही कि वो गठबंधन ज्यादा नहीं चल सका। बात बहुत छोटी आई है। किसने किसका फोन नहीं उठाया और किसने किसको फोन किया। जिस समय सूचना मिली कि सपा बसपा का गठबंधन तोड़ दिया गया है उस समय मेरे बगल में एक बसपा के पुराने बड़े नेता बैठे थे।

गठबंधन टूटने की चर्चा को लेकर सबसे पहले उनसे ही पूछा कि अब क्या करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें भी ऐसे ही धोखा मिला था आपको भी धोखा मिल गया।

पारंपरिक उत्पादों का 'वैश्विक महाकुंभ' बनेगा यूपीआईटीएस-2024

लखनऊ, 14 सितंबर (हि.स.)। उत्तर प्रदेश को 'उद्यम प्रदेश' बनाने के लिए योगी सरकार प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक तरफ जहां स्वयं प्रत्येक मंच से प्रदेश के उत्पादों की अक्सर ब्रांडिंग करते रहते हैं। वहीं, दूसरी तरफ शासन को निर्देशित कर विभिन्न आयोजनों के माध्यम से यहां के उद्यमियों को अपने उत्पाद की ब्रांडिंग का अवसर भी उपलब्ध कराते हैं।

इस कड़ी में 25 से 29 सितंबर के बीच आयोजित होने जा रहा यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2024 (यूपीआईटीएस- 2024) प्रदेश के पारंपरिक उद्यमियों के लिए 'वैश्विक महाकुंभ' साबित होगा। इस क्रम में, वाराणसी, अयोध्या, गोरखपुर, प्रयागराज, झांसी मंडलों के 270 से अधिक स्थानीय व पारंपरिक उत्पादों के उद्यमियों ने विभिन्न केटेगरीज के अंतर्गत अब तक रजिस्ट्रेशन करा लिया है।

आने वाले दिनों में इस प्रक्रिया में और तेजी आएगी।

रजिस्ट्रशेन कराने वाले उद्यमी हथकरघा, टेराकोटा, हस्तशिल्प, स्मॉल स्केल इंडस्ट्रीज, एमएसएमई, ओडीओपी समेत विभिन्न श्रेणियों के उद्यमों का संचालन कर रहे हैं, जो इस भव्य आयोजन में हिस्सा लेंगे। वहीं, नए निर्यातक, हस्तशिल्पी व महिला उद्यमी भी आयोजन में सहभागिता को लेकर बेहद उत्साहित और आशान्वित हैं। उनका एक स्वर में कहना है कि सीएम योगी की नीतियां न केवल प्रदेश की परंपरा को संरक्षित कर रही है, बल्कि हमारे उत्पादों के लिए वैश्विक बाजार तक पहुंच को भी सुलभ बना रही है। उनके अनुसार, इससे हमारे उत्पादों की पहुंच दुनिया के विभिन्न देशों तक हुई है। इससे हमारी कमाई में भी बढ़ोतरी होगी।

वाराणसी मंडल के 44 हस्तशिल्पी लेंगे यूपीआईटीएस में हिस्सा

वाराणसी मंडल के 44 हस्तशिल्पी, नए निर्यातक और महिला उद्यमी इंटरनेशनल ट्रेड शो में जाने के लिए पंजीकरण करा चुके है। उद्योग विभाग के संयुक्त आयुक्त उमेश सिंह ने बताया कि यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में वाराणसी मंडल के 4 जिलों वाराणसी ,चंदौली जौनपुर और गाजीपुर के वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट के 20 उद्यमी हिस्सा लेंगे। वहीं, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम (जिसमें लकड़ी के खिलौने, गुलाबी मीनाकारी, दरी, बेवरेज, मेडिकल प्रोडक्ट्स बायो फर्टिलाइजर,मसाला नूडल्स व बनारसी सिल्क उद्योग आदि शामिल है) से जुड़े 16 उद्यमी भी प्रतिभाग करेंगे। बनारसी सिल्क साड़ी तथा कालीन उद्योग से जुड़े 8 नए निर्यातक समेत कुल 44 उद्यमी आयोजन में हिस्सा लेने के लिए रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं।

वाराणसी मंडल के 4 जिलों के विभिन्न कैटेगरी में उद्यमियों की संख्या

एमएसएमई महिला युवा उद्यमी

-वाराणसी -6
-जौनपुर -4
-गाजीपुर -2
-चंदौली -4

एक जिला एक उत्पाद

-वाराणसी -15
-जौनपुर -3
-गाजीपुर -1
-चंदौली -1

नए निर्यातक

-वाराणसी—8

उद्यमियों ने कराया पंजीकरण

यूपीआईटीएस 2024 में हिस्सा लेने के लिए आगरा मंडल के 134 हस्तशिल्प ,नए निर्यातक और महिला उद्यमियों ने पंजीकरण कराया है। इसमें आगरा से 51, मथुरा से 23, फिरोजाबाद से 56, मैनपुरी से 04 शामिल हैं।

प्रयागराज में कुल 7 उद्यमियों ने रजिस्ट्रेशन कराया है जिसमें 03 एमएसएमई इकाइयों के उद्यमी भी हिस्सा लेंगे। इन उद्यमियों को ट्रेड शो में रियायती दरों पर स्टॉल प्राप्त होंगे। अंबेडकरनगर से ओडीओपी के 4, सुल्तानपुर के एमएसएमई के 2 व ओडीओपी के 1, बाराबंकी से एमएसएमई के 4 व ओडीओपी के 2 व अमेठी के 2 ओडीओपी प्रोडक्ट्स से संबंधित उद्यमियों को यूपीआईटीएस 2024 में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा।

यूपीआईटीएस 2024 में झांसी मंडल के तीनों जिलों झांसी, ललितपुर और जालौन के 10 उद्यमी अपने उत्पादों के साथ हिस्सेदारी करेंगे। ट्रेड शो में हिस्सा लेने के लिए जालौन के 1, ललितपुर के 2 और झांसी के 7 उद्यमियों ने अभी तक प्रस्ताव दिया है। इसी प्रकार, बरेली में विभिन्न सेक्टर के 22 उद्यमी, बदायूं के 3, पीलीभीत के 4 तथा शाहजहांपुर के 3 उद्यमी हिस्सा ले रहे हैं। कुल मिलाकर बरेली मंडल से 32 उद्यमी यूपीआईटीएस 2024 में अपनी सहभागिता अब तक सुनिश्चित करा चुके हैं।

मोहम्मद इजरायल हैंडीक्राफ्ट के डायरेक्टर कैसर जहां अहमद ने बताया कि यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो योगी सरकार का हैंडीक्राफ्ट्स व आर्टिसंस के लिए बहुत बड़ा तोहफा है। इससे इंटरनेशन बायर मिल रहा है। बीच से ब्रोकर के हटने से हम लोगों के हुनर का सही मूल्य मिल रहा है। ये कला धीरे-धीरे खत्म होने की कगार पर थी।

आज इस कला के पुनर्जीवित होने से हुनरमंद शिल्पियों के घर चूल्हे जल रहे हैं। शी क्रिएशन की डायरेक्टर हुर्रिया बानो ने बताया कि पहले बनारस का फैब्रिक बाहर जाकर डिजाइन होता था, अब सरकार ने वाराणसी को निफ़्ट का उपहार दिया है, जिससे वाराणसी को अच्छे डिजाइनर भी मिल रहे है। इसमे महिलाओं के लिए ह्यरेडी टू वियर साड़ीह्व खास है" जिसे विदेशी महिलाएं, यंग लड़कियां और मेट्रो सिटी की महिलाएं ज्यादा पसंद करती हैं।

चकबंदी कार्यों में योगी सरकार ने स्थापित किया 10 वर्षों का नया कीर्तिमान

-50 से अधिक वर्षों से चकबंदी प्रक्रिया से वंचित 8 गांव, 30 से 50 वर्ष तक वंचित 72 गांवों तथा 10 वर्ष से 30 वर्ष तक चकबंदी प्रक्रिया से वंचित रहे 296 गांवों में प्रक्रिया हुई पूरी

लखनऊ, 14 सितंबर (हि. स.)। योगी सरकार अन्नदाताओं के हितों के लिए लगातार आवश्यक कदम उठा रही है। योगी सरकार ने चकबंदी संबंधी कार्यों में पिछले एक वर्ष में 10 वर्षों का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में आठ माह में प्रदेश के 40 जिलों के 82 ग्रामों में अब तक चकबंदी करायी जा चुकी है। वहीं पिछले वर्ष 2023-24 में प्रदेश के 74 जिलों के 781 गांवों में चकबंदी करायी गयी। इसके अलावा पिछले साल सितंबर से अब तक 705 ग्राम अदालत का आयोजन किया गया, जिसमें 25,523 वादों का निस्तारण किया जा चुका है।

तीन वर्षों में 1475 ग्रामों में पूरी की गयी चकबंदी प्रक्रिया

चकबंदी आयुक्त जीएस नवीन ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अन्नदाताओं के खेत संबंधी विवादों को पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से निपटाने के लिए चकबंदी कराने के निर्देश दिये थे। उन्होंने इसके निस्तारण के लिए अभियान और ग्राम अदालत लगाने के निर्देश दिये थे। इसी क्रम में इस वित्तीय वर्ष में आठ माह में 40 जिलों के 82 ग्रामों में चकबंदी करायी जा चुकी है।

वहीं 51 ग्रामों में चकबंदी प्रक्रिया संभव न होने के कारण अधिनियम की धारा 6 (1) के तहत चकबंदी प्रक्रिया से अलग किया गया। इसी तरह वर्ष 2023-24 में 74 जिलों के 781 ग्रामों में चकबंदी प्रक्रिया पूरी की गयी। इसमें 330 ग्राम 10 वर्षों से अधिक अवधि के थे। वर्ष 2022-23 में 463 ग्रामों एवं 2021-22 में 231 ग्रामों में चकबंदी प्रक्रिया पूरी की गयी, जो पिछले 10 वर्षों की तुलना में एक कीर्तिमान है।

कुल मिलाकर वर्ष 2021-2022, 2022-23 तथा 2023-24 में 1475 ग्रामों में चकबंदी प्रक्रिया पूरी हुई है। वहीं, 50 वर्ष से अधिक अवधि से लंबित 8 ग्राम, 30 वर्ष से 50 वर्ष तक लंबित 72 ग्राम और 10 वर्ष से 30 वर्ष तक लंबित 296 ग्राम में चकबंदी प्रक्रिया पूरी की गयी। इसमें आजमगढ़ के ग्राम महुवा और गोमाडीह में क्रमशः 63 वर्ष

और 56 वर्ष से लंबित, विचाराधीन चकबंदी प्रक्रिया पूरी की गयी। इसके अलावा गाजीपुर के ग्राम सवना व बरेजी चकबंदी प्रक्रिया 59 वर्षों एवं ग्राम बेलसड़ी की चकबंदी प्रक्रिया 55 वर्षों से विचाराधीन थी, जिसे पूरी किया गया।

कन्नौज के 8 ग्रामों के दोबारा तैयार कराए चकबंदी अभिलेख

चकबंदी आयुक्त ने बताया कि लखीमपुर खीरी के ग्राम सुआबोझ, सुल्तानपुर के ग्राम मालापुर जगदीशपुर, जौनपुर के ढेमा गांव में क्रमशः 53, 54 और 52 वर्ष से चकबंदी प्रक्रियाधीन थी, जिसे पूरा किया गया। इसके अलावा सुल्तानपुर के ग्राम अन्दारापुर में 48 वर्षों, बरेली के ग्राम मोहनपुर में 41 वर्ष, बिजनौर के ग्राम छाचरी टीप में 35 वर्षों, बदायूं के ग्राम रहेड़िया में 33 वर्षों, मऊ के ग्राम अल्देमऊ में 31 वर्षों, बुलंदशहर के ग्राम याकूबपुर व मुस्तफाबाद डडुवा में 30 वर्षों से चकबंदी प्रक्रियाधीन थी, जिसे पूरी किया गया। इसके साथ ही कन्नौज में 1990 में अग्निकांड की वजह से 35 ग्रामों के अभिलेख जल गये थे, जिससे 34 वर्षों से चकबंदी प्रक्रिया बाधित हो रही थी। इसमें नये अभिलेखों को तैयार करना सबसे बड़ी चुनौती थी।

ऐसे में चकबंदी आयुक्त ने तत्कालीन अपर निदेशक चकबंदी की अध्यक्षता में समिति का गठन किया। साथ ही समिति की संस्तुति के बाद 35 ग्रामों में से 8 ग्रामों को पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में उनके अभिलेख सृजित किये गये। इनमें से दो गांव नन्दलालपुर व करनौली की चकबंदी प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। इतना ही नहीं पिछले वर्ष चकबंदी प्रक्रिया में शामिल लखीमपुर खीरी के ग्राम रामपुर मकरन्द की चकबंदी प्रक्रिया एक वर्ष और रामपुर के ग्राम चक रफतपुर में मात्र आठ माह में चकबंदी पूरी की गयी।

जल्द ही एआई, ब्लॉक चेन, ड्रोन और रोवर से होगी चकबंदी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चकबंदी संबंधी पुराने लंबित वादों को निस्तारित करने के लिए ग्रामों में ग्राम अदालत लगाने के निर्देश दिये थे।

सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद पिछले वर्ष सितंबर से अब तक प्रदेश के विभिन्न जिलों में 705 ग्राम अदालत का आयोजन किया गया। इसके जरिये 25,523 वादों को निस्तारण किया जा चुका है। इसके अलावा किसानों के हित एवं पारदर्शिता के मद् देनजर एआई, ब्लॉक चैन, ड्रोन एवं रोवर सर्वेक्षण आधारित चकबंदी संचालित करने के लिए पायलेट प्रोजेक्ट के तहत आईआईटी रूड़की के साथ परीक्षण चल रहा है।

इसके साथ ही जीआईएस बेस्ड सॉफ्टवेयर एवं मोबाइल ऐप विकसित करने की भी कार्रवाई चल रही है। जल्द ही इन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर चकबंदी प्रक्रिया संचालित की जाएगी।

भारतीय भाषा कला सम्मान से 25 प्रतिष्ठित कलाकारों का हुआ अलंकरण

वाराणसी,14 सितम्बर (हि.स.)। बहुभाषी समाचार एजेंसी हिन्दुस्थान समाचार की ओर से आयोजित भाषाई कला संगम 2024 के तहत शनिवार को 25 प्रतिष्ठित कलाकारों को सम्मानित किया गया। भारतीय भाषा कला सम्मान से सम्मानित होने वाली गणमान्य हस्तियों में प्रो. पं. साहित्य कुमार नाहर (कुलपति, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर); दयाराम भांड (राजस्थान के पारंपरिक लोक कलाकार); नितिन बाबू दवे (गुजरात के लोक कलाकार); पं. अतुल कुमार उपाध्ये (महाराष्ट्र के वायलिन कलाकार); विदुषी शोभा कोसर (पंजाब की कथक कलाकार); नयनिका घोष (हरियाणा की कथक नृत्यांगना); गौकरण पाटिल (छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध चित्रकार); पं. ईमान दास (बेंगलुरु, कर्नाटक के शास्त्रीय गायक ठुमरी और भजन कलाकार); मल्लादी श्रीराम प्रसाद एवं मल्लादी रवि कुमार (आंध्र प्रदेश के शास्त्रीय गायक); विदुषी डॉ कमला शंकर (तमिलनाडु की भारतीय शास्त्रीय स्लाइड गिटार वादक); चित्तूर के. पतंजलि (केरल के प्रसिद्ध बांसुरी वादक); समर साहा (पश्चिम बंगाल के तबला वादक); विदुषी रंजुमोनी सैकिया (असम की शास्त्रीय नृत्य कलाकार); राजकुमारी सनाहनबी देवी (मणिपुर की लोक नृत्य कलाकार); जाहर बनर्जी (त्रिपुरा के प्रसिद्ध तबला वादक); पं. प्रभुतोष पांडा (ओडिशा के प्रसिद्ध ओडिशी नृत्य कलाकार); पं. उदय कुमार मलिक (बिहार के प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक); मैथिली ठाकुर (मधुबनी- बिहार की लोक गायिका); ज्योति खत्री (प्रसिद्ध भगत सिंधी गायक); पंडित आयुष द्विवेदी (कानपुर के शास्त्रीय ध्रुपद संगीत कलाकार); डॉ देवेंद्र कुमार त्रिपाठी (उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ चित्रकार); डॉ सुनील कुमार विश्वकर्मा (उत्तर प्रदेश से सुप्रसिद्ध चित्रकार); बद्रीनाथ वर्मा (युगवार्ता के सहायक संपादक) और पदुम नरायण द्विवेदी (हिन्दुस्थान समाचार, उत्तर प्रदेश के पूर्व समाचार समन्वयक)शामिल रहे।

ज्ञानवापी साक्षात विश्वनाथ स्वरूप : आदित्यनाथ

गोरखपुर, 14 सितंबर (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि आज जिस ज्ञानवापी को कुछ लोग मस्जिद कहते हैं वह साक्षात विश्वनाथ जी ही हैं।

मुख्यमंत्री योगी दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में ह्यसमरस समाज के निर्माण में नाथपंथ का अवदानह्ल विषयक संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन गोरखपुर विश्वविद्यालय और हिंदुस्तानी एकेडमी प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में किया गया है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने संतों और ऋषियों की परंपरा को समाज और देश को जोड़ने वाली परंपरा बताते हुए आदि शंकर का विस्तार से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारतीय ऋषियों-संतों की परंपरा सदैव जोड़ने वाली रही है। इस संत-ऋषि परंपरा ने प्राचीन काल से ही समतामूलक और समरस समाज को महत्व दिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अस्पृश्यता को दूर करने पर ध्यान दिया गया होता तो देश कभी गुलाम नहीं होता। संत परंपरा ने समाज में छुआछूत और अस्पृश्यता को कभी महत्व नहीं दिया। यही नाथपंथ की भी परंपरा है। नाथपंथ ने हरेक जाति, मत, मजहब, क्षेत्र को हरेक तबके को जोड़ने के प्रयास किए।

उन्होंने कहा कि महायोगी गुरु गोरखनाथ जी की शब्दियों, पदों और दोहों में समाज को जोड़ने और सामाजिक समरसता की ही बात है। उनकी गुरुता भी सामाजिक समरसता को मजबूत करने के लिए प्रतिष्ठित है। यहां तक कि मलिक मुहम्मद जायसी ने भी कहा है, ह्यबिनु गुरु पंथ न पाइये, भूलै से जो भेंट, जोगी सिद्ध होई तब, जब गोरख सौं भेंटह्ल संत कबीरदास जी भी उनकी महिमा का बखान करते हैं तो गोस्वामी तुलसीदास कहते हैं, ह्यगोरख जगायो जोग, भगति भगायो लोग निगम नियोग सोंह्ल योगी ने कहा कि संत साहित्य की परंपरा, इसकी शृंखला गुरु गोरखनाथ के साहित्य से आगे बढ़ती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नाथपंथ की परंपरा के अमिट चिह्न सिर्फ देश के हर कोने में ही नहीं हैं बल्कि विदेशों में भी हैं। उन्होंने अयोध्या में गत दिनों तमिलनाडु के एक प्रमुख संत से हुई मुलाकात का उल्लेख करते हुए बताया कि उक्त संत से उन्हें तमिलनाडु के सुदूर क्षेत्रों की नाथपंथ की पांडुलिपियां प्राप्त हुई हैं। यहां गोरखनाथ जी से जुड़े अनेक साधना स्थल और ज्ञानेश्वर दास की परंपरा भी मत्स्येंद्रनाथ जी, गोरखनाथ जी और निवृत्तिनाथ जी की कड़ी है। महाराष्ट्र में रामचरितमानस की तर्ज पर नवनाथों की पाठ की परंपरा है। पंजाब, त्रिपुरा, असम, बंगाल आदि राज्यों के साथ ही वृहत्तर भारत और नेपाल, बांग्लादेश, तिब्बत, अफगानिस्तान, पाकिस्तान समेत अनेक देशों में नाथपंथ का विस्तार देखने को मिलेगा। मुख्यमंत्री ने नाथपंथ की परंपरा से जुड़े चिह्नों के संरक्षण और उसे एक म्यूजियम के रूप में संग्रहित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि गोरखपुर विश्वविद्यालय के महायोगी गुरु गोरखनाथ शोधपीठ इस दिशा में पहल कर सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश, काल और परिस्थितियों के अनुरूप नाथपंथ ने अपनी भूमिका को सदैव समझा। जब देश पर बाहरी आक्रमण शुरू हो गए थे तब नाथपंथ के योगियों ने सारंगी वादन के जरिये समाज को देश पर आए खतरे के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि यह सौभाग्य की बात है कि महायोगी गोरखनाथ जी ने गोरखपुर को अपनी साधना से पवित्र किया।

जालौन में यमुना नदी ने पार किया खतरे का निशान, कई गांव डूबे

जालौन, 14 सितम्बर (हि.स.)। यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया। बाढ़ के पानी से कई गांव डूब गये। नदी का जलस्तर 108 मीटर से 60 सेमी ऊपर बह रहा है, जो खतरे के निशान से अधिक है।

इस बाढ़ के कारण कालपी तहसील के करीब 12 से अधिक गांवों का मुख्यालय से सम्पर्क टूट गया है। ग्रामीणों को अपने घरों से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर ले जाया जा रहा है। जिला प्रशासन ने बाढ़ प्रभावित गांवों में राहत बचाव कार्य शुरू कर दिया है। प्रशासनिक अधिकारी और राहत टीमें घटनास्थल पर पहुंचकर बचाव कार्य में जुटी हैं।

नावों और अन्य साधनों के माध्यम से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। राहत शिविरों में लोगों को भोजन, पानी और अन्य आवश्यक सामग्री प्रदान की जा रही है। बाढ़ प्रभावित गांवों में विद्युत आपूर्ति भी बंद कर दी गई है ताकि किसी भी दुर्घटना को रोका जा सके। स्वास्थ्य विभाग की टीमें भी घटनास्थल पर पहुंचकर लोगों की स्वास्थ्य जांच कर रही हैं और आवश्यक दवाएं प्रदान कर रही हैं।

जिलाधिकारी राजेश पांडे ने सभी सम्बंधित विभागों को अलर्ट पर रखा है और लगातार निगरानी रखी जा रही है। बाढ़ प्रभावित गांवों में संचार व्यवस्था भी प्रभावित हुई है, जिसके कारण लोगों को परेशानी हो रही है।

साइबर ठगी पर नियंत्रण और यातायात सुधार पर रहेगा फोकस : सुधा सिंह

झांसी, 14 सितम्बर (हि.स.)। जनपद की कानून व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त रखने के लिए नए पुलिस कप्तान के रूप में आईपीएस सुधा सिंह ने जिले का कार्यभार ग्रहण कर लिया। वे 2011 बैच की आईपीएस अधिकारी हैं। इसके पहले भी वे जनपद में डीएसपी व एसपी ग्रामीण के रूप में तैनात रह चुकी हैं और जिले समेत बुंदेलखंड के अपराध और अपराधियों की भौगोलिक स्थिति से वह पूरी तरह वाकिफ है।

नवागंतुक पुलिस कप्तान सुधा सिंह ने शुक्रवार को देर रात कार्यभार ग्रहण करने के बाद शनिवार को पत्रकार वार्ता की। उन्होंने कहा कि अपराध पर नियंत्रण पहली प्राथमिकता होगी। यही नहीं खास तौर पर साइबर ठगी पर नियंत्रण और यातायात को सुधारना भी उनकी प्राथमिकताओं में रहेगा।

अपराध और अपराधी पर अंकुश लगाया जाएगा। ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए जिला प्रशासन से सामंजस्य बनाकर पालन कराया जाएगा। भूमि विवादों का सही ढंग से निस्तारण कराने के लिए प्रशासन से वार्ता की जाएगी। निष्पक्ष कार्य करते हुए कब्जाधारियों पर कार्यवाही होगी।

उन्होंने बताया कि भू माफियाओं पर कार्यवाही बदस्तूर जारी रहेगी। किसी की जमीन पर अगर कोई कब्जा करता है तो उसके खिलाफ कार्यवाही होगी। षडयंत्र व औपचारिकताओं से पुलिस बचने का प्रयास करेगी। निदोर्षों को जबरन फंसाने की साजिशों को रोका जाएगा। उन्होंने मीडिया से भी सहयोग व सुझाव देने व फर्जी अफवाह पर रोक लगाने के लिए सहयोग की अपील की है।

नक्शा पास नहीं होने पर प्रशासन ने वक्फ बोर्ड की 12 दुकानें सील की

बिजनौर, 14 सितम्बर (हि.स.)। जिला एवं पुलिस प्रशासन ने शनिवार को कलक्ट्रेट कार्यालय के पास बनी वक्फ बोर्ड की 12 दुकानों को सील करते हुए नोटिस चस्पा कर दिया। दुकानों के बाहर पुलिस बल भी तैनात है। इन दुकानों का नक्शा पास नहीं होने पर यह कार्रवाई की गयी है।

थाना शहर कोतवाली के कलक्ट्रेट कार्यालय स्थित कचहरी वाली मस्जिद की 12 दुकानों को प्रशासन ने सील किया है। प्रशासन का कहना है कि विनियमित क्षेत्र द्वारा सभी दुकान मालिकों को नक्शा पास के कागज दिखाने के लिए कहा गया था। दुकान मालिकों द्वारा पास किया गया नक्शा नहीं दिखाये जाने पर इनकी दुकानों को सील किया गया है।

दुकान मालिकों का कहना है कि सभी दुकानें कचहरी वाली मस्जिद की है जो वक्फ बोर्ड के आधीन है। वर्ष 1986 में ये दुकानें बनाई गई थी, उस समय नक्शा पास कराने का कोई प्रावधान नहीं था।

सभी दुकानदारों का कहना है कि वे सभी कागजों के साथ अधिकारियों से मिलेगें तथा उन्हें पूरे मामले की जानकारी देकर सील खोलने की अपील की जायेगी।

समाधान दिवस पर आयीं चार शिकायतों का तुरंत निस्तारण से फरियादियों में खुशी

औरैया, 14 सितंबर (हि.स.)। समाधान दिवस पर नायब तहसीलदार रूचि मिश्रा ने क्षेत्रीय लोगों की समस्याएं सुनी और शनिवार को ही निस्तारण के लिए मौके पर राजस्व व पुलिस टीम के साथ भेजी।

सहार थाना क्षेत्र के राम कली पुत्री रामनाथ निवासी बहादुर पुर सहार ने श्रीपाल पुत्र रामनाथ के विरुद्ध भूमि विवाद एवं राम प्रसाद पुत्र मौजी लाल निवासी सौंथरा ने प्यारेलाल पुत्र लल्लू के विरुद्ध भूमि विवाद की शिकायत की गई।

जिस पर नायब तहसीलदार बिधूना ने मौके पर लेखपाल व पुलिस टीम उप निरीक्षक शफीक अहमद मय पुलिस बल को निस्तारण के लिए भेज दिया। इसके साथ ही मांडवी पत्नी इंद्र रूप निवासी तिवार्गज थाना तिर्वा जिला कन्नौज ने विनोद निवासी फतेहपुर के विरुद्ध भूमि विवाद की शिकायत पर लेखपाल सत्यवीर पाल को पुलिस उप निरीक्षक कुलदीप राजपूत मय पुलिस बल के मौके पर निस्तारण हेतु भेज दिया। राम सनेही पुत्र सुंदरलाल निवासी खुटेमदारी ने बुद्धालाल, विजय बहादुर, लाल बहादुर के विरुद्ध शिकायत की पर आपसी सहमति से लेखपाल को निस्तारण के लिए आदेश दिया। थानाध्यक्ष अजय कुमार के साथ उप निरीक्षक योगेंद्र सिंह ने शिकायतों को निस्तारण कराया। थाना समाधान दिवस पर सभी लेखपाल जिनमें सत्यवीर पाल, प्रमोद कुमार, प्रदीप सिंह, रोहित पाठक, महेन्द्र कुमार तथा क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे।

पीसीएस जे परीक्षा मामले में हाईकोर्ट ने मांगा राज्य सरकार से जवाब

-याची के वकील ने आयोग की भूमिका पर उठाए सवाल

-एफआईआर दर्ज कर सीबीआई से जांच कराने की मांग

-हाईकोर्ट 30 सितम्बर को करेगा फिर सुनवाई

प्रयागराज, 14 सितम्बर (हि.स.)। लोक सेवा आयोग की पीसीएस जे 2022 मुख्य परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं में गड़बड़ी के मामले में आयोग की ओर से की गई सिफारिश पर हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से एक बार फिर से जवाब तलब किया है। कोर्ट ने सरकार से पूछा है कि आयोग ने पूर्व में चयनित जिन दो अभ्यर्थियों को चयन से बाहर कर दो नए अभ्यर्थियों को चयन में शामिल करने की सिफारिश की है, उस पर सरकार ने क्या निर्णय लिया है। कोर्ट ने राज्य सरकार को इस पर जवाब दाखिल करने का समय दिया है।

सीबीआई जांच और प्राथमिकी दर्ज कराने की उठी मांग पर कोर्ट ने याचिका करने वाले अभ्यर्थी की ओर से प्रस्तुत संशोधन अर्जी पर जवाब देने को कहा है। अर्जी में की गई सीबीआई से जांच कराने और प्राथमिकी दर्ज करने की मांग पर खास तौर से जवाब मांगा गया है। कोर्ट ने यह भी कहा है कि जब तक मामले की सुनवाई चल रही है, इस परीक्षा से सम्बंधित समस्त रिकॉर्ड सुरक्षित रखे जाएं।

श्रवण पांडे की याचिका पर सुनवाई कर रही न्यायमूर्ति एसडी सिंह और न्यायमूर्ति डी रमेश की खंडपीठ ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 30 सितम्बर की तिथि नियत की है। याची के अधिवक्ता ने कहा कि यह बड़ा घोटाला है। याची का पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता एस एफ ए नकवी ने कोर्ट के समक्ष आयोग की भूमिका पर कई सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि आयोग ने पहले 50 उत्तर पुस्तिकाओं में गड़बड़ी की बात स्वीकार की थी। मगर अब यह संख्या बढ़ती जा रही है। उनमें से दो अभ्यर्थी हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर चुके हैं, जबकि दो के चयन की स्वयं आयोग ने संस्तुति की है। कई अन्य अभ्यर्थी भी याचिका दाखिल करने की तैयारी में है। इससे जाहिर है कि यह संख्या आयोग द्वारा बताई जा रही संख्या से कहीं ज्यादा है। आयोग ने पहले सात लोगों का परिणाम कैंसिल करने के लिए कहा था। मगर बाद में छह की सूची जारी की और अंत में सिर्फ दो अभ्यर्थियों के चयन की संस्तुति की। आयोग लगातार अपना स्टैंड बदल रहा है।

-दो अन्य अभ्यर्थी भी पहुंचे कोर्ट

सुनवाई के दौरान दो अन्य अभ्यर्थियों की ओर से भी अधिवक्ताओं ने कोर्ट में मेंशन कर कहा कि वह भी याचिका दाखिल कर रहे हैं। इस पर कोर्ट का कहना था कि उनकी याचिका दाखिल होने के बाद उस पर विचार किया जाएगा, जबकि श्रवण पांडे के अलावा दो अन्य अभ्यर्थियों की याचिका पर सुनवाई हुई।

हाईकोर्ट ने इससे पूर्व सुनवाई पर आयोग द्वारा खुद ही परिणाम संशोधित कर दो अभ्यर्थियों को चयन से बाहर करने और दो को चयन में शामिल करने की संस्तुति पर सवाल उठाए थे। कोर्ट ने जानना चाहा था कि आयोग को यह शक्ति कहां से प्राप्त है और यदि ऐसा है तो इस पर गम्भीरता से विचार करने की आवश्यकता है। आयोग की ओर से हाईकोर्ट में हलफनामा दाखिल किया गया। हालांकि राज्य सरकार ने और समय की मांग की। जिस पर कोर्ट ने मामले की सुनवाई 30 सितम्बर को करने का निर्देश देते हुए राज्य सरकार को जवाब दाखिल करने के लिए कहा है।

वंचित लोगों को विकास की मुख्य धारा में ला रहे प्रधानमंत्री: संजय निषाद

मेरठ, 14 सितम्बर (हि.स.)। निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश के मत्स्य पालन मंत्री संजय निषाद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच है कि निचली पायदान पर खड़े लोगों को विकास की मुख्य धारा में लाया जाए। वह इसी दिशा में कार्य कर रहे हैं और वंचित लोग विकास की मुख्य धारा में ला रहे हैं। उन्होंने कहा कि अनुदान लेकर काम नहीं करने वालों के खिलाफ जांच करके कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी विदेश में देश की छवि खराब कर रहे हैं।

मत्स्य पालन मंत्री शनिवार को विभागीय समीक्षा करने के लिए मेरठ पहुंचे। सबसे पहले उन्होंने जिले के पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मिलकर समीक्षा की। इसके साथ ही निषाद पार्टी व भाजपा नेताओं से भी मुलाकात की। समीक्षा बैठक के बाद पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में अलग मत्स्य पालन मंत्रालय बनाया। पहले सोच थी कि मछलीपालन के लिए बड़े पोखरे, तालाब चाहिए, तब मछली पालन कर सकते हैं। इस सोच को बदलने के लिए प्रधानमंत्री लगातार काम कर रहे हैं। उन्होंने 33 परियोजनाएं उत्तर प्रदेश के लिए दी है। इसमें कम समय में मछलीपालन कर सकते हैं। अब मछलीपालन में मुनाफा बढ़ा है। उन्होंने कहा कि अनुदान लेकर काम नहीं करने वालों के खिलाफ जांच करके कार्रवाई करें। प्रतिबंधित थाई मांगुर मछली के पालन पर भी सख्ती से रोक लगाई जाएगी। यह मछली खाने से कैंसर जैसी बीमारी हो सकती हैं। संजय निषाद ने कहा कि मोदी सरकार मछुआरा समाज के विकास के लिए कार्य कर रहे हैं। मोदी सरकार की प्रशंसा करते हुए कहा कि देश की अर्थव्यवस्था पूरी दुनिया में पांचवें स्थान पर आ चुकी है। जबकि देश में उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था दूसरे स्थान पर है।

-विदेश में देश की छवि खराब कर रहे राहुल

संजय निषाद ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी विदेश में जाकर देश की छवि को खराब कर रहे हैं। राहुल गांधी कल आतंकवादियों के साथ भी खड़े हो सकते हैं। मंगेश यादव एनकाउंटर पर उन्होंने कहा कि अपराधियों की कोई जाति नहीं होती है।

भाजपा सरकार अपराधियों का सफाया करने में लगी हुई है। 2014 से सपा की उल्टी गिनती चल रही है। अखिलेश कितनी बार सरकार बनाने की बात कह चुके हैं लेकिन उनकी सरकार नहीं बनी है।

समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी दीपक मीणा, एसएसपी डॉ. विपिन ताड़ा, मुख्य विकास अधिकारी नूपुर गोयल आदि उपस्थित रहे।

व्यापारी सुरक्षा फोरम संस्थान ने 17 प्रदेश संयोजकों की राष्ट्रीय टीम की घोषणा की

गाजियाबाद, 14 सितंबर (हि.स.)। व्यापारी सुरक्षा फोरम संस्थान संयोजक अशोक गोयल ने शनिवार को 17 प्रदेश संयोजकों की राष्ट्रीय टीम की घोषणा की है।

श्री गोयल ने यहां शनिवार को बताया कि यह घोषणा एक सम्मेलन में की गई है। जिसमे व्यापारी कल्याण बोर्ड के राष्ट्रीय चेयरमैन सुनील सिंघी, पूर्व केंद्रीय मंत्री जनरल वी के सिंह ने व्यापारी वर्ग को राष्ट्र के प्रति समर्पण का संकल्प दिलाया । उन्होंने सशक्त समृद्ध स्वाभिमानी विकसित भारत में कारोबारी की भूमिका विषय पर चर्चा के साथ राष्ट्र के प्रति समर्पण भाव से कर्तव्य निर्वहन के संकल्प पत्र पर देश भर के प्रतिनिधियों ने हस्ताक्षर किए।

सुनील सिंघी ने उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि व्यापारी कल्याण बोर्ड व्यापारी के दुख-सुख में उनकी समस्याओं का निदान करने में सदैव साथ है । आप कभी भी मुझे फोन कीजिए, आपकी समस्या को हल करे के लिए जहां से भी मदद हो सकती है, हमेशा मैं मदद करने के लिए तत्पर रहूंगा सोमवार को 3:00 बजे से 4:00 बजे तक देश के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में आप ऑनलाइन जोड़ सकते हैं।

उन्होंने कहा कि व्यापारी राष्ट्र की रीढ़ हैं और सरकार ने उद्योग व्यापार के विकास के लिए निरंतर नीतियां बनाई हैं। हमारा राजस्व निर्यात, उत्पादन व रोजगार बढ़ा है। व्यापारी का सहयोग राष्ट्र हित में मिला है।

कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही ने प्रदेश में व्यापारी को सुरक्षा सम्मान ,विद्युत आपूर्ति , उद्योग विस्तार इन्फ्रास्ट्रक्चर में तरक्की गरीब को मदद सहित कृषि क्षेत्र में विकास का उल्लेख किया। जनरल वी के सिंह ने कहा कि व्यापार में खुशहाली देश की प्रगति की सूचक है ।

देश तीसरी अर्थव्यवस्था वाला देश बन रहा है। आप लोग आगे बढ़ें। वैश्य व्यापारी नेता राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक अग्रवाल ने सबको एक जुट होने का आह्वान किया।

कृष्ण बीर चौधरी ने मौजूदा हालात में राष्ट्रद्रोही तत्वों को सबक सिखाने के लिए एकजुट हो कर संघर्ष करने का आह्वान किया।

एमएसएमई बोर्ड संगठन से रजनीश गोयनका ने बधाई और हर तरह मदद का वादा किया।

इस अवसर पर महामंत्री सच्चिदानंद कोषाध्यक्ष जितेंद्र सिंघल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक मोदी छतीसगढ़ उपाध्यक्ष संतोष उपाध्याय कोलकाता मंत्री संबलपुर अग्रवाल ओडिसा , नितिन अध्यक्ष महाराष्ट्र जनक राज अग्रवाल अध्यक्ष गुजरात मदन मोहन जी उत्तर खंड मनीष एवं अभिजीत कश्यप बिहार,मनोज जैन हरियाणा , सतीश जी एवं सुशील तायल दिल्ली प्रदेश एवं 40 जिलों आए प्रदेश पदाधिकारियों ने भाग लिया

कार्य में प्रस्ताव रखते हुए मध्यम वर्ग को आयकर दर में उल्लेखनीय कमी,जीएसटी सरलीकरण एवम अधिकतम दर 20 प्रतिशत किए जाने, पूरे देश में पंजीकृत व्यापारी को 10 लाख रुपए दुर्घटना बीमा ,65 वर्ष के बाद समुचित पेंशन योजना , क्रेडिट कार्ड , शस्त्र लाइसेंस प्रत्येक प्रदेश में व्यापारी कल्याण बोर्ड की स्थापना आदि अपेक्षा सरकार के समक्ष रखी गई।

हम पक्षधर हो सकते हैं, पक्षपाती नहीं: अरविंद मार्डीकर

वाराणसी, 14 सितम्बर (हि.स.)। हिन्दुस्थान समाचार समूह के अध्यक्ष अरविंद भालचंद्र मार्डीकर ने शनिवार को कहा कि न्यूज एजेंसी का काम खबरों को स्पष्टता के साथ तथा प्रामाणिकता के आधार पर प्रस्तुत करना है।

इस निष्ठा और ईमानदारी का असर आम लोगों के मानस पर पड़ता है, तभी वे किसी विषय और स्थिति को समझ सकने में सक्षम होंगे। ऐसा ही बेहतर कार्य हिन्दुस्थान समाचार ने बांग्लादेश की हालिया घटना को लेकर किया। एजेंसी ने खबर स्पष्ट तौर पर लोगों के समक्ष परोसा और उसमें प्रमाण को मुख्य तौर पर जगह दी।

अरविंद मार्डीकर ने वाराणसी में आयोजित भाषाई कला संगम-2024 की अध्यक्षता करते हुए कहा कि किसी खबर को लिखने की दशा में हम पक्षधर हो सकते हैं लेकिन पक्षपाती नहीं हो सकते। उन्होंने युवाओं को नसीहत देते हुए कहा कि आजकल के युवा सोशल मीडिया से इतने प्रभावित होते हैं कि उसे ही सच मान लेते हैं। उनमें इससे इतर सच की जांच करने की लालसा नहीं होती।

इस खतरनाक स्थिति में न्यूज एजेंसी की भूमिका अहम हो जाती है कि वो हर खबर की तह तक जाकर उनकी प्रामाणिकता को सामने लाये।

अपने संबोधन में अरविंद मार्डीकर ने हिन्दुस्थान समाचार की विकास यात्रा पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारतीय भाषाओं तक समाचार की पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से हिन्दुस्थान समाचार की स्थापना की गई। इन प्रयासों के फलस्वरूप ही आज हम 12 भाषाओं में खबरें प्रेषित कर रहे हैं।

बीजेपी युवा मोर्चा ने फूंका अखिलेश यादव का पुतला

जालौन, 14 सितम्बर (हि.स.)। उरई में भाजपा युवा मोर्चा ने शनिवार को नगर के शहीद भगत सिंह चौराहा पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का प्रतीकात्मक पुतला फूंका। यह पुतला दहन उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर अखिलेश यादव की आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में किया गया है।

अखिलेश यादव ने सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ के खिलाफ आप्पतिजनक टिप्पणी की थी। जिसके विरोध में बीजेपी के युवा मोर्चा ने आक्रोशित होकर जमकर नारेबाजी की ओर अखिलेश यादव का पुतला दहन किया। इस दौरान बीजेपी युवा मोर्चा के अध्यक्ष अमिय लकी त्रिपाठी ने कहा, "अखिलेश यादव की टिप्पणी निंदनीय है और हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। हमारे मुख्यमंत्री के प्रति ऐसी भाषा का प्रयोग करना अनुचित है। इस मौके पर बीजेपी युवा मोर्चा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि वे ऐसी आपत्तिजनक टिप्पणी को बर्दाश्त नहीं करेंगे और इसके विरोध में आवाज उठाते रहेंगे।

ढोल नगाड़ों के साथ हुई गणपति बप्पा की विदाई

जालौन, 14 सितम्बर (हि.स.)। शहर में विराजमान गणेश प्रतिमाओं को शनिवार को विसर्जित किया गया। तमाम प्रतिमाएं प्रशासन और यातायात पुलिस द्वारा निर्धारित किए गए रूट से गुजरी। जुलूस की शक्ल में चल रहे गणपति भक्त डीजे की धुन पर रंग गुलाल उड़ाते थिरकते नजर आए। सभी श्रद्धालु गणपति प्रतिमाएं लेकर चिल्ली के तालाब पहुंचे। वहां आरती करने के बाद नम आंखों के साथ गजानन की प्रतिमाओं का विसर्जन किया। इस दौरान कई श्रद्धालु फफक कर रो पड़े।

शहर में दर्जन भर से ज्यादा गणपति प्रतिमाओं के पंडाल स्थापित किए गए थे। यहां कई दिनों प्रतिदिन गणेश प्रतिमाओं को सजाते हुए झांकियों का प्रदर्शन किया गया। भक्त शाम के समय भ्रमण करते हुए शहर में विराजमान दर्जन भर से ज्यादा गणपति प्रतिमाओं का दर्शन किया। इतने दिनों तक गणपति की सेवा करने के बाद जब शनिवार को विसर्जन का समय आया तो पंडाल स्थापित करने वालों का मन बोझिल हो गया। पूर्व निर्धारित तिथि के मुताबिक गणेश भवन में स्थापित गणेश प्रतिमा समेत दर्जन भर से अधिक गणपति प्रतिमाओं का विसर्जन करने के लिए तैयारियां की गई। पुलिस ने विसर्जन को लेकर जहां रूपरेखा तैयार की थी, वहीं यातायात पुलिस ने भी रूट डायवर्जन किया था।

शनिवार को दोपहर 12 बजे से गणपति प्रतिमाओं का जुलूस शहर में घूमा। जुलूस में डीजे के साथ ही भांगड़ा ढोल भी साथ चल रहा था। डीजे की धमक और भांगड़ा बोल की धुन पर थिरकते हुए सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु निर्धारित रास्तों से होते हुए चिल्ली के तालाब पहुंचे। इस दौरान जमकर गुलाल उड़ाया गया। चिल्ली तालाब पहुंचने के बाद श्रद्धालुओं ने नाव के सहारे गणपति प्रतिमाओं का यमुना नदी के पहुंचकर विसर्जन किया। विसर्जन के पूर्व चिल्ली तालाब में गणपति प्रतिमाओं की पूजा-अर्चना की गयी। अंतिम विदाई के समय तमाम गणपति भक्त विसर्जन करते हुए फफक कर रो पड़े। चिल्ली तालाब में मौजूद श्रद्धालुओं ने अगले बरस तू जल्दी आ, गणपति बप्पा मोरया का गगनभेदी जयघोष भी लगाया।

यमुना, बेतवा और केन नदियों के उफान से दर्जनों गांव बाढ़ के पानी से घिरे, प्रशासन ने कराई मुनादी

हमीरपुर,14 सितम्बर (हि.स.)। हमीरपुर जिले में यमुना, बेतवा और केन समेत अन्य स्थानीय नदियों के उफान से यहां तमाम गांव बाढ़ के पानी से घिर गए हैं। आधा दर्जन से अधिक गांवों में बाढ़ का पानी घुस गया है जिससे तटवर्ती ग्रामों में लोगों में बेचौनी बढ़ गई है। बाढ़ के खतरे को लेकर प्रशासन ने बाढ़ की जद में आने वाले तमाम गांवों में मुनादी कराकर लोगों को सतर्क किया है। शनिवार को 11 बजे तक यमुना नदी खतरे के निशान से 103.900 मीटर बह रही है। वहीं बेतवा 103.320 मीटर पर हिलौरे मार रही है।

पिछले दिनों से हमीरपुर समेत बुंदेलखंड क्षेत्र में हो रही झमाझम बारिश का असर यहां यमुना और बेतवा नदियों पर देखा जा रहा है। मध्यप्रदेश में भी भारी बारिश के कारण लहचुरा और माताटीला डैम से बेतवा नदी में बड़ी मात्रा में पानी डिस्चार्ज किया गया है वहीं चंबल से भी लाखों क्यूसेक पानी यमुना नदी में आने से यहां यह नदी खतरे के निशान को पार कर गई है। मौदहा बांध निर्माण खंड के अधिशाषी अभियंता करन पाल गंगवार ने बताया कि आज तड़के पांच बजे यमुना नदी खतरे के निशान को पार कर 104.00 मीटर पर हो गई है थी जबकि बेतवा नदी का जलस्तर 103.450 मीटर पहुंच गया था। बताया कि अब दोनों नदियों का जलस्तर धीरे-धीरे कम होने लगा है। लेकिन यमुना नदी अभी भी लाल निशान के पार है। तटवर्ती गांवों मुनादी कराकर लोगों को सतर्क किया गया है। बताया कि दोनों नदियों का जलस्तर घट रहा है लेकिन बाढ़ चौकियों के प्रभारियों और अधिकारी नजर रखे है।

बाढ़ के खतरे को देखते सभी अफसरों को मुख्यालय से बाहर जाने पर लगाई रोक

प्रशासन ने बाढ़ के खतरे को लेकर अब जिलास्तरीय अफसरों को मुख्यालय नहीं छोड़ने के निर्देश दिए है। यहां के एडीएम विजय शंकर तिवारी ने अफसरों के साथ बाढ़ की जद में आने वाले मेरापुर, भिलांवा समेत तमाम मजरों और डेरों का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। मेरापुर गांव में तो नदी किनारे बने मकानों से लोग गृहस्थी और अन्य सामान समेटने में जुट गए है। प्रशासन के निर्देश पर इन इलाकों में मुनादी कराई गई है।

दर्जनों बाढ़ चौकियां अलर्ट पर, हमीरपुर शहर के कई इलाके, डेरे भी होने लगे खाली

यमुना और बेतवा के साथ केन व अन्य नदियों का जलस्तर बढ़ोरोप की संकल्पना भाषाई संघर्ष पर आधारित है किंतु भारत की नहीं। सामान्य जीवन में हमें अपने हस्ताक्षर हिंदी में ही करने चाहिए, इससे हमारी पहचान निर्धारित होती है और हिंदी को मातृभाषा के रूप में गौरव मिलता है।

हिन्दी दिवस पर शनिवार को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय हिन्दी एवं आधुनिक भाषा विभाग में राजभाषा हिंदीः तकनीक और अनुवाद विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि प्रो. कुमुद शर्मा ने कहा कि भाषा की कोठरियां नहीं हुआ करतीं। आजादी से पहले सभी स्वतंत्रता सेनानियों ने हिंदी को एकमत से अपनाया, लेकिन राजभाषा बनते समय यह मुद्दा विरोध का मुद्दा बना और भाषा के राजभाषा, संपर्क भाषा, राष्ट्रभाषा आदि कई रूप बने। इसी विरोध का नतीजा यह रहा कि 15 साल का हिंदी प्रशिक्षण समय हिंदी को दिया गया। वही हिंदी के लिए सबसे बड़ी अड़चन बना।

बाद में हिंदी भाषी भी हिंदी को पहचान न सके। हिंदी की शक्ति और सामर्थ्य से मीडिया दौड़ा है। तकनीक के आने से हिंदी में रोजगार के नए क्षेत्र सृजित हुए हैं।

प्रदेश के राज्य सूचना आयुक्त राजेंद्र सिंह ने कहा कि मानव सभ्यता के विकास का मुख्य आधार भाषा रही है। भारत में सर्वाधिक जनसंख्या हिंदी बोलने वालों की है। किसी भी भाषा का विकास उसमें रोजगार की संभावनाओं से जुड़ा होता है और हिंदी में इसकी पर्याप्त संभावनाएं हैं।

डॉ. अमरनाथ अमर ने कहा कि हिंदी के कई रूप हैं, साहित्य पठन-पाठन, मीडिया और व्यवहार में हिंदी अनेक रूपों में प्रयोग की जाती है। हिंदी शब्दकोश में विविधता है अनेक बोली और भाषाओं और विदेशी भाषाओं के शब्दों को हिंदी ने ग्रहण किया है। अनुवाद भाषा के प्रचार प्रसार का मुख्य माध्यम है। आकाशवाणी और दूरदर्शन में भी अनुवाद के पद हैं। दूरदर्शन में क्षेत्रीय भाषाओं के लिए भी महत्वपूर्ण कार्य हो रहे हैं।

कार्यक्रम समन्वयक और विभागाध्यक्ष प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने कहा कि वैश्विक स्तर पर हिंदी भाषा और लिपि पर महत्वपूर्ण कार्य हो रहे हैं। अनुवाद के क्षेत्र में भी हिंदी में लगातार अनुवाद कार्य हो रहे हैं। रोजगार के क्षेत्र में भी अनुवाद ने नए क्षेत्र से हिंदी भाषा को परिचित कराया है। तकनीक के साथ जुड़कर हिंदी समसामयिक संदर्भों से जुड़ती है। हिंदी में लगातार नए शब्दकोश और सॉफ्टवेयर निर्माण के कार्य हो रहे हैं। इंटरनेट ने भी ट्रांसलेशन के द्वारा हिंदी में काम करना सुगम बनाया है। भारत सरकार भी तकनीक और हिंदी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। अनुवादिनी आदि सॉफ्टवेयर ने भारतीय भाषाओं में अनुवाद को सरल बनाया है। वैश्विक स्तर पर हिंदी में लगातार नए कार्य हो रहे हैं और हिंदी का भविष्य उज्ज्वल है।

कार्यक्रम में शुक्रवार को आयोजित निबंध लेखन और आशु भाषण प्रतियोगिता में विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। डॉक्टर महिपाल वर्मा पुरस्कार हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग की एमए सत्र 23-24 में सर्वोच्च अंक प्राप्तकर्ता प्रथम दो विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

साथ ही शांति देवी राजकीय संगठक महाविद्यालय जेवर के बीए की परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त कर्ता प्रथम दो विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रो. केके शर्मा, प्रो. विघ्नेश कुमार, डॉ. रविंद्र प्रताप राणा, डॉ. प्रवीण कटारिया, डॉ. अनुज अग्रवाल, डॉ. आरती राणा, डॉ. यज्ञेश कुमार, डॉ. विद्यासागर सिंह, डॉ. निर्देश, डॉ. सुमित आदि उपस्थित रहे।

सिलाई प्रशिक्षण केंद्र में धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने की घटना निंदनीय : विश्व हिन्दू परिषद

मुरादाबाद, 14 सितम्बर (हि.स.)। मूंढापांडे थाना क्षेत्र में बीते दिनों यह मामला सामने आया था कि इलाके में बने सिलाई केंद्र की आड़ में धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है। धर्मांतरण का यह खेल कोई और नहीं बल्कि केंद्र संचालिका और उसका पति कर रहा है। प्रकरण थाना तक पहुंचा तो पुलिस ने भी मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। इस मामले में विश्व हिन्दू परिषद ने इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति होने के पीछे कोई बहुत बड़ी साजिश करार दिया है।

विश्व हिंदू परिषद केंद्रीय प्रबंध कार्यकारिणी सदस्य डॉ. राजकमल गुप्ता ने शनिवार को इस संबंध में एक पत्र जारी किया है। इसमें उन्होंने कहा कि मूंढापांडे थाना क्षेत्र में सिलाई प्रशिक्षण केंद्र में तीन युवतियों के साथ प्रशिक्षण केंद्र संचालिका और उसके पति द्वारा धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने व छेड़खानी करने की घटना गंभीर है। जनपद में बीते माह लैक्मे अकादमी में भी इसी तरह की घटना वहां के छात्र-छात्राओं के साथ हुई थी। इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति होने के पीछे कोई बहुत बड़ी साजिश है। उन्होंने मांग की कि पुलिस-प्रशासन और एलआईयू ऐसी घटनाओं की उच्च स्तरीय जांच कराएं। धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने वाले आरोपितों की बीते वर्षों में क्या-क्या गतिविधियां रही हैं, किन-किन लोगों के साथ इनका मिलना जुलना रहा हैं। इनका किसी आतंकी संगठन के साथ इनका जुड़ाव तो नहीं हैं यह सभी जांच के बिंदु हैं।

जिलाधिकारी ने बाढ़ इलाके का किया दौरा

औरैया, 14 सितंबर (हि.स.)। बाढ़ को दृष्टिगत रखते हुए जिलाधिकारी डॉ0 इन्द्रमणि त्रिपाठी व पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर शंकर ने यमुना नदी के सिकरोड़ी पुल पर पहुंचकर बढ़ते जलस्तर का अवलोकन किया तथा ग्राम सिकरोड़ी एवं गोहानी कला में बाढ़ के दौरान होने वाले जल भराव के स्थलों का निरीक्षण किया तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि लगातार रहकर नजर बनाए रखें।

उन्होंने ग्राम प्रधान पप्पी तिवारी से बाढ़ के दौरान आने वाली समस्याओं तथा उनके संबंध में स्थानीय स्तर पर की जाने वाली व्यवस्थाओं की भी जानकारी ली। जिलाधिकारी ने कहा कि यदि जलस्तर अधिक बढ़ता है और बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होती है तो जल के तरफ न जाएं और उसके संबंध में सभी को अवगत भी करायें, साथ ही जिला प्रशासन के अधिकारी कर्मचारी भी उपस्थित रहकर बाढ़ राहत बचाव के संबंध में हर संभव निदान कराएंगे इसके लिए आप सभी को भी सतर्क रहने की आवश्यकता है जिससे किसी प्रकार की जनहानि पशुहानि न होने पाए। जिला प्रशासन द्वारा सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ली गई हैं इसलिए घबराने की आवश्यकता नहीं है । जल स्तर के बढ़ने पर ऊंचे स्थानों पर पहुंचे जिससे पानी न पहुंचने पाए। उन्होंने संबंधितों को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराने के साथ साथ विघुत की व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

नाबालिग भतीजे ने गोली मारकर की थी चाचा की हत्या

मेरठ, 14 सितम्बर (हि.स.)। रोहटा थाना क्षेत्र के रसूलपुर मढ़ी गांव में हुए विनीत हत्याकांत का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। मृतक के नाबालिग भतीजे ने ही अपने चाचा की हत्या की थी। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है।

रोहटा थाना क्षेत्र के रसूलपुर मढ़ी गांव में खेत में युवक का शव का पड़ा मिला था। पास ही मृतक का मोबाइल और स्कूअी पड़ी हुई थी। तीन दिन के अंदर ही पुलिस ने हत्याकांड का खुलासा करते हुए आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। एसपी देहात राकेश कुमार मिश्रा के अनुसार, मृतक विनीत के बड़े भाई की पत्नी के गांव के कई लोगों से अवैध संबंध थे। जिसे लेकर परिवार की काफी बदनामी हो रही थी। आए दिन मृतक अपनी भाभी को इसके लिए रोक-टोक करता रहता था। इस कारण नाराज होकर भतीजे ने ही अपने चाचा की हत्या करने की ठान ली। जब विनीत किसी काम से स्कूटी से भोला की झाल पर पहुंचा। उसके पीछे-पीछे भतीजा भी भोला की झाल पर पहुंच गया। इसके बाद दोनों रोहटा की ओर चलने लगे।

रसूलपुर मढ़ी गांव के बाहर जंगल में भतीजे ने अपने चाचा को तमंचे से गोली मार दी। आरोपित को गिरफ्तार करके हत्या में प्रयोग किया गया तमंचा बरामद कर लिया गया है। शनिवार को उसे किशोर न्याय बोर्ड के सामने पेश किया गया। जहां से उसे बाल संप्रेक्षण गृह भेज दिया गया।

मेरठ में लंबे समय से जमे 149 सिपाहियों का स्थानांतरण

मेरठ, 14 सितम्बर (हि.स.)। मेरठ के एसएसपी डॉ. विपिन ताड़ा ने लंबे समय से एक ही जगह जमे 149 सिपाहियों का स्थानांतरण कर दिया है। एक साथ इतने पुलिस कर्मियों का स्थानांतरण होने से पुलिस महकमे में हड़कंप मचा हुआ है।

अपराध को नियंत्रित करने और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए मेरठ के एसएसपी डॉ. विपिन ताड़ा लगातार पुलिसकर्मियों को इधर-उधर कर रहे हैं। अभी हाल में 10 थानेदारों को स्थानांतरित किया गया। जबकि शुक्रवार की देर रात एसएसपी ने बड़े पैमाने पर सिपाहियों को स्थानांतरित किया है। एसएसपी ने एक ही थाने में लंबे समय से जमे सिपाहियों के ट्रांसफर किए हैं। पहले चरण में 149 सिपाहियों को स्थानांतरित किया गया है।

देहात क्षेत्र के थानों से सिपाहियों को शहरी क्षेत्र के थानों में भेजा गया है तो शहरी क्षेत्र के थानों से ग्रामीण क्षेत्र में सिपाहियों को स्थानांतरित किया गया है।

एक साथ इतनी बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों के तबादले होने से पुलिस महकमे में हड़कंप मचा हुआ है। जबकि एसएसपी ने इस तबादलों को रूटीन स्थानांतरण बताया है। सूत्रों का कहना है कि अभी अन्य पुलिसकर्मियों के भी स्थानांतरण किए जाएंगे।

सीएम योगी ने 'नाथपंथ का इतिहास' पुस्तक का किया लोकार्पण

गोरखपुर, 14 सितंबर (हि.स.)। मुख यमंत्री योगी आदित यनाथ ने नाथपंथ के इतिहास पर दीनदयाल उपाध याय गोरखपुर विश ववविद्यालय के प्राचीन इतिहास विभाग की असिस् टेंट प्रोफेसर डॉ. पद्मजा सिंह की पुस् तक 'नाथपंथ का इतिहास' का लोकार्पण शनिवार को किया। प्रमाणिक साक्ष यों से भरपूर, नाथपंथ के रहस् यों को खोलती यह पुस्तक इस विषय पर किसी इतिहासकार द्वारा लिखित अब तक की यह तीसरी पुस् तक है। इसे नाथपंथ और उससे संबंधित विषयों पर शोध करने वाले अध्येताओं के लिए अत् यंत महत् वपूर्ण और उपयोगी माना जा रहा है।

शनिवार को दीनदयाल उपाध् याय गोरखपुर विश ववविद्यालय में विश ववविद्यालय और हिन् दुस् तानी एकेडेमी उत् तर प्रयागराज (भाषा विज्ञान उत् तर प्रदेश शासन) के संयुक् त तत् वावधान में आयोजित 'समरस समाज के निमाण में नाथपंथ का अवदान' द्विदिवसीय अन् तर्राष् ट्रीय संगोष् ठी में पुस् तक का लोकार्पण हुआ। मुख यमंत्री ने बतौर मुख य अतिथि इस संगोष् ठी को संबोधित किया। कार्यक्रम की अध् यक्षता गोरखपुर विश ववविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने की। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में इंदिरा गांधी नेशनल ट्राइबल यूनिवर्सिटी, अमरकंटक के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी भी मौजूद रहे।

पुस् तक के लिए देशभर से जुटाए गए हैं ऐतिहासिक स्रोत

डॉ. पद्मजा सिंह ने अपनी पुस् तक में देशभर में बिखरे ऐतिहासिक स्रोतों को जुटाया है और उसकी ऐतिहासिक दृष्टि से तथ यात् मक ठ याख या की है। नाथपंथ के परम् परागत तथ यों को नाथपंथ के योगियों और इस परम् परा के ज्ञाता नाथपंथ के विद्वानों से पुष् ट किया गया है। इस पुस् तक की भूमिका डॉ. प्रदीप राव ने लिखी है। उनके मुताबिक नाथपंथ को ऐतिहासिक दृष्टि से पढ़ने-समझने के लिए यह अत् यंत महत् वपूर्ण पुस् तक है।

आदि शंकर से है नाथपंथ की शुरूआत

नाथपंथ की शुरूआत आदिनाथ शंकर से मानी जाती है। महायोगी गुरु गोरखनाथ ने इसे मौजूदा स् वरूप दिया। उन् हें भगवान शिव का अवतार माना जाता है। महायोगी गोरखनाथ भारतीय इतिहास के पहले तपस् वी हैं जिन् होंने विशुद्ध योगी और तपस् वी होते हुए भी सामाजिक-राष् ट्रीय चेतना का नेतृत् व किया। उन् होंने नाथपंथ का पुनर्गठन ही सामाजिक पुनर्जागरण के लिए किया। नाथपंथ के हठ योगियों ने समय-समय पर समाज और राष् ट्र के लिए बड़ी भूमिकाओं का निर्वहन किया है। इस पंथ की योग साधना पातंजल विधि का विकसित स् वरूप है। नाथपंथ की परंपरा में दुनिया का सर्वोच् च नाथपंथी केंद्र गोरखनाथ मंदिर है। गोरक्षपीठाधीश् वर दुनिया भर में नाथपंथ के अध् यक्ष होते हैं। मुख यमंत्री और गोरक्षपीठाधीश् वर महंत योगी आदित यनाथ वर्तमान में इस पंथ के अगुआ हैं। डा. पद्मजा सिंह की पुस् तक भक्ति आंदोलन में नाथ पंथ की महत् वपूर्ण और केंद्रीय भूमिका का रहस् योद्घाटन करते हुए कहती है कि 'यद्यपि कि भक्ति आंदोलन में सब कुछ नाथपंथ जैसा ही नहीं था, तथापि नाथपंथी ज्ञान और योग की साधना से ही भक्ति का स् वर फूटा।' पुस् तक के बारे में बताते हुए डॉ. डा. पद्मजा सिंह कहती हैं, यह पुस् तक नाथ पंथ और उससे संबंधित विषयों पर शोध करने वाले अध्येताओं के लिए अत् यंत उपयोगी है। नाथपंथ के अध् येता के तौर पर डा. प्रदीप राव कहते हैं पुस् तक में इस बात का पूरा ध् यान रखा गया है कि आस्था को बिना कोई चोट पहुंचाए तथ्यों के आलोक में नाथ पंथ का प्रामाणिक इतिहास प्रस्तुत किया जाए। नाथ पंथ से जुड़े अनेक अनुत्तरित प्रश्नों के समाधान का मार्ग इस पुस् तक से निकलेगा।

नाथपंथ के अभ्युदय और विस्तार का प्रामाणिक वर्णन

नाथपंथ के इतिहास को समेटे इस पुस् तक में बौद्धमत, जैनमत के साथ शैव, वैष् णव, पांचरात्र, कापालिक, पाशुपत से लेकर नाथपंथ के अभ् युदय और विस् तार का प्रमाणिक वर्णन करते हुए स् वतः शुद्धिकरण के लिए भारतीय धर्म संस् कृति में मत-मतान् तर के महत् व पर प्रकाश डाला गया है। साथ ही सामाजिक विकृतियों और पाखंड के खिलाफ महायोगी गोरखनाथ के सामाजिक पुनर्जागरण अभियान और पहले से प्रचलित नाथपंथ को पुर्नजीवन और भारतीय समाज को नई दिशा देने के इतिहास को सामने लाया गया है।

नाथ पंथ पर डा.पद्मजा सिंह की एक और पुस् तक 'नाथ पंथः वर्तमान उपादेयता का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष् य' शीर्षक से आ चुकी है। महायोगी गोरखनाथ विश ववविद्यालय के कुलसचिव डा. प्रदीप राव उस पुस् तक में डॉ. पद्मजा के साथ सहलेखक हैं।

भदोही में सपा विधायक और उनकी पत्नी पर मुकदमा दर्ज

भदोही, 14 सितंबर (हि.स.)। समाजवादी पार्टी के विधायक जाहिद बेग और उनकी पत्नी सीमा बेग पर कोतवाली में शुक्रवार देर रात को एक मुकदमा दर्ज हुआ है। यह मुकदमा श्रम प्रवर्तन अधिकारी जेपी सिंह ने नाबालिग किशोरी के मिलने के मामले में दर्ज कराया गया।

सपा विधायक जाहिद बेग के निजी आवास पर घरेलू कार्य करने वाली एक नाबालिक किशोरी नाजिया (17) का शव 09 सितंबर की सुबह पंखे से लटका मिला था। वह विधायक के यहाँ काफी समय से घरेलू काम करती थी। नाबालिग नौकरानी की आत्महत्या के बाद श्रम प्रवर्तन विभाग, बाल कल्याण समिति और जिला प्रोबेशन विभाग ने विधायक के निजी आवास पर छापा मारा था, जहां से एक और किशोरी (15) को बरामद किया था। यह भदोही कोतवाली के सर्रोई गाँव की रहने वाली है। यह दो साल से काम कर रही थी।

इस मामले में श्रम प्रवर्तन अधिकारी जेपी सिंह ने कोतवाली में सपा विधायक और उनकी पत्नी सीमा बेग के खिलाफ श्रम कानून के तहत मुकदमा दर्ज कराया है। क्योंकि आत्महत्या करने वाली नाजिया पिछले नौ साल से विधायक के यहाँ काम कर रही थी। छापेमारी में श्रम विभाग विधायक के निजी आवास पर एक और

पिछले दिनों विधायक आवास पर एक नाबालिग नौकरानी के आत्महत्या एवं एक दूसरी नाबालिग किशोरी को काम करते हुए मुक्त कराया था। नाबालिग बच्चों से काम लेना श्रम अधिनियम के तहत गैरकानूनी है।

श्रम विभाग की छापेमारी के दौरान विधायक के आवास से बरामद मुक्त नाबालिग किशोरी ने आरोपित किया था कि उसे बगैर पैसे दिए काम कराया जाता था और प्रताड़ित भी करते थे। आत्महत्या करने वाली नाजिया भी काम के दबाव से भागना चाहती थी।

फिलहाल इस मामले में भदोही विधायक की समस्या बढ़ती जा रही है।

आत्मा की शुद्धि के लिए सांसारिक इच्छाओं को रोकना ही उत्तम तप : समर्पण सागर

मुरादाबाद, 14 सितम्बर (हि.स.)। पर्यूषण पर्व के सातवें दिन शनिवार को पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर रामगंगा विहार में उत्तम तप के रूप में मनाया गया। समर्पण भवन में विराजमान बालयोगी गिरनार पीठाधीश्वर क्षुल्लक रत्न 105 समर्पण सागर ने उत्तम तप का मर्म समझाते हुए बताया कि आत्मा की शुद्धि के लिए सांसारिक इच्छाओं को रोकना ही उत्तम तप है। तप मन को शुद्ध एवं नियंत्रित करने के लिए किए जाते हैं।

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा भगवान जिनेंद्र का मंगल जलाभिषेक किया गया।

विश्व मंगल की कामना के साथ शान्तिधारा की गई। शान्तिधारा करने का परम सौभाग्य जैन समाज के लोगों को प्राप्त हुआ। शाम के समय सामूहिक आरती और प्रवचन हुए।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में कौन जाएगा, शिखर जी की प्रस्तुति की गई। व्यवस्थाओं में रामगंगा विहार जैन समाज के अध्यक्ष संदीप जैन, मंत्री नीरज जैन वरिष्ठ कार्यकर्ता सर्वोदय जैन, पवन कुमार जैन, अनुज जैन, अजय जैन, अंकुर जैन, राहुल जैन, विकास जैन, मोहित जैन, सुषमा जैन, उषा जैन, रजनी जैन, सजल जैन, ऋतु जैन, अंजलि जैन, शिवानी जैन, आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हिन्दी से निर्धारित होती है हमारी पहचानः प्रो. संजीव शर्मा

मेरठ, 14 सितम्बर (हि.स.)। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के राजनीति शास्त्र के प्रो. संजीव शर्मा ने कहा कि भाषा अपनी संस्कृति, आचरण और व्यवहार को लेकर

चलती है। सरलता के नाम पर किसी भाषा की संस्कृति से छेड़छाड़ करना ठीक नहीं है। मातृभाषा के नाम पर हिंदी के साथ स्वच्छंदता पूर्ण व्यवहार करते हैं। हमें हिंदी की शुद्धता के प्रति सचेत होना चाहिए। प्राचीन भारत में भाषाओं का संघर्ष नहीं रहा। यूरोप की संकल्पना भाषाई संघर्ष पर आधारित है किंतु भारत की नहीं। सामान्य जीवन में हमें अपने हस्ताक्षर हिंदी में ही करने चाहिए, इससे हमारी पहचान निर्धारित होती है और हिंदी को मातृभाषा के रूप में गौरव मिलता है।

हिन्दी दिवस पर शनिवार को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय हिन्दी एवं आधुनिक भाषा विभाग में राजभाषा हिंदीः तकनीक और अनुवाद विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि प्रो. कुमुद शर्मा ने कहा कि भाषा की कोठरियां नहीं हुआ करतीं। आजादी से पहले सभी स्वतंत्रता सेनानियों ने हिंदी को एकमत से अपनाया, लेकिन राजभाषा बनते समय यह मुद्दा विरोध का मुद्दा बना और भाषा के राजभाषा, संपर्क भाषा, राष्ट्रभाषा आदि कई रूप बने। इसी विरोध का नतीजा यह रहा कि 15 साल का हिंदी प्रशिक्षण समय हिंदी को दिया गया। वही हिंदी के लिए सबसे बड़ी अड़चन बना। बाद में हिंदी भाषी भी हिंदी को पहचान न सके। हिंदी की शक्ति और सामर्थ्य से मीडिया दौड़ा है। तकनीक के आने से हिंदी में रोजगार के नए क्षेत्र सृजित हुए हैं।

प्रदेश के राज्य सूचना आयुक्त राजेंद्र सिंह ने कहा कि मानव सभ्यता के विकास का मुख्य आधार भाषा रही है। भारत में सर्वाधिक जनसंख्या हिंदी बोलने वालों की है। किसी भी भाषा का विकास उसमें रोजगार की संभावनाओं से जुड़ा होता है और हिंदी में इसकी पर्याप्त संभावनाएं हैं। डॉ. अमरनाथ अमर ने कहा कि हिंदी के कई रूप हैं, साहित्य पठन-पाठन, मीडिया और व्यवहार में हिंदी अनेक रूपों में प्रयोग की जाती है। हिंदी शब्दकोश में विविधता है अनेक बोली और भाषाओं और विदेशी भाषाओं के शब्दों को हिंदी ने ग्रहण किया है। अनुवाद भाषा के प्रचार प्रसार का मुख्य माध्यम है। आकाशवाणी और दूरदर्शन में भी अनुवाद के पद हैं। दूरदर्शन में क्षेत्रीय भाषाओं के लिए भी महत्वपूर्ण कार्य हो रहे हैं।

कार्यक्रम समन्वयक और विभागाध्यक्ष प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने कहा कि वैश्विक स्तर पर हिंदी भाषा और लिपि पर महत्वपूर्ण कार्य हो रहे हैं। अनुवाद के क्षेत्र में भी हिंदी में लगातार अनुवाद कार्य हो रहे हैं। रोजगार के क्षेत्र में भी अनुवाद ने नए क्षेत्र से हिंदी भाषा को परिचित कराया है। तकनीक के साथ जुड़कर हिंदी समसामयिक संदर्भों से जुड़ती है। हिंदी में लगातार नए शब्दकोश और सॉफ्टवेयर निर्माण के कार्य हो रहे हैं। इंटरनेट ने भी ट्रांसलेशन के द्वारा हिंदी में काम करना सुगम बनाया है। भारत सरकार भी तकनीक और हिंदी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। अनुवादिनी आदि सॉफ्टवेयर ने भारतीय भाषाओं में अनुवाद को सरल बनाया है। वैश्विक स्तर पर हिंदी में लगातार नए कार्य हो रहे हैं और हिंदी का भविष्य उज्ज्वल है।

कार्यक्रम में शुक्रवार को आयोजित निबंध लेखन और आशु भाषण प्रतियोगिता में विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। डॉक्टर महिपाल वर्मा पुरस्कार हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग की एमए सत्र 23-24 में सर्वोच्च अंक प्राप्तकर्ता प्रथम दो विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। साथ ही शांति देवी राजकीय संगठक महाविद्यालय जेवर के बीए की परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त कर्ता प्रथम दो विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रो. केके शर्मा, प्रो. विघ्नेश कुमार, डॉ. रविंद्र प्रताप राणा, डॉ. प्रवीण कटारिया, डॉ. अनुज अग्रवाल, डॉ. आरती राणा, डॉ. यज्ञेश कुमार, डॉ. विद्यासागर सिंह, डॉ. निर्देश, डॉ. सुमित आदि उपस्थित रहे।

भाषा सिर्फ संवाद का माध्यम नहीं, संस्कारों की संवाहिका हैः अभय कुमार

वाराणसी, 14 सितंबर (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के धर्म जागरण प्रमुख अभय कुमार ने शनिवार को कहा कि भाषा सिर्फ संवाद का माध्यम नहीं है, यह संस्कारों की संवाहिका है। इसके जरिए उपजे हर शब्द अन्तर्निहित अर्थों के साथ पहुंचने वाले तक को आनंदित करती है। इसीलिए आवश्यक है कि हम भाषा को संस्कारों के तौर पर अपने तरुण और व्यस्क साथियों के साथ जोड़ने के लिए लगातार प्रयास करें।

अभय कुमार हिन्दुस्थान समाचार समूह के तत्वावधान में श्री काशी विश्वनाथ धाम के त्रियंबकेश्वर सभागार में आयोजित भाषाई कला संगम 2024 को बतौर विशिष्ट अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज का कार्यक्रम मूलतः भाषा का है, हिंदी भाषा का है। भारत में ही हिंदी भाषा का कार्यक्रम होना विचारणीय प्रश्न है। इसके पीछे जरूर दिक्कत है क्योंकि हम अपनों को अपनी ही भाषा के प्रयोग आदि के लिए बारम्बर बोलना पड़े तो समाधान खोजना आवश्यक हो जाता है।

संघ के वरिष्ठ प्रचारक अभय कुमार ने कहा कि आप भारत के जिस भी भाग के रहने वाले हैं वहां की मूल भौगोलिक भाषा का अपने घर में उपयोग करते रहें, तभी देश से आपका और आपकी आने वाली पुश्तों का जुड़ाव सुनिश्चित हो सकेगा। आज के इस कार्यक्रम के तहत हम प्रण करें की अपनी मौकिल भाषा या बोली का उपयोग हम लगातार करते रहेंगे, अन्यथा ऐसे कार्यक्रम होते रहेंगे और भविष्य में भी हम यूं ही लोगों को उद्वेलित करते रह जाएंगे।

आचरण में देश, संस्कृति और अपने ग्रंथों को समाहित करेंः ऋतेश्वर जी महाराज

वाराणसी, 14 सितम्बर (हि.स.)। श्री आनंदम धाम ट्रस्ट वृंदावन मथुरा के ऋतेश्वर जी महाराज ने कहा कि आज सबसे भयानक स्थिति यह बन रही है कि हिंदी दिवस को समझाने के लिए भी अंग्रेजी भाषा का उपयोग करना पड़ रहा है। आज अंग्रेजी के जरिए ही हिन्दी भाषा, अपनी संस्कृति को सिखाने का

काम किया जाना आश्वयक है क्योंकि लोग समझेंगे उसे ही, जो उनकी बुद्धि, विचार और आदतों में शामिल है। जब तक हम आचरण में देश, संस्कृति और अपने ग्रंथों को समाहित नहीं करते, हमारी पूरी कोशिशें खोखली ही साबित होंगी।

उक्त बातें श्री आनंदम धाम ट्रस्ट वृंदावन मथुरा के ऋतेश्वर जी महाराज ने बहुभाषी न्यूज एजेंसी हिन्दुस्थान समाचार द्वारा शनिवार को आयोजित भाषाई कला संगम 2024 के अवसर पर अपने आशीर्वचन में कही। श्रीकाशी विश्वनाथ धाम परिसर स्थित त्रयंबकेश्वर सभागार में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता उन्होंने पूर्व में विदेशी हमलावरों का जिक्र करते हुए कहा कि खिलजी ने आक्रमण कर सिर्फ लोगों को नहीं मारा, बल्कि नालंदा को ध्वस्त कर लोगों की सोच को मारने का काम किया गया। एक ही दिन में एक लाख लोगों को सिर्फ इसलिए मारा गया कि उसके गुप्तचरों ने कहा कि इन्हें वह पुस्तकें कंठस्थ हैं, जिन्हें हमने जला दिया है। तब खिलजी ने सभी को हलाक करा दिया।

ऋतेश्वर जी महाराज ने आगे कहा कि इंग्लिश ने हमारे समाज और संस्कृति को काफी नुकसान पहुंचाया है। अगर हम अपनी क्षेत्रीय भाषाओं का सम्मान नहीं करेंगे तो देश खंड-खंड होने के कगार पर होगा।

उन्होंने कहा कि भाषा हमारे संस्कारों को बचाने का काम करती है। बांग्लादेश में भी ऐसी ही एक स्थिति बनी तब लोगों ने अपनी जान गंवाई, उनकी अस्मिता तक लुट गई लेकिन उन्होंने भाषा को बचाकर एकजुटता का प्रमाण दिया।

उन्होंने कहा कि आज सबसे बड़ी चीज भारत को बचाना है। ऐसे में बनारसियों की जितनी तारीफ की जाए, कम है। बनारसी चाहे कुछ भी बन जाए या कहीं पहुंच जाए, वह अपनी भाषा नहीं छोड़ता। विदेश से लौट कर भी बनारसी अपने घर में का हो चाय-वाय ना पिलइबु ही बोलता है। न कि वन कप टी मांगता है।

उन्होंने कहा कि पढ़ लेने से डिग्री आ जाती है। आदमी आर्थिक रूप से सफल भी होता है, लेकिन सफलता का मानक यह नहीं है। सफलता का मानक है, लोग जब आनंदित हों, वही सफल है। जो तनाव में है, वह असफल है।

वतन को जोडने का इक सरल अभियान है हिंदी.....

हाथरस। भाईचारा सेवा समिति के तत्वावधान में हिन्दी दिवस पर विराट कवि सम्मेलन व विचार गोष्ठी का आयोजन अग्रसेन स्कूल सिकंदराराऊ में वन्दना सक्सैना की अध्यक्षता व आतिश सोलंकी के संचालन में सम्पन्न हुआ ।

समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि विश्राम सिंह यादव, श्रीमती वन्दना सक्सैना, भाईचारा सेवा समिति के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हरपाल सिंह यादव,जिला सहकारी बैंक के निदेशक नरेन्द्र सिंह जादौन, डॉ. शरीफ अली, संजय वार्ष्णेय प्रवक्ता, नरेश चतुवेर्दी व महेश यादव संघर्षी ने दीप प्रज्वलित करके किया ।

मुख्य अतिथि विश्राम सिह यादव ,विशिष्ट अतिथि ठा.नरेन्द्रसिंह जादौन व हरपाल सिह यादव राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भाईचारा सेवा समिति ने कहा कि हिंदी ने राष्ट्रीय एकता का मार्ग प्रशस्त किया।

भारत का विकास और राष्ट्रीय एकता की रक्षा भाषाओं के पूर्ण विकास से ही संभव है।

कवि सम्मेलन का शुभारंभ सोरों के कवि शिवम भारद्वाज "अश्क" की सरस्वती वंदना से हुआ।

सिकन्दाराऊ के वरिष्ठ कवि विवेकशील राघव ने पढा

नहीं संवेदना ऐसी किसी भी और भाषा में

वतन को जोडने का इक सरल अभियान है हिंदी.....

शायर आतिश सोलंकी ने पढा

भारत माता के चेहरे की रोली वाली विन्दी हूँ

भाषाओं के इस फैशन में दबी ढकी में हिन्दी हूँ..

गाजियाबाद से पधारे वरिष्ठ साहित्यकार ने पढा

क्या कृषि की विकसित तकनीकी, मानवता को संचारे भी

या फिर उद्योग नीति तुम को मानव के शिशु दे जायेगी...

शायर शिवम भारद्वाज अश्क ने पढा

इश्क की जलती किताब हूँ

कोई पढना सकेगा वो जबाब हूँ मैं.....

हास्यकवि कवि पंकज पंडा ने पढ़ा -

हिंदी का गुणगान करें हम।

कण कण को रसखान करें हम।

अवशेष विमल ने सुनाया -

हिंदी का है तन और हिंदी का है मन।

हिंदी की धरा है और हिंदी का गगन।।

इनके अलावा कवयित्री मीरा माहेश्वरी, कवयित्री संतोष पौरुष,अवनीश यादव, कवि कुमार शिव संभव आदि ने भी हिन्दी के सम्मान में काव्यपाठ किया।

हिंदी दिवस के अवसर पर सभी हिंदी सेवकों एवं अतिथियों का गरिमामयी सम्मान आयोजक हरपाल सिह यादव, हास्यकवि पंकज पण्डा व कवि धीरु वर्मा द्वारा किया गया।

समारोह में प्रमुख रुप से सौरभ पुंढीर, शैलू यादव नेताजी, नागेन्द्र सिह चौहान, श्रीमती ऊषा अग्रवाल,रिंकू यादव, देवा बघेल,डॉ. अबधेश कुमार, हसरुद्दीन शाह,मनोज कुमार यादव, मोनू कश्यप, पवन वार्ष्णेय, आदि थे ।

ज्वाला देवी के बच्चों ने संकुल स्तरीय प्रतियोगिता में लहराया परचम

प्रयागराज, 14 सितम्बर (हि.स.)। प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) शिक्षा प्रसार समिति द्वारा संचालित सिविल लाइंस स्थित ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज में संकुल स्तरीय वैदिक गणित एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन शनिवार को हुआ। इन प्रतियोगिताओं में ज्वाला देवी सिविल लाइन्स के छात्रों ने अपनी मेधा शक्ति का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सर्वाधिक कुल 64 पदकों में 54 स्वर्ण और 10 रजत प्राप्त करके विद्यालय का नाम रोशन किया।

इस मेले में वैदिक गणित एवं सांस्कृतिक प्रश्नमंच, प्रयोग, प्रदर्श, पत्रवाचन, लोकनृत्य तथा मूर्ति की प्रतियोगिता आयोजित की गई थी, जिसमें केशव संकुल के अंतर्गत लगभग 11 विद्यालय से लगभग 430 छात्र-छात्राएं एवं 40 आचार्य एवं 13 आचार्या एवं 10 प्रधानाचार्य उपस्थित रहे। प्रश्नमंच, प्रयोग, प्रदर्श, पत्रवाचन, कथाकथन, आशुभाषण, मूर्तिकला व लोकनृत्य आयोजित हुए।

मुख्य अतिथि आर्य कन्या डिग्री कॉलेज के हिन्दी विभाग की प्रोफेसर डॉ. मुदिता त्रिपाठी ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में विद्यालय प्रबंध समिति के पदाधिकारी डॉ. संजय सिंह तथा विशिष्ट अतिथि ईसीसी के प्रोफेसर प्रेम प्रकाश उपस्थित रहे। विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं संकुल प्रमुख विक्रम बहादुर सिंह परिहार ने कार्यक्रम की सम्पादकीय रखी।

निर्णायक के रूप में मनोज कुमार शुक्ला, आशुतोष पाण्डेय, इन्द्रदेव पाण्डेय, मानसिंह यादव, मीना श्रीवास्तव, दिनेश पाण्डेय, सुरेश चन्द्र त्रिपाठी, मीरा पाठक, अजय मिश्र, विनोद मिश्र, रत्नेश चतुवेर्दी, सन्दीप मिश्र, कमलेश चौरासिया, चन्द्रशेखर सिंह सहित विभिन्न संस्थानों एवं समाज के विद्वज्जनों का आगमन हुआ।

विद्यालय के मीडिया प्रभारी सरोज दूबे ने बताया कि अब ये विजेता छात्र प्रांतीय ज्ञान विज्ञान मेले में प्रतिभाग करेंगे। विद्यार्थियों की इस अभूतपूर्व सफलता पर विद्या भारती के सह क्षेत्रीय संगठन मंत्री डॉ. राममनोहर, काशी प्रांत के प्रदेश निरीक्षक शेषधर द्विवेदी, प्रधानाचार्य एवं संकुल प्रमुख विक्रम बहादुर सिंह परिहार एवं सह संकुल प्रमुख इन्द्रजीत त्रिपाठी ने हर्ष व्यक्त करते हुए छात्र-छात्राओं एवं उनकी तैयारी में लगे आचार्यों को बधाई दी और छात्रों को आगामी प्रतियोगिताओं के लिए शुभाशीष दिया।

उर्से अतीकी पर मुल्क में सकूनियत तथा मेल मोहब्बत की मांगी गयी दुआ, चादरपोशी

प्रमोद श्रीवास्तव

प्रतापगढ़। खानापटटी के मदरसा दारूल उलूम बाबुननवी में शनिवार को अठारहवां उर्से अतीकी का जश्न शानोशौकत में दिखा। तालीम तथा जरूरतमंदो की मदद के क्षेत्र में मशहूर मौलाना अतीक अहमद की याद में सुबह से देर शाम तक अकीदतमंद मजार शरीफ पर सजदा करते दिखे। वहीं पीलीभीत तथा मुरादाबाद व लखनऊ आदि जिलों से भी मौलाना अतीक साहब की मजार शरीफ पर सिर झुकाया। उर्स की शुरूआत हजरत मौलाना मो. रहमानी मियां की कयादत में अतीक साहब की पाक मजार पर गुलपोशी व चादरपोशी के बीच हुई। मुल्क की सलामती तथा मेल मोहब्बत व इंसानी सकूनियत के साथ कौमी तरक्की के लिए मजार पर लोगों ने दुआ मांगी। यहां बडी संख्या में जुटे हिन्दू मुसलमान उर्से अतीकी को लेकर एक दूसरे के गले भी लगे नजर आये।

हजरत मौलाना रहमानी मियां ने लोगों से मेल मोहब्बत के रास्ते पर चलते हुए इंसानियत के पैगाम को खूबसूरत बनाये रखने की अपील की। उर्स में राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी के मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने शामिल होते हुए राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी तथा क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना की ओर से मजार पर चादरपोशी की।

उर्स में बेलाल रहमानी, जर्रार अहमद कौशाम्बी, हाफिज जाहिद मुम्बई, मो. रेहान कानपुर, आसिफ लखनऊ, मतलूब खॉन, अब्दुल लतीफ खान, नियाज बाबुरी, इरसाद खान, दानिश खान, अहमद रजा, जियाउल खान, हाफिज शोएब खान, सैफ खान, वकार अहमद, गुडडू प्रतापगढ़ी, वसीम खान, आबिद रजा, बाबर खान, हलीम बाबा खान, शकील खान, दिनेश सिंह आदि ने भी अतीक साहब की नेकी को याद किया।

दुर्गा पूजा व रामलीला को लेकर तैयारियां को लेकर हुआ मंथन

प्रमोद श्रीवास्तव

प्रतापगढ़। सगरा सुन्दरपुर बाजार में आगामी तीन अक्टूबर से लक्ष्मणपुर मार्ग पर होने वाली रामलीला की तैयारियों को लेकर शनिवार को बैठक में मंथन हुआ। श्रीरामलीला समिति के अध्यक्ष संजय शुक्ल ने बताया कि नवरात्रि पर बाजार में स्थानीय कलाकारों के द्वारा मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम के लीला का सजीव चित्रण रामलीला मंच के माध्यम से दिखाया जाएगा। जय मां दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष के शिवशंकर शुक्ल के निर्देशन में नौ दिनों तक दुर्गा माता की मूर्ति स्थापित कर विधिविधान से पूजन अर्चन किया जाएगा। बैठक में डॉ. हरिश्चन्द्र शुक्ल, राम सूर्ति त्रिपाठी, इन्द्रजीत सिंह, रत्नाकर त्रिपाठी, अशोक पाण्डेय, प्रमोद जयसवाल, आदर्श, राहुल, अजय तिवारी, ओम नारायण, दिनेश शर्मा, मुरली लाल, प्रवीण शुक्ल, विजय मिश्र, राकेश दुबे, राजेन्द्र जायसवाल, मनोज जायसवाल, पवन धुरिया, रज्जन वर्मा, रिषू शुक्ला आदि रहे।

विशाल लाफ्टर शो में आज रात हंसी ठहाके व डांस धमाल एंव अदाओं का लगेगा तड़का

हाथरस-। ब्रज के प्रसिद्ध व ऐतिहासिक 113 वें प्रथम प्रांतीय लक्खी मेला श्री दाऊजी महाराज महोत्सव में उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व कैबिनेट ऊर्जा मंत्री स्वर्गीय पं. रामवीर उपाध्याय की स्मृति में समर्पित विशाल लाफ्टर शो में आज 15 सितंबर की रात्रि को 9 बजे से मेला पंडाल में हंसी ठहाकों के साथ डांस एवं मस्ती का तड़का लगेगा और बॉलीवुड एवं हरियाणवी कलाकारों द्वारा म्यूजिकल नाइट विशाल लाफ्टर शो में धूम मचाई जाएगी। इस बार लाफ्टर शो ऐतिहासिक होने जा रहा है। आयोजकों द्वारा सभी तैयारियां को पूर्ण कर लिया गया है।कार्यक्रम के संयोजक विकास भारद्वाज, स्वागताध्यक्ष सुधीर पचौरी एवं कार्यक्रम अध्यक्ष पं. संदीप शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया है कि उन्होंने बताया कि विशाल लाफ्टर शो में बॉलीवुड स्टार अभिनेत्री एवं कलियों का चमन जब बनता है की स्टार मेघना नायडू एवं हाय रे तू छाती ते लागे रहियो ताबीज बना लूं तने की स्टार सिंगर शिवा चौधरी तथा सिंगर व एंकर वर्षा शर्मा अपने डांस एवं अदाओं का जलवा बिखेर कर धूम मचायेगीं।उन्होंने बताया कि विशाल लाफ्टर शो में मिमिक्री करने वाले लाफ्टर दीपक सैनी, लाफ्टर वीएस अलबेला मध्य प्रदेश, लाफ्टर राजीव चौधरी जयपुर तथा पंकज मस्ताना अपने चुटकुलों के माध्यम से हाथरस की जनता को गुदगुदाकर हंसी के ठहाके लगवाएंगे।जबकि बॉलीवुड कलाकारों के साथ डांस परफॉर्म करने वाला दिल्ली का डांस ग्रुप अपने डांस से धमाल मचाएगा।

अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस की काम बंद हडताल छटवें जारी

हाथरस।अखिल भारतीय सफाई मजूद कांग्रेस के बैनरतले नगर पंचायत सासनी के सफाई कर्मचारियों ने कामबंद हडताल दूसरे दिन भी जारी रखी। और मांगे पूरी न होने तक कामबंद हडताल पर जमे रहने की चेतावनी दीं

सोमवार से हडताल पर बैठे सफाई कर्मचारियों ने कामबंद हडताल जारी रही। और अपनी ज्वलंत मांगें पूरी न होने तक हडताल जारी रखने की चेतावनी दी है।

शनिवार को पुलिस ने भी हडताल पर बैठे कर्मचारियों को काफी मनाने का प्रयास किया मगर अपनी ज्वलंत समस्याओ के समाधान होने से वह वह हडताल पर बैठे रहने की जिद पर अडे रहे। कामबंद हडताल पर प्रदीप बाल्मीक, अशोक चैहान, हरीशंकर, राजेश कुमार, निक्की, नीलम, गीता, रामवीर, आकाश, सोनू, पवन, वीरीसिंह, अनिल, कविता, पूजा, रजनी, कौशल, प्रमोद, दीपक, कुलदीप, सुरजीत, दयाचंद, नीरू, सूरजमुखी, शारदा, मंजू, आदि शामिल हैं।

युवा कांग्रेस को मजबूत किये बगैर कांग्रेस मजबूत नहीं ++++नाजिम अली

प्रमोद श्रीवास्तव

प्रतापगढ।शनिवार को जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय "इंदिरा भवन" पर जिला यूथ कांग्रेस कमेटी की बैठक जिलाध्यक्ष डॉ0 नीरज त्रिपाठी की अध्यक्षता में संगठनात्मक बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में उ0प्र0 युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव नाजिम अली मौजूद रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि नाजिम अली का अंगवस्त्रम व माला पहनाकर स्वागत किया गया। बैठक का आयोजन व संचालन युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष नफीस खान ने किया।मुख्य अतिथि व प्रदेश महासचिव नाजिम अली ने कहा कि यूथ कांग्रेस, कांग्रेस पार्टी की रीड़ है प्रतापगढ़ का प्रभार मुझे मिला है, मैं आप सभी को विश्वास दिलाता हूं कि जनपद में संगठन को खड़ा कर-के ही दम लूंगा। उन्होंने कहा कि मैं स्वयं लगकर संगठन का निर्माण करूंगा।

युवा कांग्रेस को मजबूत किये बगैर कांग्रेस मजबूत नहीं होगी। इस अवसर पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष डॉ0नीरज त्रिपाठी ने कहा कि युवा कांग्रेस के साथियों के बगैर कांग्रेस मजबूत नहीं हो पा रही है। मैं भी युवा कांग्रेस का प्रदेश अध्यक्ष रह चुका हूं, मुझे पूरा अनुभव है। में संगठन बनाने में पूरा सहयोग करूंगा।

अबीर गुलाल तथा पुष्पवर्षा के बीच गणेश प्रतिमाओं का हुआ विर्सजन

प्रमोद श्रीवास्तव

प्रतापगढ़। गणपति बप्पा मोरया के जयघोष के बीच शनिवार को भगवान गणेश की प्रतिमाओं का विसर्जन हुआ। भक्त अबीर गुलाल उडाते डीजे की धुन पर थिरकते हुए भगवान श्रीगणेश जी की प्रतिमा पर पुष्पवर्षा में आनंदित दिखे। लालगंज के घुइसरनाथ रोड पर लगे पाण्डाल में पूजन अर्चन के बाद भक्त नेशनल हाइवे के समीप तालाब में प्रतिमा को विसर्जित करने पहुंचे। यहां प्रतिमा के समक्ष भागवतभूषण विनय शुक्ल के पूजन अर्चन के मध्य भक्तों ने प्रतिमा प्रवाहित किया। इस मौके पर अंकित जायसवाल, मक्खन शुक्ल, भोला, राजकुमार मिश्र, इं. रमेशचंद्र शुक्ल, पवन शुक्ल, राहुल सिंह, अनुराग पाण्डेय, अधिवक्ता बृजेन्द्र पाण्डेय मंटू, रामआसरे शुक्ल, सौरभ शुक्ल, राजू प्रजापति, सोनू मिश्र आदि रहे। वहीं घुइसरनाथ धाम के समीप रामगंज बाजार के समीप दूधी का पुरवा में भी गणेश प्रतिमा विर्सजन उत्सव को लेकर भक्त भावविभोर दिखे। भक्तों ने पूजन अर्चन कर भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा वीरशाहपुर स्थित तालाब में विसर्जित किया गया। इस मौके पर श्याम नारायण मिश्र, देव नारायण मिश्र, फूलचंद्र पाण्डेय, डॉ. धीरज मिश्रा, त्रिभुवन सिंह, विकास शुक्ला, गिरजाशंकर आदि रहे।

17 सितम्बर से पितृ पक्ष प्रारंभङ्घ..

हाथरस।भाद्रपद महीने के शुक्ल पक्ष पूर्णिमा से आश्विन मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि तक पितृ पक्ष रहते है। पितृ पक्ष का बहुत अधिक महत्व होता है,इनको श्राद्ध पक्ष के नाम से भी जाना जाता है। पितृ पक्ष में पितरों का श्राद्ध और तर्पण किया जाता है। मान्यताओं के अनुसार इस दौरान पितरों का तर्पण, श्राद्ध और पिंडदान करने से उनकी आत्मा को मुक्ति मिलने के साथ मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस बार श्राद्ध पक्ष 17 सितंबर पूर्णिमा के स्नानदान से ही पितृपक्ष प्रारंभ हो रहे हैं,जो कि 2 अक्टूबर तक रहेंगें।

वैदिक ज्योतिष संस्थान के प्रमुख एवं ज्योतिर्विद स्वामी पूणार्नंदपुरी जी महाराज के अनुसार श्रद्धा के साथ किया गया गया कार्य ही श्राद्ध कहलाता है। ब्रह्म पुराण के अनुसार मनुष्य को पूर्वजों की पूजा करनी चाहिए और उनका तर्पण करना चाहिए। पितरों का ऋण श्राद्ध के जरिए चुकाया जा सकता है। पूर्णिमा तिथि 17 सितंबर प्रातः 11:44 मिनट से अगले दिन प्रातः 08:04 मिनट तक रहेगी इसके साथ ही श्राद्ध पक्ष शुरू हो जाएंगे जो अगले 2 अक्टूबर को सर्वपितृ अमावस्या यानी अश्विन अमावस्या के साथ समाप्त होंगे।

ऐसे में पूर्णिमा का श्राद्ध 17 सितंबर मंगलवार, प्रतिपदा श्राद्ध बुधवार, द्वितीया श्राद्ध गुरुवार, तृतीया श्राद्ध शुक्रवार, चतुर्थी श्राद्ध शनिवार, पंचमी श्राद्ध रविवार, षष्ठी और सप्तमी श्राद्ध सोमवार, अष्टमी श्राद्ध मंगलवार, नवमी श्राद्ध बुधवार, दशमी श्राद्ध गुरुवार, एकादशी श्राद्ध शुक्रवार, द्वादशी श्राद्ध रविवार, त्रयोदशी श्राद्ध सोमवार, चतुर्दशी श्राद्ध मंगलवार को तथा सर्व पितृ अमावस्या 2 अक्टूबर बुधवार को रहेगी।

स्वामी पूणार्नंदपुरी जी महाराज ने बताया कि जिस तिथि पर व्यक्ति का निधन हुआ होता है,उसके लिए श्राद्ध कर्म पितृ पक्ष में उसी तिथि को किया जाता है

परन्तु यदि किसी व्यक्ति के निधन की तिथि न पता हो तो श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान पंचमी, नवमीं एवं सर्व पितृ अमावस्या के दिन कर सकते हैं। इस कर्म के लिए योग्य ब्राह्मण द्वारा ही तर्पण करवाना चाहिए।

जेएस परिसर में बने नवनिर्मित प्रेक्षागृह का न्यायमूर्ति ने किया लोकार्पण

हिंदी का न्यायपालिका में अधिक उपयोग करने से अदालतों और जनता के बीच की खाई को पाटने में मिलेगी मदद

तीन वर्ष आठ माह में 13162 मामलों का हिंदी भाषा में किया निपटारा

शिकोहाबाद। जेएस विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय के नव निर्मित प्रेक्षागृह का लोकार्पण न्यायमूर्ति उच्च न्यायालय

इलाहाबाद द्वारा किया गया। प्रेक्षागृह के लोकार्पण से यह दिन और भी विशेष बन गया क्योंकि हिंदी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति ने हिंदी के महत्व को उजागर किया। उन्होंने कहा कि इन मामलों का निपटारा केवल तीन वर्षों और आठ महीनों में किया गया। जो उनकी भाषा और न्याय के प्रति गहरी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति डॉ. गौतम चौधरी ने बताया कि उन्होंने अपने 13162 मामलों को हिंदी भाषा में न्याय देने की प्रेरणादायक कहानी साझा की और न्यायपालिका में हिंदी के महत्व को उजागर किया। उन्होंने यह भी बताया कि इन मामलों का निपटारा केवल 3 वर्षों और 8 महीनों में किया. जो उनकी भाषा और न्याय के प्रति गहरी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। उद्घाटन समारोह के दौरान न्यायमूर्ति डॉ. गौतम चौधरी ने कहा कि हिंदी हमारी संस्कृति की आत्मा है,और इसे न्यायपालिका में अधिक उपयोग करने से अदालतों और जनता के बीच की खाई को पाटने में मदद मिलती है। हिंदी का उपयोग केवल एक भाषा के रूप में नहीं,बल्कि एक सशक्त माध्यम के रूप में होना चाहिए। जो न्याय की पहुंच को हर नागरिक तक सुलभ बनाए। हमारी संविधान निर्मात्री सभा ने इसे हमारी आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाया और हम सभी की जिम्मेदारी है कि इसे सभी क्षेत्रों में प्रोत्साहित करें। उनके विचारों ने उपस्थित लोगों को गहराई से प्रभावित किया और हिंदी के महत्व को लेकर उनकी प्रतिबद्धता को दशार्या।

समारोह में विशिष्ट अतिथि जिला जज हरवीर सिंह ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा हिंदी हमारी पहचान का अभिन्न हिस्सा है। समारोह मे सामाजिक कार्यकर्ता और योग गुरु मधु चौधरी की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का एक शानदार प्रदर्शन भी हुआ। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। निबंध लेखन,कविता और कहानी प्रतियोगिताओं में शीर्ष तीन स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को विशेष पुरुस्कार प्रदान किए गए।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ.सुकेश यादव,प्रति कुलाधिपति डॉ. पीएस यादव,कुलपति डॉ.बीपी अग्रवाल,महानिदेशक डॉ.गौरव यादव,वाईस चेयर पर्सन डॉ.गीता यादव,मैनेजिंग ट्रस्टी अशोक कुमार,हिमांशु यादव,शुभम यादव,श्रुति यादव एवं निधि यादव की उपस्थित सराहनीय रही। महानिदेशक डॉ.गौरव यादव ने सभी अतिथियों और उपस्थित लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। संचालन डॉ. नूपुर राघव और इंजी. आकांक्षा दीक्षित ने किया।

फसल बर्बाद होने से दुखी किसान का कोई सुराग नही

फिरोजाबाद, थाना लाइनपार के गाँव ढोल पुरा निवासी लापता हुए एक किसान का दो दिन बाद भी कोई सुराग नही लगा है उसके पुत्र ने यमुना में कूदकर जान देने की आशंका व्यक्त की है पुलिस और गोताखोर उसकी तलाश में जुटे हुए है

गाँव ढोल पुरा की ठार निवासी 50 वर्षीय सर्वेश यादव पुत्र स्व0 उजागर सिंह यादव की फसल बर्बाद हो गयी थी। जिसको लेकर वह काफी परेशान था। वह 12 सितम्बर को बिना बताये घर से निकल गया। परिजनों ने खोज की लेकिन कोई सुराग नही लगा। किसान के पुत्र सोनू ने 13 सितम्बर को थाने पहुंचकर गुमशुदगी दर्ज करायी। इसके बाद भी परिजनों ने सर्वेश की तलाश जारी रखी, और 14 सितम्बर को परिजन खोजते हुए गुंदाऊ की शाला पर पहुँचे, वहां उन्होंने किसान की साइकिल खड़ी देखी। तो पुत्र ने पिता की यमुना में कूदकर आत्महत्या की आशंका व्यक्त करते हुए थाना लाइनपार पुलिस को दी, मौके पर पहुंची पुलिस और गौताखोरो ने स्टीमर से किसान की तलाश में जुटे हुए है। समाचार लिखे जाने तक किसान की तलाश जारी थी।

फरुर्खाबाद में ट्रैक्टर की चपेट में आने से मोपेड सवार महिला की मौत, पति चोटिल

फरुर्खाबाद। जिले के राजेपुर थाना क्षेत्र मैं आज ट्रैक्टर की चपेट में आने से मोपेड सवार महिला की दर्दनाक मौत हो गई तथा पति चुटैल

हो गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार जिले के कादरी गेट थाना क्षेत्र के मोहल्ला दीनदयाल बाग निवासी रामदास अपनी पत्नी रूपरानी उम्र करीब48वर्षकोग्रामकड़क्का से दवा दिलाकर अपनी मोपेड पर बैठाकर घर वापस लौट रहे थे। शनिवार प्रातः करीब 8:00 बजे राजेपुर थाना क्षेत्रके जमापुर मोड के समीप एक ट्रैक्टर की चपेट में आने से ,मोपेड सवार महिला रूपरानी की दर्दनाक मौत हो गई और इस दौरान उसका पति चुटैल हो गया।

इधर घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने दुर्घटना करने वाले ट्रैक्टर को अपने कब्जे में ले लिया तथा मृतक महिला के शब का पंचनामा भरकरपोस्टमार्टम के लिए जिलाअस्पतालफतेहगढ़ को भिजवाया गया।

सहायक अध्यापिका ने प्रधानाध्यापिका को पीटा, डीएम तक पहुंचा मामला

प्रमोद श्रीवास्तव

प्रतापगढ़। जिले में बेसिक शिक्षा विभाग से जुड़ा एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक सहायक अध्यापिका द्वारा प्रधानाध्यापिका की पिटाई की घटना चर्चा का विषय बन गई है। बताया जा रहा है कि प्रधानाध्यापिका, सहायक अध्यापिका की मनमानी से परेशान थीं और जब उन्हें बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय से न्याय नहीं मिला, तो उन्होंने जिलाधिकारी (डीएम) कार्यालय का रुख किया। जिलाधिकारी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए बेसिक शिक्षा अधिकारी को जांच कर उचित कार्रवाई का निर्देश दिया है, जिससे विभाग में हलचल मच गई है।

जानकारी के अनुसार, प्राथमिक विद्यालय सराय खंडेराय की प्रधानध्यापिका मधु मिश्रा का आरोप है कि उन्होंने अपनी अस्वस्थता के कारण 11 सितंबर को न्याय पंचायत स्तर पर आयोजित क्रीड़ा प्रतियोगिता में बच्चों को प्रतिभाग कराने के लिए स्कूल की सहायक अध्यापिका को आदेश दिया था।

सहायक अध्यापिका इस आदेश से नाराज हो गईं और गुस्से में आदेश फाड़ दिया। जब प्रधानाध्यापिका ने इसका कारण जानना चाहा, तो सहायक अध्यापिका ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। सहकर्मियों के हस्तक्षेप के बाद ही यह विवाद शांत हुआ। आरोप है कि सहायक अध्यापिका ने उच्च अधिकारियों से अपनी पहचान का धौंस भी दिखाया। प्रधानाध्यापिका का कहना है कि सहायक अध्यापिका पहले भी स्टाफ और अभिभावकों के साथ दुर्व्यवहार कर चुकी हैं।

प्रधानाध्यापिका मधु मिश्रा ने 13 सितंबर 2024 को डीएम से इस मामले की शिकायत की। इस पर बेसिक शिक्षा अधिकारी भूपेंद्र सिंह ने कहा कि मामला उनके संज्ञान में है और जांच कर दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

विभव नगर, चंद्रप्रभ जैन मंदिर सहित 40 जैन मंदिरो में भक्ति और संगीतमय सामूहिक पूजन विधान प्रवचन जारी

फि रोजाबाद श्री दिगंबर जैन मंदिर विभव नगर, चंद्रप्रभ मंदिर, अट्टावाला जैन मंदिर सहित नगर के सभी 40 जैन मंदिरो मे सामुहिक पूजा पाठ,

विधान, प्रवचन आदि पूर्ण भक्तिभाव के साथ चल रहे हैं। मंगलवार अनंत चतुर्दशी को युवा संघर्ष समिति द्वारा नगर को तोरण द्वारो से सजाकर चौदहवे तीर्थंकर भगवान अनंतनाथ का लाडू महोत्सव मनाया जाएगा।

युवा संघर्ष समिति के महामंत्री कुलदीप मित्तल जैन एडवोकेट ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि विभव नगर जैन मंदिर में शनिवार को दशलक्षन पर्व के सातवें दिन प्रातः सामुहिक अभिषेक के बाद शांति धारा हुई। संगीतमय सामुहिक पूजन के बीच में विधानाचार्य राजेश जैन के निर्देशन में बीस तीर्थंकर विधान में दो तीर्थंकरों की पूजा करके अर्ध चढ़ाए गए। राजेंद्र प्रसाद जैन राजू के निर्देशन में देव शास्त्र गुरु, मुलनायक शांतिनाथ भगवान की पूजा के साथ भगवान अरहनाथ, मुनिसुव्रतनाथ की पूजाएं करके अर्ध चढ़ाए गए। पंच परमेष्ठी, शांतिनाथ की आरती के साथ पूजन विसर्जन हुआ। इस अवसर पर श्याम सुन्दर जैन, अनिल जैन, कुलदीप मित्तल, पवन जैन, दीपक कुमार जैन, आकाश जैन, गौरव जैन, मनोज जैन, तरुण वरुण आदि ने सामुहिक पूजा विधान में भाग लिया।

नगर के सुप्रसिद्ध श्री दिगंबर जैन चंद्रप्रभ मंदिर में प्रतिदिन की तरह प्रातः अभिषेक पूजन के बाद दोपहर में प्रज्ञ-ाश्रमण मुनि श्री अमितसागर जी महाराज के सानिध्य में एक व्रत का फल देने वाले ग्रंथराज ततवार्थ सूत्र की धर्म सभा आयोजित की गई। सूत्रों का शुद्ध उच्चारण सिखाने के साथ कल्याण का मार्ग बताते हुए मुनिवर ने कहा कि मन वचन काय को पाप कर्म से बचाकर शुभ कर्म में लगाना ही धर्म है। साधु स्वयं तो उजाले में रहता ही है दूसरो को भी रखता है, और जो सोती हुई आत्मा को जगा दे वही प्रवचन है। प्रवचन का एक शब्द जीवन बदल सकता है। इसलिए जहां तक संभव हो प्रवचन का लाभ लेते रहें । लोग कहते हैं कि जैन धर्म में वास्तु नही है, ऐसा नहीं है बल्कि उसे पहचानने की जरूरत है। कमरे हवादार बनवाएं, खाना दिन में खाएं, फ्रिज में रखा न खाएं, घर में कभी कोई कमी न रहेगी। सांय आहारजी से आए ऋषभ शास्त्री जी के उत्तम तप धर्म पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जो तपा जाए, वही तप है और इंद्रियों का संयम ही तप है। सभा में ललतेश जैन, ललित रपरिया, प्रमोद सोनल, कमल जैन, धीरेश जैन, महावीर मामा आदि मौजूद रहे। संचालन कुलदीप मित्तल एडवोकेट ने किया।

अनंत चतुर्दशी मंगलवार को मनाई जाएगी। जैन दिगंबर युवा संघर्ष समिति द्वारा परिक्रमार्थियों के लिए पूरे नगर को तोरण द्वारो से सजाया जायेगा। अध्यक्ष संजय जैन पीआरओ, महासचिव कुलदीप एडवोकेट, कोषाध्यक्ष विजय जैन एडवोकेट आदि ने प्रशासन से सभी मंदिरों के आसपास सफाई, रंगोली कलई छिड़काव, सुरक्षा की मांग करते हुए बूचड़खाने मीट की दुकानें बंद रखवाने का अनुपालन कराने की मांग की है। इस संबंध में अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा जा चुका है।

वावन द्वादशी पर्व की झांकी आज

शिकोहाबाद। श्री ठाकुर मुरली मनोहर विराजमान मंदिर मोहल्ला खेड़ा के सरवराकार मदन मोहन की सूचनानुसार रविवार शाम पांच बजे वावन द्वादशी पर्व की झांकी मुहल्ला खेड़ा से लेकर गली फूलापुरिया, रहट गली, काजीटोला, बड़ा बाजार, नारायन होटल, तहसील तिराहा, पक्का तालाब, छोटा डाकघर होती हुई खेड़ा मुहल्ला मंदिर श्री ठाकुर मुरली मनोहर विराजमान पर पहुंच कर समापन होगा।

उन्होंने नगर की सभा धार्मिक जनता से झांकी का स्वागत करने एवं शामिल होकर सफल बनाने की अपील की है।

स्व0डॉक्टर विवेकानंद की पुण्यतिथि पर चौथा नेत्र परीक्षण शिविर सम्पन्न

फिरोजाबाद, स्वर्गीय डॉक्टर विवेकानंद गुप्ता की पुण्य स्मृति में एक नेत्र रोग परीक्षण शिविर का आयोजन शनिबार को मोहल्ला श्याम नगर स्थित पातीराम पूरन मल माथुर वैश्य धर्मार्थ ट्रस्ट भवन में सम्पन्न हुआ शिविर में 650 नेत्र

रोगियों का परीक्षण किया गया 430 रोगियों को चश्मा वितरित किये गये 30 रोगियों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिये चिन्हित किया गया

नेत्र रोग शिविर का शुभारम्भ स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर बलवीर सिंह डॉक्टर राकेश यादवेन्द्र ने स्वर्गीय डॉक्टर विवेकानंद गुप्ता और सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया

इसके बाद उक्त लोगों के अलावा मुकेश त्यागी रामनरेश कटारा, ध्रुव कुमार आचार्य ने अपने विचार व्यक्त करते हुए डॉक्टर गुप्ता की जीवन शैली पर प्रकाश डालते हुए उनकी कार्यशैली की प्रशंसा की,

शिविर में मेडिकल कॉलेज के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टर राकेश यादवेन्द्र , डॉक्टर अलका अग्रवाल, डॉक्टर राजेश , डॉक्टर शालवी ने शिविर में आये नेत्र रोगियों का परीक्षण किया।

शिविर का संचालन उदय गुप्ता ने किया।

इस अवसर शिव मोहन श्रोती, डॉक्टर नवीन जैन, मुकेश मामा, भगवान सिंह झा, मनोज शर्मा, सुनील गुप्ता, सुशील गुप्ता सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

बीडीएम गर्ल्स डिग्री कॉलेज में मनाया गया हिंदी दिवस

शिकोहाबाद। बीडीएम गर्ल्स डिग्री कॉलेज में प्राचार्या की अध्यक्षता और हिंदी विभागाध्यक्षा के नेतृत्व में हिंदी दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विभागाध्यक्षा द्वारा प्राचार्या को

माला पहना कर एवं सभी शिक्षकों को पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका सम्मान किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ संगीत विभाग की छात्राओं द्वारा राग बहार में ह्यसरस्वती मॉ शारदेह्य सरस्वती वंदना एवं ह्यस्वागतम् सुस्वागतम्ह्य स्वागत गीत की सुमधुर प्रस्तुति के साथ किया। विद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर गीता यादुवेंदु ने सभी को हिंदी के महत्व को समझाया।

अंग्रेजी विभागाध्यक्षा प्रोफेसर सीमारानी जैन ने कहा कि हिन्दी हमारे देश की राज भाषा है।

हिन्दी पर हमें गर्व होना चाहिए। हिन्दी भाषा के प्रचार प्रसार में योगदान देना चाहिए। हिन्दी विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर दर्शना कुमारी ने नौ से 14 सितंबर तक मनाये जा रहे हिन्दी दिवस सप्ताह में आयोजित प्रतियोगिताओं में विभागीय रिपोर्ट अत्यन्त कलात्मक ढंग से प्रस्तुत की। हिन्दी विभागाध्यक्षा प्रोफेसर शशिप्रभा तोमर ने हिन्दी की दशा व दिशा पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी छात्राओं को पुरुस्कृत किया गया।

इस अवसर पर इस अवसर डॉ.नीलम, डॉ.माया गुप्ता, डॉ.नम्रता प्रसाद, पूजा राजपूत, डॉ.मोनिका सिंह, डॉ.ममता भारद्वाज, पिंकी,सोनिका, नंदनी एवं अन्य शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की सराहनीय उपस्थिति रही।

दाऊ दयाल महिला महाविद्यालय में हिंदी दिवस पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

फि रोजाबाद दाऊ दयाल महिला महाविद्यालय में हिंदी विभाग द्वारा हिंदी दिवस का आयोजन हर्षोल्लास के साथ

मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर रेनू वर्मा जी ने मॉ शारदे के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया। तत्पश्चात छायावादी स्तंभ सूर्यकांत त्रिपाठी निराला द्वारा रचित सरस्वती वंदना की मोहक प्रस्तुति से छात्राओं ने कार्यक्रम को गति प्रदान की।

इस अवसर पर स्नातक एवं परास्नातक की छात्राओं ने भाषण प्रतियोगिता के माध्यम से *वर्तमान परिप्रेक्ष्य में हिंदी की विकास यात्रा में उसकी दिशा और दशा* पर प्रकाश डालते हुए हिंदी में विविध रोजगार परक शिक्षा तथा उसमें निहित सांस्कृतिक जीवन मूल्य को उजागर किया। साथ ही छात्राओं ने हिंदी के विविध छंदो जैसे दोहा, चौपाई ,गीत तथा कविता इत्यादि के माध्यम से हिंदी के प्रति अपने उद्गार व्यक्त किये।

विभाग की अध्यक्षा डॉ छाया वाजपेई ने कहा कि *आज हिंदी भाषा अपने खोए हुए स्वरूप को पाने के लिए सतत प्रयत्नशील है।*

विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ माधवी सिंह ने हिंदी की वैश्विक स्थिति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि *हिंदी सिनेमा और विज्ञापन ने हिंदी को वैश्विक स्तर पर वृहद् पहचान दिलाई है और रोजगार की विपुल संभावनाएं उत्सर्जित की हैं। डॉ नम्रता निश्चल त्रिपाठी ने तुलसी के मानस ग्रन्थ को हिंदू संस्कृति का प्रतिरूप कहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं प्राचार्या प्रोफेसर रेनू वर्मा जी ने राजभाषा हिंदी के बढ़ते चरण और उसके प्रभाव से छात्राओं को अवगत कराया तथा कार्यक्रम की सफलता पर हर्ष प्रकट करते हुए हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाए ँ प्रेषित कीं।

कार्यक्रम का संचालन डॉ अंजु गोयल ने किया।

इस अवसर पर डॉक्टर प्रिया सिंह, डॉ गरिमा सिंह सहित समस्त महाविद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

हम सबका अभिमान है हिन्दी, भारत देश की शान है हिन्दीः- अश्वनी जैन

सिरसागंजः- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश के अंतर्गत जिला विज्ञान क्लब, फिरोजाबाद के तत्वाधान में जिला विज्ञान क्लब, फिरोजाबाद के कार्यालय पर जिला समन्यवक अश्वनी कुमार जैन के संयोजन में हिन्दी दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों के

मध्य एक गोष्ठी का आयोजन किया गया।

जिला विज्ञान क्लब के जिला समन्वयक अश्वनी कुमार जैन ने विद्यार्थियों को बताया कि राष्ट्रीय हिन्दी दिवस प्रत्येक वर्ष 14 सितम्बर को मनाया जाता है। 14 सितम्बर 1949 को संविधान सभा ने यह निर्णय लिया कि हिन्दी संघ सरकार की आधिकारिक भाषा होगी क्योंकि भारत मे अधिकतर क्षेत्रों में ज्यादातर हिन्दी भाषा बोली जाती थी इसलिए हिन्दी को राजभाषा बनाने का निर्णय लिया गया।

इसी निर्णय के महत्व को प्रतिपादित करने तथा हिन्दी को प्रत्येक क्षेत्र में प्रसारित करने के लिये वर्ष 1953 से पूरे भारत में 14 सितम्बर को प्रतिवर्ष राष्ट्रीय हिन्दी-दिवस के रूप में मनाया जाता है। स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद हिन्दी को आधिकारिक भाषा के रूप में स्थापित करवाने के लिए काका कालेलकर, हजारीप्रसाद द्विवेदी, सेठ गोविंद दास आदि साहित्यकारों को साथ लेकर व्योहार राजेन्द्र सिंह ने अथक प्रयास किया। यह निर्णय 14 सितम्बर को लिया गया, इसी दिन हिन्दी के मूर्धन्य साहित्यकार व्यौहार राजेन्द्र सिंह का 50 वाँ जन्मदिन था, इस कारण हिन्दी दिवस के लिए इस दिन को श्रेष्ठ माना गया था। हालांकि जब राष्ट्रभाषा के रूप में इसे चुना गया और लागू किया गया तो अ-हिन्दी भाषी राज्य के लोग इसका विरोध करने लगे और अंग्रेजी को भी राजभाषा का दर्जा देना पड़ा। इस कारण हिन्दी में भी अंग्रेजी भाषा का प्रभाव पड़ने लगा।

गोष्ठी में कु रोशनी, पूजा, सारिका, पायल, शिवानी, प्रीती, खुशी, वर्षा, अनुज कश्यप, ईशू, ललित कुमार, ब्रजमोहन, सोनवीर, आर्यन प्रताप, मनीष कुमार, कृष्णा यादव आदि उपस्थित रहे।

प्रशासनिक न्यायमूर्ति माननीय डा० गौतम चौधरी द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत का किया गया उद्घाटन।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली व उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के दिशा-निर्देशन में जनपद न्यायालय में राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्घाटन प्रशासनिक न्यायमूर्ति माननीय डा० गौतम चौधरी, जज, माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित करते हुए किया गया। कार्यक्रम में श्री हरवीर सिंह, जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण फिरोजाबाद, पीठासीन अधिकारी, प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय श्री अरविन्द कुमार सिंह-।।, जिलाधिकारी श्री रमेश रंजन, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री सौरभ दीक्षित, मुख्य चिकित्सा अधिकारी श्री राम बदन राम, जेल अधीक्षक श्री अरूण कुमार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक (शहर) श्री रवि शंकर प्रसाद आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अवसर पर प्रशासनिक न्यायमूर्ति माननीय डा० गौतम चौधरी जी ने राष्ट्रीय लोक अदालत के महत्व के विषय मे बताते हुए यह संदेश दिया कि बहुत छोटे छोटे कारणों से विवाद होते हैं। पहले पंचायतों की परम्परा थी और घर के विवाद घर के बडे बुजुर्ग आपसी समझौता कराकर समाप्त करा देते थे। वही परम्परा आज लोक अदालत के पर्व के रूप में मनायी जाती है। छोटे-छोटे विवादों का निस्तारण लोक अदालत के माध्यम से होने से बडे विवादों और जघन्य अपराधों से सम्बन्धित मुकदमों का निस्तारण करने में न्यायालय के समय का सदुपयोग होगा। अगर देश को समृद्ध बनाना है तो पंचायती व्यवस्था का महत्वपूर्ण योगदान होगा। आज हिन्दी दिवस के अवसर पर माननीय न्यायमूर्ति द्वारा सभी को शुभकामनायें और यह संदेश दिया गया कि सभी भाषायें मौसी हैं और हिन्दी माता है। मौसियों का भी सम्मान बना रहे परन्तु माँ का सर न झुके। यह ध्यान रहे कि अंग्रेजी या अन्य भाषाओं को जानते जानते हम हिन्दी को न भुला दें। साधारण व्यक्ति को अपनी भाषा में न्याय मिलना चाहिए और न्याय मिलते हुए दिखना भी चाहिये। जिस प्रकार हवन में सभी की आहूति होती है उसी प्रकार लोक अदालत की सफलता में सभी का योगदान होता है।

प्रशासनिक न्यायमूर्ति माननीय डा० गौतम चौधरी ने परिवार न्यायालय में विचाराधीन मामलों में पारिवारिक मतभेदों को और विवादों को समाप्त कर दम्पत्तियों को एक साथ रहने के लिए प्रोत्साहित किया। 15 दम्पत्तियों ने आपसी मतभेदों को समाप्त कर एक दूसरे को फूलों की माला पहना कर नई शुरूआत करने का निर्णय लिया। माननीय प्रशासनिक न्यायमूर्ति ने इन दम्पत्तियों को आशीर्वाद दिया। सभी जोडे आशीर्वाद प्राप्त कर हंसते मुस्कारते हुए न्यायालय से वापस अपने घर गये। जनपद न्यायाधीश श्री हरवीर सिंह ने प्रशासनिक न्यायमूर्ति माननीय डा० गौतम चौधरी के आगमन पर न्यायिक परिवार की ओर से धन्यवाद ज्ञापित किया। जनपद न्यायाधीश द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक मामलों को निस्तारित करने के लिए न्यायिक अधिकारियों को प्रोत्साहित किया। प्राधिकरण के सचिव/अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश फिरोजाबाद श्री पीयूष सिद्धार्थ ने अवगत कराया कि माननीय न्यायमूर्ति महोदय द्वारा हिन्दी को बढावा देने के लिए माननीय उच्च न्यायालय में 21 हजार से भी ज्यादा मुकदमों का निस्तारण हिन्दी भाषा में किया है जो कि अपने आप में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि व रिकार्ड है। सचिव द्वारा प्राधिकरण की उपलब्धियों के विषय में जानकारी दी गयी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण फिरोजाबाद गरीब, असहाय, वंचित वर्ग के लोगों को निशुल्क कानूनी सहायता प्रदान करने के लिए सदैव तत्पर रहता है। जिला प्रशासन, पुलिस विभाग, तहसील एवं ब्लॉक स्तर पर अधिकारियों का अपेक्षित सहयोग दिये जाने के लिए जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक का आभार व्यक्त किया। लोक अदालतों में मीडिया कर्मियों की विशेष भूमिका होती है वे भी प्रचार-प्रसार में अपेक्षित सहयोग देते हैं जिसके लिए मीडिया कर्मियों को भी धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम का संचालन अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री सर्वेश कुमार पाण्डेय-।। द्वारा किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल135195 वादों का निस्तारण किया जिसमें अर्थदण्ड व समझौता राशि कुल मु० 249543672/-रू० है।

इनमें से मुख्यतः जनपद न्यायालय द्वारा 31087 वाद, परिवार न्यायालयों द्वारा 114 वाद, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण द्वारा 13 वादों का निस्तारण किया गया जिसकी समझौता राशि मु० 8329000/-रू० है। राजस्व न्यायालय द्वारा 38221 वाद, बैंक द्वारा वसूली योग्य 1449 वादों में 209011000/- रू० की धनराशि का सैटलमेंट किया गया। अन्य विभागों द्वारा 64438 वाद निस्तारित किये गये।

जनपद न्यायालय फिरोजाबाद न्यायिक अधिकारीगण में श्री हरवीर सिंह जनपद न्यायाधीश द्वारा 11 वाद, श्री सुनील कुमार सिंह-।। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कोर्ट सं०1 द्वारा 02 वाद, श्री नवनीत गिरी स्पेशल जज एस.सी./एस.टी. एक्ट फिरोजाबाद द्वारा 02 वाद, श्री मुमताज अली स्पेशल जज पोक्सो एक्ट फिरोजाबाद द्वारा 06 वाद, श्री सर्वेश कुमार पाण्डेय-।। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कोर्ट सं० 2 फिरोजाबाद द्वारा 04 वाद, श्री इफराक अहमद अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कोर्ट नं० 3 फिरोजाबाद द्वारा 295 वाद, श्री अर्चना गुप्ता अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कोर्ट नं० 9 फिरोजाबाद द्वारा 02 वाद, श्री अवधेश कुमार सिंह अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश पोक्सो कोर्ट नं० 1 फिरोजाबाद द्वारा 04 वाद, श्री जितेन्द्र गुप्ता अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कोर्ट नं० 7 फिरोजाबाद द्वारा 03 वाद, श्री राजीव सिंह अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश पोक्सो कोर्ट नं० 3 फिरोजाबाद द्वारा 08 वाद, श्री अतुल चौधरी अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश एफटीसी कोर्ट नं० 1 फिरोजाबाद द्वारा 05 वाद, श्री रवि कांत यादव अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश एफटीसी कोर्ट नं० 2 फिरोजाबाद द्वारा 02 वाद निस्तारित किये गये।

मजिस्ट्रेट न्यायालयों में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती मिनाक्षी सिन्हा द्वारा 9843 वादों का निस्तारण, सिविल जज सी०डि० श्री प्रेम बहादुर सिंह द्वारा 30 वादों का निस्तारण, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट शिकोहाबाद श्री विनीत कुमार यादव द्वारा 1751 वादों का निस्तारण, अपर सिविल जज सी०डि० कोर्ट नं० 1 फिरोजाबाद सुश्री नगमा खान द्वारा 1115 वादों का निस्तारण, सिविल जज सी०डि० एफटीसी फिरोजाबाद श्री सुशान्त बहल द्वारा 1508 वादों का निस्तारण, न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री अजय सिंह द्वारा 2013 वादों का निस्तारण, अपर सिविल जज जू०डि० कोर्ट नं० 4 फिरोजाबाद श्रीमती निमिषा गुप्ता द्वारा 1239वादों का निस्तारण, अपर सिविल जज जू०डि० कोर्ट नं० 1 फिरोजाबाद श्री जावेद द्वारा 1002वादों का निस्तारण, सिविल जज जू०डि० एफ०टी०सी० कोर्ट नं० 1 श्री सागर तायल द्वारा 736 वादों का निस्तारण, सिविल जज जू०डि० एफ०टी०सी० कोर्ट नं० 2 श्रीमती स्वेता सोनी द्वारा 610 वादों का निस्तारण, ग्राम न्यायालय टूण्डला श्री धर्मेन्द्र सिंह यादव द्वारा 1040 वादों का निस्तारण, ग्राम न्यायालय जसराना श्री शिरीश पटेल द्वारा 637 वादों का निस्तारण, सिविल जज जू०डि० शिकोहाबाद श्रीमती नेहा चौधरी द्वारा 20 वादों का निस्तारण, अपर सिविल जज जू०डि० कोर्ट नं० 1 शिकोहाबाद श्री अमित कुमार मौर्य द्वारा 1246 वादों का निस्तारण, अपर सिविल जज जू०डि० कोर्ट नं० 2 शिकोहाबाद श्री उदयन कुमार गौतम द्वारा 1305 वादों का निस्तारण, विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्री मुनेश कुमार सिंह द्वारा 3011 वादों का निस्तारण व विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वितीय श्री अनिल प्रताप सिंह द्वारा 3511 वादों का निस्तारण किया गया।

भाजयुमो ने फूंका सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का पुतला

फिरोजाबाद, 14 सितम्बर (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के युवा मोर्चा (भाजयुमो) जिला अध्यक्ष अंकित तिवारी के नेतृत्व में शनिवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का जैन मंदिर चौराहे पर एक प्रतीकात्मक पुतला दहन किया गयाहै।

इस अवसर पर अंकित तिवारी ने कहा कि सपा पमुख अखिलेश यादव हिंदू विरोधी मानसिकता रखते हैं। उन्होंने एक फिर से अपनी हिंदू विरोधी मानसिकता को दशार्ते हुए सनातन समाज के सभी मठाधीशों को माफिया से तुलना करके सभी हिंदू समाज को गाली देने का प्रयास किया है। यह पहली बार नहीं है बल्कि अखिलेश यादव बार-बार समय-समय पर हिंदुओं के देवी-देवताओं को गाली देने का कार्य करते रहते हैं। जिस तरह से अखिलेश यादव हिंदू विरोधी अपनी मानसिकता को दिखाते हुए हिंदुओं के पूज्यवान गुरुवर या देवी देवताओं को गाली देने का प्रयास करते हैं उसे हिंदू समाज कभी माफ नहीं करेगा।

भाजुयुमो जिला अध्यक्ष का कहना है ऐसे लोगों को भारतीय राजनीति में रहने का कोई हक नहीं है जो देश के करोडों हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाते हैं। उन्हें हर बार भला बुरा कह के हिंदू समाज को गाली देने का प्रयास करते हैं। इसी को लेकर भारतीय जनता युवा मोर्चा महानगर फिरोजाबाद ने अखिलेश यादव का पुतला दहन किया और प्रशासन से मांग की है कि उनके खिलाफ करवाई की जाए। इस दौरान विकास, देश दीपक, हेमंत, दीपक, राहुल, रोहित, ध्रुव, संकेत, हिमांशु, अजय, प्रियांशु, ओमबीर, आशीष, अमित, ललित, सुमित आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विद्युत समस्या को लेकर किसान यूनियन ने एक्सईएन को सौंपा ज्ञापन

जर्जर विद्युत तारों को बदलने के साथ गिरासू पोल भी बदले जाएं

शिकोहाबाद। बिजली समस्या को लेकर भारतीय किसान यूनियन अराजनेतिक के जिलाध्यक्ष की अध्यक्षता में किसान यूनियन के पदाधिकारियों का एक प्रतिनिधि मंडल अधिशाषी अभियंता विद्युत से आवास विकास कालोनी स्थित उनके कार्यालय पर मिला। प्रतिनिध मंडल ने अधिशाषी अभियंता से बिजली की समस्या को शीघ्र हल कराये जाने की मांग की। चेतावनी दी अगर समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो किसान यूनियन ग्रामीणों के साथ आंदोलन के लिए बाध्य होगी।

यूनियन के जिलाध्यक्ष डॉ. पुष्पेन्द्र कुमार एडवोकेट के नेतृत्व में अधिशासी अभियंता कार्यालय पर भाकियू के कार्यकताओं ने जमकर नारेबाजी की। इस दौरान अधिशाषी अभियंता को बिजली समस्याओं से अवगत कराया गया। नेताओं ने कहा कि खेरगढ़ फीडर की लाइन के तार आजादी के बाद से बदले नहीं गए हैं। जिससे पूरी लाइन जर्जर हालत में है। नलकूप के लिए जो अलग से नई लाइन पड़ी है, उसको अब तक सुचारू रूप से चालू नहीं किया गया है। गांव बासुदेवमई में किसान के खेत में एक पोल गिरने के कगार पर है। उसकी शिकायत पिछले 4 महीने से की जा रही है, लेकिन सुनवाई आज तक नहीं हुई है। गांव में ही एक किसान के खेत में लाइन के तार जमीन से मुश्किल से 6 फुट की दूरी पर हैं। जिससे कभी भी बड़े हादसे का डर बना हुआ है।

पुष्पेन्द्र कुमार ने कहा कि पिछले दो साल से ज्ञापन दिए गए, कुछेक काम को छोड़कर एक भी कार्य नहीं हुआ और अधिकारियों को फोन करते है, तो कोई भी फोन नहीं उठाते है। शिकोहाबाद शहर और ग्रामीण की बिजली व्यवस्था खराब चल रही है। चेतावनी दी कि समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो इसी अधिसाशी अभियंता के कार्यालय पर किसान पंचायत बुलायी जायेगी। ज्ञापन देने वालों में संजय चौहान जिलाध्यक्ष युवा, विजेंद्र सिंह तहसील अध्यक्ष, रजनीश, राघवेंद्र प्रताप, अनिल कल्लू, अंकुर, वरुण, शंकर, अजय मोहन शर्मा, ब्रह्मप्रकाश, डीके, यतेन्द्र फौजी, सतेंद्र, सुनील, सुशील, मनीष, सोनू रावत, संगीत, प्रेम सिंह आदि पदाधिकारी और किसान उपस्थित रहे।

एफएस विश्वविद्यालय में हिंदी दिवस धूम धाम से मनाया

शिकोहाबाद। एफएस विश्वविद्यालय में हिन्दी दिवस धूम धाम से मनाया गया। जिसमें सैकडों की संख्या में छात्र - छात्राओं की उपस्थिति रही। हिन्दी दिवस के अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि प्रो. डॉ. महेश चन्द्र आलोक हिन्दी विभागाध्यक्ष नारायण डिग्री कॉलेज शिकोहाबाद उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का प्रारंम्भ सरस्वती मां की पूजा तथा वन्दना के साथ हुआ। इसके बाद मंच पर उपस्थित अतिथि को तुलसी का पौधा देकर स्वागत किया। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ.दिलीप यादव द्वारा हिन्दी दिवस की महत्वता पर प्रकाश डाला। उन्होने कहा कि हिन्दी हमारी मातृभाषा है। जिसे देश में पूर्ण सम्मान दिये जाने की आवश्यकता है। जिसे व्यवहार में पूर्ण रुप से अपनाकर दिया जा सकता है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ.संजीव भारद्वाज,महानिदेशक डॉ.अभिनव श्रीवास्तव ने पधारे हुये अतिथि का स्वागत किया। मुख्य अतिथि प्रो.आलोक ने हिन्दी की महत्वता बताते हुये उन्होने हिन्दी को अपनी मात्र भाषा होने पर गर्व जताया। कुलाधिपति डॉ.दिलीप यादव तथा कुलपति डॉ.संजीव भारद्वाज, महानिदेशक डॉ.अभिनव श्रीवास्तव द्वारा मुख्य अतिथि का शाल पहनाकर तथा स्मृति चिन्ह एवं रामचरितमानस भेटकर सम्मानित किया । कार्यक्रम के अन्त में कार्यक्रम समन्वयक डॉ.रोहित कृष्णा द्वारा आये हुये सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रतिकुलाधिपति डॉ.योगेश यादव,ट्रस्टी डॉ.राहुल यादव,डॉ.नितिन यादव तथा समस्त स्टाफ एवं छात्र छात्राऐं उपस्थित रहीं।

जल जनित बीमारियों से बचाव को जागरूक किया

फिरोजाबाद। घर घर जल योजना की जनजागरुक टीमों को रवाना किया गया।

ब्लाक टूंडला के खंड विकास अधिकारी ने हरी झडी दिखाकर रवाना किया।

जल जीवन मिशन के माध्यम से जनपद के विभिन्न ग्राम पंचायत व राजस्व ग्राम पंचायतों में कार्यशाला आयोजन किया गया।

आई सी सी ग्राम पंचायत का उत्तर दायित्व संचालन एवम रख रखाव संबंधित जन जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें शुद्ध एवम सुरक्षित पेय जल तथा जल जनित बीमारियों से बचाव को जागरूक किया गया। खंड विकास शिकोहाबाद के सहायक विकास अधिकारी पंचायत अनुराग कुमार ने शुक्रवार को जागरूकता टीमों को हरी झंडी दिखाकर ग्राम पंचायतों व राजस्व ग्राम पंचायतों को रवाना किया।

इस दौरान विंग्स वेलफेयर एंड इलुरेशन आफ नीडी ग्रामीण संस्था के डीपीसी इमाम तथा एडीपीसी पूजा प्रशिक्षक हेमेंद्र शर्मा, दीपक शर्मा, धर्मेंद्र कुमार, प्रगति, तारा, पवन कुमार तथा अभिषेक मौजूद रहे।

दो दिन पूर्व लापता हुए युवक का कोई सुराग नही

दो दिन पूर्व लापता हुए युवक का कोई सुराग नही

फिरोजाबाद, थाना दक्षिण के मोहल्ला जूता वाली गली से बाइक सहित लापता हुए युवक का अभी तक कोई पता नही चला है पिता द्वारा दी गयी तहरीर पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर युवक की तलाश शुरू कर दी है

जूता वाली गली निवासी रबीन्द्र कुमार अग्रवाल पुत्र चन्द्रभान ने थाना दक्षिण में दी गयी, तहरीर में कहा है, कि उनका 40 वर्षीय पुत्र रोहित कुमार अग्रवाल जयना ग्लास में सर्विस करता है। वह 12 सितम्बर प्रातः 10 बजे घर से जयना ग्लास में अपनी मोटरसाइकिल नम्बर यू पी 83 एक्स 9614 से गया था, शाम को जब घर नही आया , तो उसकी तलाश शुरू कर दी, तो भी पता नही चला तो थाने पहुँचकर गुमशुदगी दर्ज करायी। तहरीर में रोहित के गायब होने और इसके साथ किसी अनहोनी होने की आशंका व्यक्त की है। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

उज्जवल राठौर ने सिल्वर मेडल प्राप्त कर स्कूल का नाम रोशन किया

स्कूल के खिलाड़ियों की टीम प्रदेश स्तर पर अंडर 17 में उपविजेता रही

शिकोहाबाद। प्रहलाद राय टीकमानी सरस्वती इंटर कॉलेज के खिलाड़ियों की टीम प्रदेश स्तर पर अंडर 17 बालक वर्ग में उप विजेता रही। कॉलेज के छात्र उज्जवल राठौर ने सिल्वर मेडल प्राप्त कर अपना और विद्यालय का नाम रोशन किया।

इसी क्रम में प्रदेश स्तर पर विद्यालय के छात्र आयुष,ऋषभ,समर्थ,सीटू ने फुटबॉल में अपना बेहतर प्रदर्शन किया। संकुल स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में विद्यालय के 16 छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। जिसमें 13 छात्र-छात्राओं ने प्रथम स्थान प्राप्त कर प्रांतीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता के लिए चयनित हुए। यह सभी खिलाड़ियों को प्रधानाचार्य महेश चंद्र दुबे द्वारा मेडल शील्ड एवं प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की। शारीरिक शिक्षक हरि सिंह के मार्गदर्शन में में तीन टीम खेल मैं बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त आचार्य बंधुओ ने बेहतर प्रदर्शन के लिए बधाई दी।

मड़वा गांव के समीप यमुना में मिली महिला की लाश

शिकोहाबाद। नगला खंगर थाना क्षेत्र अंतगर्त यमुना नदी में एक महिला की लाश शुक्रवार शाम को बहती हुई स्थानीय लोगों ने देखी। सूचना पर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को यमुना से बाहर निकाला और फिरोजाबाद मेडिकल कॉलेज के लिए भेज दिया।

प्रभारी निरीक्षक गिरीश कुमार का कहना है कि एक महिला का शव यमुना में बहता हुआ थाना क्षेत्र में आ गया था। स्थानीय लोगों की सूचना पर शव को यमुना से निकाल कर फिरोजाबाद भेज दिया है। मृतका की उम्र लगभग 30 वर्ष के करीब है।

वह ब्लाउज और पेटीकोट पहने हुए हैं। उसके शसीर पर साड़ी नहीं है। महिला की शिनाख्त का प्रयास किया जा रहा है। शव की शिनाख्त होने एवं पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर ही उसकी मृत्यु के बारे में जानकारी हो सकती है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रशान्त वशिष्ठ के लिये पुष्प प्रिंटर्स, बौधाश्रम फिरोजाबाद से छपकर कार्यालय दैनिक सच क्या है बौधाश्रम फिरोजाबाद से प्रकाशित।
सम्पादक- छीतरिया शर्मा
फोन नं. 05612297399. 9411927251, 9259041013, 9997830502
E-mail fzd@suchkyahai.com
suchkyahai@gmail.com
suchkyahai87@gmail.com